मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	35.2	32.1
जमशेदपुर	35.4	28.2
डालटनगंज	42.8	28.8

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

चुनावी समर

रांची, सोमवार 27 मई 2024 ● ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 04 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 48

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

लंबी और थकाऊ चुनाव प्रक्रिया का साइड इफेक्ट- नेताओं की फिसलने लगी जुबान

ये क्या बोल गए नीतीश कुमार

हम तो चाहते हैं एक बार फिर नरेंद्र मोदी जी मुख्यमंत्री बनें

पटना। बिहार के सीएम नीतीश कुमार की जुबान लगातार फिसल रही है. रविवार को एक बार फिर एक सभा में नीतीश की जुबान फिसल गई और उन्होंने पीएम मोदी के मुख्यमंत्री बनने की कामना कर दी. लोगों से पीएम मोदी को मुख्यमंत्री बनाने का

आग्रह किया. दरअसल सीएम पटना साहिब सीट के दनियावां में प्रत्याशी रविशंकर प्रसाद के प्रचार में भाषण दे रहे थे, तभी बोलते-बोलते गड़बड़ा गए. नीतीश ने रविशंकर के कमल छाप पर वोट देने का जनता से आग्रह किया और कहा-हम तो चाहते हैं कि एनडीए बिहार की सभी 40 सीटों पर जीते और देश में 400 सीट जीते और मोदी जी फिर मुख्यमंत्री बनें. ये सुनते ही अंगरक्षक ने कान में कहा- मोदी प्रधानमंत्री हैं, इसके बाद नीतीश ने कहा, अरे वह तो पीएम हैं ही उनको फिर से प्रधानमंत्री बनाना है, वह और आगे बढ़ें. वहीं नीतीश ने लालू प्रसाद का नाम लिए बगैर कहा कि एक आदमी था, जो नौ गो बेटा-बेटी पैदा किया और अपने हट गया तब बेटी को बना दिया. बेटा-बेटी यही सब करते रहता है.

मोदी का हिंदू-मुस्लिम राग जारी

विपक्षी लोग मुस्लिमों के लिए संविधान बदल देंगे

मिर्जापुर (उप्र)। पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को गठबंधन इंडिया को साम्प्रदायिक और जातिवादी बताते हुए दावा किया कि वह मुस्लिमों को आरक्षण देने के लिए संविधान बदल देगा. मोदी ने घटक अपना दल की अनुप्रिया पटेल के समर्थन में

चुनावी रैली में कहा- सपा-कांग्रेस वोट बैंक के लिए समर्पित हैं, जबकि मोदी पिछड़ों-गरीबों के के लिए समर्पित है. सबने इनको पहचान लिया है. ये लोग कट्टर साम्प्रदायिक, जातिवादी और परिवारवादी हैं. जब भी इनकी सरकार बनेगी, वे इसी आधार पर फैसला लेंगे. इससे पहले, भारत माता की जय, माता विंध्यवासिनी के जयघोष के साथ बात शुरू करते हुए मोदी ने जय श्रीराम का नारा लगाया. कहा कि संयोग देखिए 4 जून (जिस दिन मतगणना होगी) को बड़ा मंगल है. 4 जून को बड़ा मंगल के दिन फिर एक बार -जय श्रीराम. देश ने तीसरी बार भाजपा- राजग की सरकार बनाना पक्का कर दिया. इसका सीधा कारण नेकनीयत, नेक नीतियां और राष्ट्र प्रथम और हमारी राष्ट्र निष्ठा है.

राहुल गांधी का मोदी पर निशाना

पीएम एकमात्र इंसान जिनका डायरेक्ट परमात्मा से कनेक्शन

नाहन (हिमाचल)। आखिरी चरण के प्रचार के लिए रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी हिमाचल प्रदेश के नाहन पहुंचे. सभा में राहुल ने कई पत्रकारों पर पीएम मोदी से कठिन सवाल नहीं पूछने का आरोप लगाते हुए उन्हें एक बार फिर चमचा कहा.

कहा कि आजकल मोदी के इंटरव्यू चल रहे हैं, चार चमचों को बैठा देते हैं और फिर वो सवाल पूछते हैं. मोदी जी बताइए- आप आम कैसे खाते हो? उसे छील कर खाते हो या चूस कर. मोदी जी जवाब देते हैं पता नहीं, सबकुछ अपने आप होता है, मैं बाकी लोगों की तरह बायोलॉजिकल नहीं हूं. बाकी लोग खेती करते हैं, मेहनत करते हैं. मुझे तो परमात्मा गाइड करते हैं. मैं हिंदुस्तान में अकेला व्यक्ति हूं अकेला, जिसका डायरेक्ट परमात्मा से कनेक्शन है. इस बात पर चमचे कहते हैं वाह-वाह. राहुल ने कहा, एक व्यक्ति का जिसका डायरेक्ट परमात्मा से संबंध है, उसको संविधान की क्या जरूरत है. वो तो डायरेक्ट बात कर रहा है. मोदी जी, मैं पूछना चाहता हूं कि आपको ऐसी फीलिंग कब आती है.

संजय राउत ने किया बड़ा दावा

मोदी-शाह ने चुनाव में गडकरी को हराने के लिए काम किया

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने रविवार को दावा किया कि पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह और महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने चुनाव में नितिन गडकरी की हार के लिए काम किया. शिवसेना (यूबीटी) के

मुखपत्र सामना में राउत ने लिखा, पीएम मोदी, शाह और फडणवीस ने नागपुर में गडकरी की हार के लिए काम किया. जब फड़नवीस को लगा कि उन्हें हराया नहीं जा सकता, तो उन्होंने न चाहते हुए भी गडकरी के लिए प्रचार किया. आरएसएस के लोग कह रहे हैं कि फडणवीस ने विपक्ष के लिए गडकरी को हराने का काम किया. राउत ने योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर चुनाव के बाद मोदी-शाह सत्ता में लौटे, तो यूपी के सीएम को बदल दिया जाएगा.राउत के इन दावों पर महाराष्ट्र के भाजपा प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि वह भ्रम में हैं. भाजपा एक पार्टी नहीं, बल्कि परिवार है. जो लोग हमेशा गुटबाजी की राजनीति करते आए हैं, वे पारिवारिक बॉन्ड को नहीं समझ सकते.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	67,800
चांदी (किलो)	92,000

ब्रीफ खबरें

इजरायल पर फिर बड़ा हमला, दागीं मिसाइलें

तेल अवीव। हमास ने इजरायल पर एक बार फिर से हमला किया है. हमास की सशस्त्र विंग अल-कसम ब्रिगेड ने कहा कि उसने तेल अवीव पर बड़ा मिसाइल हमला किया है. इजरायली सेना ने आने वाले रॉकेटों की चेतावनी के लिए सायरन भी बजाया, जिससे लोगों को अलर्ट किया जा सके. पिछले अक्टूबर महीने की शुरुआत में हमास के आतंकियों ने अचानक से इजरायल पर हमला बोल दिया था, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई थी.

विदेशी फर्जी कॉल पर रोक लगाने का निर्देश

नयी दिल्ली। सरकार ने दूरसंचार कंपनियों को भारतीय मोबाइल नंबर प्रदर्शित करने वाली सभी इनकमिंग अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉल को प्रतिबंधित करने का निर्देश दिया है. दूरसंचार विभाग ने रविवार को जारी बयान में कहा कि टेलीकॉम सेवा प्रदाताओं ने ऐसी विदेशी फर्जी कॉलों की पहचान करने और उन्हें किसी भी भारतीय टेलीकॉम इसे रोकने के लिए एक प्रणाली तैयार की है. ऐसी अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉलों को रोकने के लिए टीएसपी को निर्देश जारी किए गए हैं.

हादसे में 12 श्रद्धालुओं की मौत, कई घायल

शाहजहांपुर (उप्र)। यूपी से पड़ोसी राज्य उत्तराखंड में स्थित पूर्णागिरि मंदिर में दर्शन के लिए जा रहे श्रद्धालुओं की बस के ऊपर शाहजहांपुर जिले में गिट्टियों (बजरी) से भरा डंपर ट्रक पलट जाने से हुए हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 12 हो गयी है.

पढ़ा-लिखा और संपन्न समाज ही वोट करने में कम दिलचस्पी दिखा रहा

शहरी क्षेत्र में वोटिंग कम क्यों?

संजय सिंह। रांची

निर्वाचन आयोग और राज्य प्रशासन की तमाम कोशिशों के बावजूद झारखंड में मतदान का आंकड़ा लगतार गिरता गया. देश के छठे और झारखंड के तीसरे चरण में चार लोकसभा सीटों रांची, जमशेदपुर, धनबाद, गिरिडीह में शनिवार को मतदान हुआ, लेकिन इस चरण में भी ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में शहरी क्षेत्र में मतदान का प्रतिशत काफी कम रहा. कहीं-कहीं तो शहरी क्षेत्र में पिछले लोकसभा चुनाव की तुलना में काफी कम मतदान हुआ.

रांची लोकसभा सीट की बात करें, तो यहां शहरी क्षेत्र के हटिया, कांके, रांची में मतदान का प्रतिशत काफी कम रहा, हालांकि ग्रामीण क्षेत्र के ईचागढ़, सिल्ली, खिजरी विस क्षेत्र में मतदान प्रतिशत ज्यादा रहा. यानी निर्वाचन आयोग और जिला प्रशासन भी शहरी क्षेत्र के मतदाताओं को वोटिंग के लिए घर से बाहर निकालने में सफल नहीं हो पाया. उनकी सारी कोशिशें नाकाम हो गईं. निर्वाचन आयोग और जिला प्रशासन ने जागरूकता अभियान तो चलाया, लेकिन इसका शहरी वोटरों पर कोई असर नहीं पड़ा. राजनीतिक दलों के लोगों को भी यह भलीभांति पता था कि जितने ज्यादा मतदाता घरों से निकलेंगे, उनकी पार्टी के प्रत्याशियों को उतना फायदा हो सकता है. लेकिन पार्टियों, चुनाव व बूथ एजेंटों ने भी न तो वोटरों से संपर्क करने की कोशिश की और न उन्हें बूथ तक लाने का प्रयास किया. दरअसल शहरी क्षेत्र में वोटिंग कम होने की एक नहीं कई वजहें हैं.

झारखंड के भी तीन चरणों को देखें तो जिन क्षेत्रों में जितना ज्यादा शहरी क्षेत्र शामिल हुआ, वहां कम मतदान हुआ. लेकिन जहां ग्रामीण क्षेत्र ज्यादा है, वहां मतदान प्रतिशत 2019 के आसपास ही रहा. देखने में आया है कि पढ़ा-लिखा और कमोबेश संपन्न समाज ही ज्यादा वोट करने से विमुख हो रहा है.

पहला चरण		
सीट	2024	2019
खूंटी	69.93	69.25
पलामू	61.27	64.34
लोहरदगा	66.45	66.30
सिंहभूम	69.32	69.26

दूसरा चरण		
सीट	2024	2019
कोडरमा	61.81	66.68
चतरा	63.69	64.97
हजारीबाग	64.39	64.85

तीसरा चरण		
सीट	2024	2019
गिरडीह	67.23	67.12
जमशेदपुर	67.68	67.19
धनबाद	62.06	60.47
रांची	61.92	64.49

राजनीतिक दलों की उदासीनता

पहले राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता जिन्हें बूथ की जिम्मेवारी मिलती थी, मतदान के दिन से एक-दो दिन पहले ही वोटर लिस्ट से मतदाताओं का नाम दर्ज कर पर्ची घर-घर तक पहुंचा दिया करते थे. पर्ची पर इस बात का उल्लेख हुआ करता था कि मतदाता को किस बूथ पर मतदान करना है. लेकिन अब राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता या बूथ प्रभारी मतदाता पर्ची नहीं पहुंचा रहे हैं, मतदाताओं को पता ही नहीं चल पता है कि उन्हें किस बूथ पर जाना है. नतीजतन शहरी क्षेत्र के मतदाता माथापच्ची करने की बजाय वोट डालने के लिए घर से निकलते ही नहीं है.

बूथों के बाहर भी बूथ एजेंट नहीं नजर आते

शहरी क्षेत्र के अधिकांश मतदान केंद्रों के बाहर राजनीतिक दलों के बूथ एजेंट भी नजर नहीं आते हैं. कहीं बैठे भी रहते हैं, तो मतदाताओं से कनेक्ट नहीं हो पाते. नतीजतन वोटर भी मतदान केंद्र पर जाने से हिचकिचाते हैं. पहले राजनीतिक दलों के एजेंट बूथ पर बैठते थे और अपने बूथ के मतदाताओं से सीधे तौर पर कनेक्ट भी रहा करते थे, लेकिन अब वैसी बात नहीं रह गयी. बूथ पर पहुंचा मतदाता भटकता रह जाता है.

बूथों पर नहीं मिलती मूलभूत सुविधाएं

शहरी क्षेत्र के ज्यादातर मतदान केंद्रों पर आम मतदाताओं के लिए न तो पीने के पानी की व्यवस्था, न गर्मी व धूप से बचने के लिए टेंट या शेड की ही व्यवस्था प्रशासन की ओर से की जाती है. मतदाताओं को कड़ी धूप में खुले आसमान के नीचे कतार में खड़े रहना पड़ता है. नतीजतन गर्मी, धूप को देखते हुए मतदाता वोट डालने के बजाय घर पर ही रहना पसंद करते हैं.

नाम ढूंढने में ही करनी पड़ती है माथापच्ची

आम मतदाता को पहले तो वोटर लिस्ट में नाम ढंढने में माथापच्ची करनी पड़ती है. मतदान केंद्रों पर बीएलओ सहित अन्य सरकारी कर्मचारी मतदाता सूची के साथ बैठे रहते हैं. लेकिन जब मतदाता उनके पास पर्ची के लिए के लिए पहुंचते हैं, तो वोटर लिस्ट में उन्हें नाम ढूंढने में ही काफी वक्त लग जाता है. कई दफा नाम नहीं मिलता नहीं या पता चलता है कि उनका बूथ किसी दूसरी जगह है, तो वो वोटिंग करने की बजाये घर लौट जाता है.

सब तो एक जैसे क्या फायदा वोट देकर

आम शहरी मतदाता राजनीतिक दलों व उनके प्रत्याशियों को लेकर उदासीन रहते हैं. उनका मानना है कि सभी राजनीतिक पार्टियां लगभग एक जैसी ही हैं. कोई जीते-कोई हारे, उनके काम कोई आनेवाला नहीं. ऐसी हालत में मतदान के लिए क्यों व्यर्थ समय जाया किया जाए. यह कहते हुए भी ज्यादातर शहरी मतदाता घरों से मतदान के लिए नहीं निकलते हैं.

तेजस्वी पर मोदी के दिए 'जेल' बयान से गरमाया सियासी पारा

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली में गर्मी के साथ-साथ सियासी पारा भी बढ़ता जा रहा है. लोकसभा चुनाव के सातवें और आखिरी चरण की वोटिंग से पहले भाजपा और विपक्षी दलों के बीच जुबानी हमले भी तेज हो गए हैं. इसी कड़ी में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने पीएम नरेंद्र मोदी पर उनके एक बयान के लिए जमकर हमला बोला है. दरअसल, पीएम मोदी ने मोदी ने शनिवार को काराकाट में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा था, मैं आज बिहार के लोगों को एक और गारंटी दे रहा हूं. जिन्होंने बिहार के गरीबों को लूट कर नौकरी के बदले में जमीन लिखवाई है, कान खोल कर सुन लो, उनके भी जेल जाने की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है. ये जैसे ही हेलीकॉप्टर में चक्कर मारने का उनका समय पूरा होगा, जेल का रास्ता तय हो जाएगा.

मैंने पहले ही किया था जिक्र : केजरीवाल

पीएम मोदी के इसी बयान को लेकर सीएम केजरीवाल ने रविवार को अपना विरोध जताया. उन्होंने सोशल

मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि कल बिहार में मोदी जी ने कहा - कुछ दिनों में तेजस्वी यादव जेल जाएंगे. इससे साफ जाहिर है कि कौन जेल जाएगा, कितने दिन जेल में रहेगा, ये मोदी जी तय करते हैं. ये बात जब मैंने कुछ दिन पहले कही थी, तो मुझसे पूछा गया कि ये मैं कैसे कह रहा हूं. शनिवार को नरेंद्र मोदी जी ने इसे पूरे देश के सामने कबूल किया.

मोदी की टिप्पणी का इशारा कुछ और

सांसद कपिल सिब्बल ने तेजस्वी यादव पर जेल संबंधी कटाक्ष किए जाने को लेकर पीएम मोदी पर रविवार को

निशाना साधा और दावा किया कि यह एक स्वीकारोक्ति है कि जांच एजेंसियां उनके इशारे पर काम कर रही हैं. मोदी ने गारंटी दी है कि चुनाव खत्म होने पर तेजस्वी को जेल भेजा जाएगा. वह तेजस्वी को जेल कैसे भेज सकते हैं? एक कानूनी प्रक्रिया है. इसका मतलब है कि कानून मोदी निर्देश पर काम कर रहा है. मैं कहता रहा हूं कि जांच एजेंसियां उनके इशारे पर काम कर रही हैं.

तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी को पत्र लिखा

आप जेल भेजने की धमकी दे रहे हैं अपने पद की गरिमा का ख्याल रखें

पटना। राजद नेता तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी को एक पत्र लिख कर संविधान और आरक्षण समेत कई मुद्दों को उठाया है. पत्र अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया है. पत्र में तेजस्वी ने कहा- आप भैंस, मंगलसूत्र के रास्ते होते मुजरा तक आ गये हैं. आपसे अपेक्षा नहीं है कि आप अब पद की गरिमा का ख्याल रखेंगे, विमर्श ऊंचा रखेंगे. तेजस्वी ने लिखा है कि आप लोकतांत्रिक लड़ाई लड़ने के बजाय एक 34 वर्षीय युवा को जेल भेजने की धमकी दे रहे हैं.

क्या आप धमकियां देकर संविधान का उल्लंघन नहीं कर रहे हैं? चुनाव तो आते-जाते रहेंगे लेकिन संविधान, देश की सामाजिक संरचना व उसके ढांचे पर और हमला मत कीजिए. आप बिहार आये, लेकिन यहां आकर आपने झूठी, आधारहीन बातें कहीं. एक विशाल देश के पीएम की भाषा क्या ऐसी होनी चाहिए? आप खुद ही सोचिए. आपके चुनावी भाषणों का गिरता पैमाना ही आपकी राजनैतिक सरकार में आये तो हमने आते ही राज्य के खर्च पर जातिगत सर्वेक्षण कराया. पीएम जी, हमने उसके आलोक में आरक्षण का दायरा 75% तक बढ़ाया और आपसे मांग करते रहे कि इसको संविधान की नौंवी अनुसूची में डालिए, लेकिन मोदी जी, मूलतः आप पिछड़ा और दलित विरोधी मानसिकता के हैं.

कोलकाता में तूफान रेमल का लैंडफॉल

- पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में भारी बारिश, तेज हवाओं से आफत
- प्रधानमंत्री ने दिल्ली में की आपात बैठक, दिए अफसरों को कई निर्देश
- बांग्लादेश में नौका डूबी, एक के मरने की खबर, तबाही रोकने को टीमें तैयार

एजेंसी। कोलकाता/ नयी दिल्ली

चक्रवात रेमल ने पश्चिम बंगाल के तट से टकराने के बाद रविवार देर रात कोलकाता के समुद्री तटों पर भी इसका लैंडफॉल शुरू हो गया है. तूफान के आगे बढ़ने की यह प्रक्रिया 5 से 7 घंटे तक चलेगी. इस दौरान 110 से 120 किमी की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं, जो और भी बढ़ सकती हैं. चक्रवात के प्रभाव से कोलकाता और बंगाल के सभी दक्षिणी जिलों में भारी बारिश हो रही है. इस तूफान से 20 सेमी से अधिक की बारिश हो सकती है. इस बीच, पीएम नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में उच्च स्तरीय बैठक करके तूफान के बारे में जानकारी ली. और अधिकारियों से सभी एहतियात बरतने का निर्देश दिया है. एक लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा जा चुका है.

बांग्लादेश में भारी तबाही की आशंका

बांग्लादेश में तूफान से एक युवक की मौत हो गई, समुद्री लहरें उसे बहा ले गईं और दक्षिण-पूर्वी पटुआखाली में कई घायल हो गए. 50 से अधिक यात्रियों से भरी एक नौका तूफान के रास्ते में मोंगला के पास डूब गई. लोगों को बचा लिया गया. उन्हें कुछ चोट आई है. आशंका जताई जा रही है कि तूफान से बांग्लादेश के निचले हिस्सों में भारी तबाही हो सकती है.

बांग्लादेश में भी लोगों को दी गई राहत: तूफान रेमल देर रात बांग्लादेश के तटों से टकराया. तूफान के ध्यान में रखते हुए तटीय क्षेत्रों के संवेदनशील इलाकों से 8 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है.

सकारात्मक असर — बिहार में शराबबंदी से 18 लाख पुरुषों में घटा मोटापा, आई खुशहाली

घरेलू महिला हिंसा के मामलों में 21 लाख तक की कमी

लगातार न्यूज नेटवर्क। पटना

बिहार में 2016 में शराब पर लगी रोक से रोज और साप्ताहिक रूप से शराब पीने के मामलों में 24 लाख की कमी आई है. साथ ही अंतरंग साथी द्वारा हिंसा के मामलों में 21 लाख की कमी आई है. द लांसेट रीजनल हेल्थ साउथ -ईस्ट एशिया जर्नल में प्रकाशित एक नये अध्ययन में ये आंकड़े सामने आए हैं. इसमें कहा गया कि यह भी अनुमान है कि इस प्रतिबंध ने राज्य में 18 लाख पुरुषों को अधिक वजन या मोटापे से ग्रस्त होने से रोका है.

बता दें कि अनुसंधानकर्ताओं के दल में अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान के लोग भी शामिल रहे. शोधकर्ताओं ने राष्ट्रीय और जिला स्तर पर स्वास्थ्य और घर-घर जाकर किए गए सर्वेक्षण के आंकड़ों का विश्लेषण किया. इसके लेखकों ने कहा, सख्त शराब विनियमन नीतियां अंतरंग साथी द्वारा की गयी हिंसा के कई पीड़ितों और शराब के आदी लोगों के स्वास्थ्य के लिहाज से लाभकारी हो सकती हैं. रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल 2016 में बिहार सरकार ने शराब के निर्माण, परिवहन, बिक्री और सेवन पर पूर्ण रोक लगा दी थी. सख्ती से इसके पालन ने इसको स्वास्थ्य और घरेलू हिंसा के परिणामों पर सख्त शराब प्रतिबंध नीति के वास्तविक असर का अनुमान लगाने के लिए एक आकर्षक स्वाभाविक प्रयोग बना दिया है.

- बिहार में 2016 में लागू हुई थी पूर्ण शराबबंदी
- यौन हिंसा में भी आई 3.6% तक की गिरावट

पुरुषों में शराब का सेवन 9.7% से बढ़कर 15% हो गया था

प्रतिबंध से पहले बिहार के पुरुषों में शराब का सेवन 9.7% से बढ़ कर 15% हो गया था जबकि पड़ोसी राज्यों में यह 7.2% से बढ़कर 10.3% हो गया. उन्होंने कहा, प्रतिबंध के बाद ये प्रवृत्ति बदल गयी और बिहार में कम से कम साप्ताहिक रूप से शराब के सेवन में 7.8 प्रतिशत तक की गिरावट आयी जबकि पड़ोसी राज्यों में यह बढ़कर 10.4 फीसदी हो गयी. उन्हें बिहार में महिलाओं के खिलाफ शारीरिक हिंसा में कमी के सबूत भी मिले और भावनात्मक हिंसा में 4.6 प्रतिशत अंकों की गिरावट और यौन हिंसा में 3.6 प्रतिशत अंकों की गिरावट दर्ज की गयी.

शराब पीने के मामलों में 24 लाख की कमी आयी

रिपोर्ट में कहा गया कि भारत के अन्य राज्यों में भी ऐसा ही प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहे नीति निर्माताओं के लिए इसके नतीजे अहम साबित होंगे. इस प्रतिबंध के कारण शराब पीने के मामलों में 24 लाख, पुरुषों में अधिक वजन/ मोटापे के 18 लाख मामलों और अंतरंग साथी द्वारा हिंसा के मामलों में 21 लाख की कमी आयी है. इस अध्ययन की रिपोर्ट से बिहार के सीएम नीतीश कुमार खुश हो सकते हैं. क्योंकि उन्होंने ही बिहार में पूर्ण शराबबंदी का फैसला किया था. जिसका सकारात्मक असर अब दिखने लगा है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष पिता से लाभ होगा. आलस का त्याग करें. साझेदारी में शुरू किया गया कार्य लाभ के अवसरों को बढ़ा सकता है. स्थायी संपत्ति खरीदने का मन बनेगा. दांपत्य जीवन में विश्वास बढ़ेगा. कामकाज की गति बनी रहेगी.

वृषभ धन के लिए समय बहुत ही उत्तम है भाग्य का साथ मिलेगा. घर की चिंता रहेगी. विरोधी भी आपसे प्रभावित होंगे. कला के क्षेत्र में इच्छित सफलता मिलने के योग हैं. सरकारी राज्यपक्ष के कामों में पर्याप्त सावधानी रखें. मित्रों से मदद मिलेगी.

मिथुन पेट से संबंधित रोगों से बचें. साथ ही किसी बड़े कार्य मे जोखिम न उठाएं. व्यावसायिक योजना के विस्तार में मित्रों से मदद मिलेगी. पुरानी झंझटों से राहत रह पाएगी. क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखना होगा.

कर्क समय उत्तम है. रोजगार में वृद्धि होगी. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. मेहनत व लगन से कार्यक्षेत्र में बेहतर सफलता हासिल कर सकेंगे. अपने व्यसनों पर काबू रखना चाहिए. माता का सेवा से तरक्की संभव है.

सिंह मौसमी बीमारियों से बचाव अति आवश्यक है. रोजगार के बेहतर अवसर मिलने से आय बढ़ेगी. दांपत्य जीवन सुखद रहेगा. प्रसन्नता-वर्धक समाचार मिलेंगे. व्यापार में इच्छित लाभ होगा. सूर्य को जल दें.

कन्या समय उत्तम है. कार्य होगा और प्रसन्नता बढ़ेगी. कारोबार में वांछित तेजी आने की संभावना रहेगी. विवेक से निर्णय करने पर लाभ एवं सफलता प्राप्त हो सकेगी. नए कार्य का आरंभ लाभदायी रहेगा.

तुला व्यर्थ की भागदौड़ ज्यादा रहेगी. कार्य नहीं होने से मन खिन्न होगा, धैर्य रखें. काम का बोझ कम करने के लिए जिम्मेदारियों को बांटना आवश्यक है. आर्थिक कामों में परेशानी आने की संभावना है.

वृश्चिक समय उत्तम है. विद्यार्थी सफल रहेंगे. धनार्जन होगा. पूंजी निवेश संबंधी कार्यों में सावधानी रखें. आत्मविश्वास बना रहेगा. कारोबार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा. पारिवारिक समस्याओं को प्राथमिकता से हल करें.

धनु वाणी पर नियंत्रण रखें. संपत्ति के कार्य लाभप्रद रहेंगे. भावनात्मक संबंधों में जल्दबाजी में निर्णय न लें. अधिकारी आपकी कार्यशैली से नाराज हो सकते हैं. परिश्रम के अनुरूप सफलता नहीं मिलेगी. संतान की इच्छा पूरी होगी.

मकर समय बहुत ही उत्तम है. पर उदर रोग से बचे. जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा. व्यवसाय ठीक करेगा. व्यापार में नए प्रस्ताव लाभकारी रहेंगे. सही समय पर लिए गए फैसले लाभ दिला सकते हैं. आवास संबंधी समस्या हल होने के योग हैं.

कुंभ क्रोध पर नियंत्रण रखें. विवाद न करें. उतावली में कोई काम न करें. पुरानी संपत्ति के रख-रखाव पर धन खर्च हो सकता है. सामाजिक, धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी. विद्यार्थियों को पढ़ाई की चिंता रहेगी. हनुमानजी का पूजन ध्यान करें.

मीन आय के लिए किया प्रयास सफल होगा. धर्म-कर्म में रुचि रहेगी. लाभ में वृद्धि होगी. कुसंगति से बचें. परिवार में मांगलिक कार्यक्रमों की चर्चा संभव है. संतान की रोजी-रोटी की चिंता समाप्त होने के योग हैं. अन्न दान करें.

दोनों दलों ने झोंकी ताकत, झामुमो के लिए अपनों से पार पाना बड़ी चुनौती

राजमहल लोकसभा सीट पर झामुमो व भाजपा की प्रतिष्ठा दांव पर

प्रवीण कुमार। रांची

भाजपा और इंडिया गठबंधन के लिए राजमहल लोकसभा सीट इस बार प्रतिष्ठा की सीट बन गई है. यह सीट अनुसूचित जनजाति आरक्षित है. कभी कांग्रेस की परंपरागत सीट समझे जाने वाली राजमहल सीट पर बाद में झामुमो ने सेंध लगायी. अब इस सीट पर भाजपा और झामुमो में किसकी प्रतिष्ठा बचती है और किसे हार का मुंह देखना पड़ेगा, इसका फैसला एक जून को वहां के मतदाता करेंगे.

भाजपा ने राजमहल लोकसभा सीट से ताला मरांडी को अपना उम्मीदवार बनाया है. ऐसे में भाजपा के नेता और कार्यकर्ता ताला मरांडी की जीत सुनिश्चित करने में जोर शोर से जुटे है. वहीं गठबंधन के तहत झामुमो तीसरी बार इस सीट पर अपनी जीत दर्ज करने की तैयारी कर रहा है. झामुमो ने निवर्तमान सांसद विजय हांसदा पर तीसरी बार भरोसा जताया है. इससे पहले विजय हांसदा 2014 व 2019 के चुनाव में जीत दर्ज कर चुके हैं. वहीं, अपनी ही पार्टी से बागी रुख अख्तियार किये झामुमो विधायक लोबिन हेंब्रम के चुनावी अखाड़े में कूदने से राजमहल का मुकाबला दिलचस्प हो गया है.

राजमहल लोकसभा क्षेत्र के चुनावी मुद्दे

राजमहल लोकसभा वैसे तो एक आदिवासी बहुल इलाका है, लेकिन यहां लंबे समय से अवैध तरीके से बांग्लादेशियों के घुसपैठ का मुद्दा काफी चर्चा में रहा है. हाल के दिनों में आदिवासी जमीन पर कब्जा के मामले में भी सुर्खियों में रहे हैं. इसके अलावा पलायन भी इस इलाके का अहम मुद्दा है. वहीं, क्षेत्र में मानव तस्करी का मुद्दा भी जोर-शोर से उठता रहा है. हाल के दिनों में राजमहल लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले बोरियो, बरहेट और पतना जैसे इलाकों से मानव तस्करी के कई मामले आये हैं. इस पर रोकथाम एक बहुत बड़ी चुनौती है. अवैध खनन के मामले भी चुनाव के मुद्दे के रुप में समाने आ रहे हैं. इसके अलावा राजमहल को पश्चिम बंगाल से जोड़ने के लिए गंगा नदी पर पुल के निर्माण की मांग वर्षों से उठती रही है. यही हाल साहिबगंज रेलखंड का भी है. देश की सबसे पुरानी रेल खंडों में शुमार होने के बावजूद इसका अब तक अपेक्षित विकास नहीं हो सका है.

राजमहल का चुनावी समीकरण

राजमहल लोकसभा क्षेत्र की बड़ी आबादी गांवों में रहती है. इस सीट पर जनजीवन बेहद ही सामान्य है. पश्चिम बंगाल से सटे होने के कारण यहां बंग्ला भाषी लोगों का भी बड़ा प्रभाव रहा है. इसके साथ ही यहां अल्पसंख्यकों और ईसाई मिशनरी का भी प्रभाव है. राजमहल लोकसभा क्षेत्र का अधिकांश हिस्सा साहिबगंज और पाकुड़ जिले में पड़ता है. वहीं सुंदर पहाड़ी का इलाका गोड्डा जिले और गोपीकांदर का इलाका दुमका जिले में पड़ता है. राजमहल विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की मजबूत पैठ है. 2019 के चुनाव में यहां से भाजपा प्रत्याशी ने एक लाख तीन हजार 62 मत लाकर झामुमो प्रत्याशी को 22 हजार 800 मतों के अंतर से पीछे धकेल दिया था.

ताला मरांडी के सामने हैं कई चुनौतियां

ताला मरांडी की सामने जीत के लिए नाराज चल रहे नेताओं और कार्यकर्ताओं को एकजुट करने के साथ ही खासकर राजमहल, लिट्टीपाड़ा व महेशपुर विधानसभा क्षेत्र में निकटतम प्रतिद्वंदी से काफी अंतरों से जीत हासिल करना सबसे बड़ी चुनौती रहेगी. क्योंकि, यही तीन विधानसभा क्षेत्र हैं, जहां ताला मरांडी ने अपने प्रतिद्वंदी को पीछे धकलने में कामयाबी हासिल की, तो संसद भवन तक उनके पहुंचने का उनका रास्ता साफ हो सकता है. राजमहल संसदीय क्षेत्र का पाकुड़ विधानसभा अल्पंसख्यक बहुल है. वहीं, बरहेट विधानसभा झामुमो का गढ़ है, लेकिन यहां से विधायक व पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद कार्यकर्ताओं में निराशा देखी जा रही है.

झामुमो प्रत्याशी को अपनों से ही खतरा

राजमहल संसदीय क्षेत्र अंतर्गत बोरियो विधानसभा का प्रतिनिधित्व झामुमो विधायक लोबिन हेंब्रम कर रहे हैं. इस लोकसभा चुनाव में अपनी ही पार्टी के उम्मीदवार के खिलाफ वे चुनाव मैदान में खड़े हैं. ऐसे में झामुमो को पार्टी के भीतर से ही चुनौती मिल रही है. लोबिन के साथ झामुमो के वैसे कार्यकर्ताओं की एक बड़ा समूह है, जो हमेशा पार्टी के लिए लड़ता रहा, लेकिन पार्टी में कभी तरजीह नहीं मिली. जमीन की हेराफेरी को लेकर भी लोबिन अपनी ही सरकार के खिलाफ आवाज उठाते रहे हैं, लेकिन उनकी एक भी नहीं सुनी गयी. वहीं, निर्वतमान सांसद विजय हांसदा के खिलाफ लोगों की नाराजगी का लाभ भी लोबिन हेंब्रम को मिल सकता है.

2019 के लोकसभा चुनाव में किसे कितने वोट मिले थे

विधानसभा	झामुमो	भाजपा
राजमहल	80262	103062
बोरियो	76301	65360
बरहेट	62921	49299
लिट्टीपाड़ा	71504	55035
पाकुड़	125966	76711
महेशपुर	89635	58212

राजमहल लोकसभा में कब किस पार्टी का रहा कब्जा

वर्ष	राजनीतिक दल
1957	कांग्रेस
1962	झारखंड पार्टी
1967	झारखंड पार्टी
1971	कांग्रेस
1977	जनता पार्टी
1980	कांग्रेस
1984	कांग्रेस
1989	झामुमो
1991	झामुमो
1996	कांग्रेस
1998	भाजपा
1999	कांग्रेस
2004	झामुमो
2009	भाजपा
2014	झामुमो
2019	झामुमो

पिछले चार साल में फ्लैट और संपत्ति से मिलने वाले इनकम में भी हुई वृद्धि

ईडी की रडार में आए ब्यूरोक्रेट्स की संपत्ति में होता रहा इजाफा

- मनीष रंजन ने फ्लैट, तो रामनिवास यादव ने राजस्थान में खरीदी जमीन
- अफसरों ने कार्मिक विभाग को सौंपा है अपनी-अपनी संपत्ति का पूरा ब्योरा

रवि भारती। रांची

ईडी के रडार में आए झारखंड कैडर के आईएएस अफसरों की संपत्ति में लगातार इजाफा होता रहा है. पिछले चार साल के दौरान कई अफसरों की संपत्ति में वृद्धि हुई है. वर्ष 2019 में इन अफसरों ने कार्मिक विभाग को जो संपत्ति का ब्योरा सौंपा था, उस हिसाब से 2023 में इनकी संपत्ति और संपत्ति से होने वाले सालाना इनकम में भी 10 से 20 लाख रुपये तक की वृद्धि हुई है.

राम निवास यादव ने राजस्थान में खरीदी जमीन

अवैध खनन मामले में ईडी की रडार में आए, रामनिवास यादव की संपत्ति में पिछले चार साल के दौरान इजाफा हुआ है. उन्होंने राजस्थान के जयपुर में 3.5 बीघा कृषि भूमि खरीदी है, जिसकी कीमत 14.83 लाख रुपये बताई है. 2019 में उनके पास राजस्थान में जमीन के साथ एक फ्लोर का घर था, जिसकी कीमत 2019 में 25 लाख रुपये बताई थी. राम निवास यादव 2015 बैच के अफसर हैं.

झारखंड, बिहार, मुंबई व देहरादून में है मनीष रंजन की संपत्ति

झारखंड कैडर 2002 बैच के आईएएस अफसर मनीष रंजन की धन संपत्ति झारखंड सहित बिहार, मुंबई और देहरादून में भी है. पिछले चार साल के दौरान उन्होंने रांची के ओन्या में एक फ्लैट खरीदा है, जिसकी कीमत 27.49 लाख बताई है.

2019 में मनीष की संपत्ति

- बिहार के छपरा में जमीन (कीमत सिर्फ एक लाख रुपये बताई गई है)
- पुणे में घर (कीमत 3.50 लाख रुपये बताई गई है)
- रांची में जमीन (कीमत 14 लाख रुपये बताई गई है)
- रांची के सांगा में जमीन (कीमत 87500 रुपये बताई गई है)
- देहरादून में जमीन (कीमत 32.48 लाख रुपये बताई गई है)

2023 में रंजन की संपत्ति

- बिहार के छपरा में जमीन (कीमत बताई गई है सिर्फ एक लाख)
- पुणे में घर (कीमत 3.50 लाख रुपये बताई गई है)
- रांची में जमीन (कीमत 14 लाख रुपये बताई गई है)
- रांची के सांगा में जमीन (कीमत 87500 रुपये बताई गई है)
- देहरादून में जमीन (कीमत 32.48 लाख रुपये बताई गई है)
- रांची में फ्लैट (कीमत 27.49 लाख रुपये बताई गई है)

छविरंजन की संपत्ति में इजाफा नहीं

जमीन घोटाला मामले में ईडी की रडार में आए रांची के पूर्व डीसी आइएएस छवि रंजन ने कार्मिक को 2019 में जो संपत्ति की जानकारी दी थी, वहीं जानकारी 2023 में भी दी है. वर्ष 2019 व 2023 में दी गयी संपत्ति की जानकारी में छवि रंजन ने बताया था कि उनके पास रांची के कांके में 2139 वर्ग फीट का फ्लैट है.

घट गई पूजा सिंघल की संपत्ति

2000 बैच की आइएएस अफसर पूजा सिंघल की संपत्ति ईडी की कार्रवाई के बाद घट गई है. वे फिलहाल जेल में बंद हैं. 2019 में पूजा सिंघल के पास पश्चिम बंगाल के राजहाट में 30 लाख रुपये का घर था, जिससे सालाना इनकम पांच लाख रुपये थी. रांची के कांके में 7800 वर्गफीट जमीन, जिसकी कीमत 88 हजार रुपये थी. रांची के बरियातू में 4500 वर्गफीट का कॉमर्शियल प्लॉट था, जिसकी कीमत 2019 में 1.20 करोड़ रुपये बताई गई थी. इसके अलावा रांची के नगड़ी में 80 लाख रुपये की जमीन थी. अब चार साल बाद पूजा सिंघल के पास सिर्फ पश्चिम बंगाल के राजहाट में घर है, जिसकी कीमत 30 लाख रुपये बताई गई है. इस संपत्ति से पिछले चार साल में सालाना इनकम में सिर्फ एक लाख रुपये का इजाफा हुआ है. इसके अलावा कांके में 7800 वर्गफीट जमीन है, जिसकी कीमत 88 हजार रुपये बताई गई है.

विनय चौबे की संपत्ति में 12 लाख का इजाफा

शराब नीति को लेकर ईडी की रडार में आए 1999 बैच के आईएएस अफसर विनय चौबे का संपत्ति से मिलने वाले सालाना इनकम में 10 लाख रुपये का इजाफा हुआ है.

2019 में विनय चौबे की संपत्ति

- रांची के सांगा में 7820 वर्गफीट जमीन (कीमत आठ लाख रुपये बताई गई है)
- पाटलीपुत्र पटना में 1121 वर्गफीट का फ्लैट (कीमत 50 लाख रुपये बताई गई है)

2023 में विनय चौबे की संपत्ति

- रांची के सांगा में 7820 वर्गफीट जमीन (कीमत 10 लाख रुपये बताई गई है)
- पटना के पाटलीपुत्र में 1121 वर्गफीट का फ्लैट (कीमत 60 लाख रुपये बताई गई है)

राजीव अरूण एक्का की संपत्ति से मिलने वाले इनकम में इजाफा

इस साल मार्च में रिटायर हुए अपर मुख्य सचिव रैंक के अफसर राजीव अरूण एक्का की संपत्ति से मिलने वाले इनकम में इजाफा हुआ है. 1994 बैच के आइएएस अफसर राजीव अरूण एक्का के मोरहाबादी स्थित घर की कीमत 40 लाख रुपये थी, जो 2023 में बढ़कर 50 लाख रुपये हो गई. 2019 में इस संपत्ति से राजीव अरूण एक्का को सालाना 80 हजार रुपये मिलते थे, जो चार साल में बढ़ कर 1.25 लाख रुपये हो गए हैं.

रायपुर से अमन साहू गिरोह के चार अपराधी गिरफ्तार

सौरभ सिंह। रांची

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में कोयला कारोबारी की हत्या करने पहुंचे अमन साहू गिरोह के चार अपराधी गिरफ्तार कर लिए गए हैं. गिरफ्तार अपराधियों में बोकारो निवासी रोहित स्वर्णकार के अलावा राजस्थान के पाली का रहने वाला मुकेश कुमार, देवेन्द्र सिंह और पप्पू सिंह शामिल है. इन अपराधियों के पास से एक पिस्तौल भी बरामद की गई है. ये अपराधी एक बड़े कोयला कारोबारी द्वारा पैसे नहीं देने पर उसकी हत्या की प्लानिंग करने के लिए रायपुर पहुंचे थे. पकड़े गये अपराधियों ने स्वीकार किया है कि अमन साहू और लॉरेंस बिश्नोई के कहने पर घटना को अंजाम देते थे. वर्तमान में अमन साहू गैंग को अपराधी मयंक सिंह मलेशिया में बैठ कर ऑपरेट कर रहा है.

आरोपियों से पूछताछ में हुए कई बड़े खुलासे : पुलिसिया पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि प्लानिंग के तहत मयंक सिंह ने रोहित स्वर्णकार को पहले मध्य प्रदेश के इंदौर शहर भेजा. इंदौर के सेंधवा से अपने संपर्क के माध्यम से एक पिस्तौल और एक मैग्जीन उपलब्ध कराया. फिर मयंक ने ही रोहित को पिस्तौल लेकर रायपुर पहुंचने कहा. वहीं, राजस्थान के पाली जिला के सारन गांव में बैठे पप्पू सिंह को वारदात को अंजाम देने के लिये एक बाइक राइडर की व्यवस्था करने को कहा गया. पप्पू सिंह ने सारन निवासी मुकेश कुमार भाट और देवेंद्र सिंह को वारदात के वक्त बाइक चलाने के लिये रायपुर रवाना किया. रोहित स्वर्णकार इंदौर के सेंधवा से पिस्तौल लेकर उज्जैन में महाकाल के दर्शन कर ट्रेन से रायपुर पहुंचा. इधर मुकेश और देवेंद्र बस के माध्यम से रायपुर पहुंचे. प्लानिंग के मुताबिक, रायपुर पुलिस के जवान सादे लिबास में शहर के संभावित स्थलों पर तैनात किये गये. सादे लिबास में पेट्रोलिंग की अलग पार्टियां भी तैनात की गई. इसके बाद पुलिस ने अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया.

खास बातें

- कोयला कारोबारी की हत्या करने गए थे चारों अपराधी
- गिरफ्तार अपराधियों में एक बोकारो का रहने वाला है

इंटेलीजेंस इनपुट पर रायपुर पुलिस ने की कार्रवाई

विश्वसनीय सूत्रों व इंटेलीजेंस इनपुट के आधार पर अमन साहू के कुछ सदस्यों की रायपुर में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए मूवमेंट की सूचना पुलिस को मिली थी. आईजी अमरेश मिश्रा और रायपुर एसएसपी संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में रायपुर पुलिस द्वारा 72 घंटे का गोपनीय ऑपरेशन प्लान कर तीन अपराधियों को छत्तीसगढ़ और एक को राजस्थान से गिरफ्तार किया गया.

चौथी बार दुमका में जनसभा को संबोधित करेंगे पीएम

कल दुमका में विजय संकल्प सभा को संबोधित करेंगे मोदी

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मई को फिर झारखंड आयेंगे. झारखंड में यह उनका चौथा दौरा होगा. वे दुमका में भाजपा की विजय संकल्प सभा को संबोधित करेंगे. इससे पहले पीएम मोदी की जनसभा जामा के मधुबन में, फिर राजमहल संसदीय क्षेत्र के लिट्टीपाड़ा में तय हुई थी. हालांकि, बाद में पीएम का कार्यक्रम दुमका में तय हुआ. पीएम के कार्यक्रम के मद्देनजर रविवार को एसपीजी के अधिकारियों ने स्थानीय पदाधिकारियों के साथ सुरक्षा-व्यवस्था को लेकर बैठक की. एयरपोर्ट पर बन रहे पंडाल में आम लोगों का प्रवेश, वीआइपी प्रवेश द्वार सहित अन्य चीजों को लेकर जरूरी दिशा-निर्देश दिये गये. यह चौथा मौका होगा, जब प्रधानमंत्री मोदी दुमका पहुंचेंगे. इसके पहले दो बार वे चुनावी जनसभा को संबोधित करने और एक बार प्रधानमंत्री मुद्रा योजना को लॉन्च करने यहां आ चुके हैं.

नेशनल किक बॉक्सिंग में रांची के आयुष ने स्वर्ण जीता

रांची। पुणे के शिवाजी स्टेडियम में आयोजित जिल्ड्रेन व कैडेट नेशनल किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप में रांची आयुष कुमार ने स्वर्ण पदक जीता. इस प्रतियोगिता में झारखंड में खाते में कुल चार पदक आये, जिनमें तीन कांस्य व एक स्वर्ण पदक शामिल हैं. कांस्य पदक जीतनेवाले खिलाड़ियों में गर्व रिटोलिया (57 किलो वर्ग), प्राची प्रिया (37 किलो वर्ग), कार्तिक शौर्य (63 किलो वर्ग) शामिल हैं. इस प्रतियोगिता में झारखंड के एमेच्योर स्पोर्ट्स किक बॉक्सिंग एसोसिएशन के 32 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था. इस उपलब्धि पर झारखंड के अध्यक्ष बीसी ठाकुर व सचिव ओवैस अराफात ने राज्य के खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी है.

नशा संपूर्ण मानव जीवन को नष्ट करती है : विजय कुमार

रांची। झालसा के निर्देश पर न्यायायुक्त-सह-अधक्ष, रांची जिला विधिक सेवा प्राधिकार के मार्गदर्शन में 26 मई को नशा उन्मूलन विषय पर जागरुकता कार्यक्रम रांची रेलवे स्टेशन और बिरसा मुंडा बस स्टैंड टर्मिनल पर आयोजित किया गया. इस अवसर पर रेलवे न्यायिक दंडाधिकारी विजय कुमार यादव, एलएडीसी के अधिवक्ता राजेश कुमार सिन्हा, वीरेंद्र प्रताप, पीएलवी संगीता सिंह, श्यास्था परवीन, संगीता देवी, पिंकू कुमारी, बबलू कुमार, राजा वर्मा एवं अन्य लोग शामिल थे.जागरुकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रेलवे न्यायिक दंडाधिकारी विजय कुमार यादव ने कहा कि नशा एक ऐसी बुराई है, जो हमारे संपूर्ण जीवन को नष्ट कर देती है. नशे की लत से पीड़ित व्यक्ति परिवार के साथ समाज पर बोझ बन जाता है.एलएडीसी अधिवक्ता वीरेंद्र प्रताप ने कहा कि युवा पीढ़ी सबसे ज्यादा नशे की लत से पीड़ित है. सरकार इन पीड़ितों को नशे के चुंगल से छुड़ाने के लिए नशामुक्ति अभियान चलाती है.एलएडीसी अधिवक्ता राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि नशा मुक्ति एक महत्वपूर्ण मानविक उद्देश्य है, जिसका मकसद व्यक्ति और समाज को नशे की बुराई से मुक्त करना है.

उपलब्धि इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ लंग कैंसर देगा पेशेंट एडवोकेट एजुकेशनल अवार्ड

दुनिया भर के कैंसर पीड़ितों की राह रोशन करेंगे रांची के रविप्रकाश

चेतना झा। रांची

करीब साढ़े तीन साल से कैंसर के चौथी स्टेज को परास्त कर रहे झारखंड के पत्रकार रवि प्रकाश के हौसले से अब देश ही नहीं, दुनिया के लोग भी उम्मीदें बुलंद करेंगे. उनका चयन प्रतिष्ठित पेशेंट एडवोकेट एडुकेशनल अवार्ड के लिए हुआ है. यह अवार्ड इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ लंग कैंसर (आईएएसएलसी) नामक संस्था देगी. यह दुनिया की प्रतिष्ठित संस्था है, जो लंग कैंसर के क्षेत्र में काम करती है और हर साल लंग कैंसर के क्षेत्र में मरीजों के मुद्दों को उठाने वाले शख्स को पेशेंट एडवोकेसी के लिए पुरस्कार देती है. रविप्रकाश को यह पुरस्कार सात सितंबर को अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत के सैन डिएगो शहर में आयोजित होनेवाले वर्ल्ड कांफ्रेंस ऑन लंग कैंसर (डब्लूसीएलसी) के दौरान दिया जाएगा.

व्यक्तिगत दर्द, समग्र में समाधान

2021 में जब रवि प्रकाश को अपने लंग कैंसर की जानकारी चौथे स्टेज में मिली, तो जाहिर है एक गहरा आघात सा उन्हें भी लगा होगा. पर आम मरीज और पत्रकार रविप्रकाश में फर्क यह रहा कि वे इस आघात से उबरे और बहुत बुलंद अंदाज में उबरे. अपनी बीमारी और दर्द को व्यक्तिगत नजरिए से निकाल कर समग्रता में देखा और फिर राहत के उपाय भी समग्रता में ही ढूंढ़े. कई राष्ट्रीय-अंतराष्ट्रीय मंच पर कैंसर के इलाज, इस दौरान हुई दिक्कतों, महंगी दवाओं के खिलाफ आवाज बुलंद की. इससे कई दूसरे कैंसर पीड़ितों और उनके परिजनों को राहत मिली. कैंसर का इलाज बेहद महंगा है, ऐसे में जब खुद आर्थिक स्तर पर उन्होंने प्रयास किए तो एक राहत भरा कोना दूसरे कैंसर मरीजों के इलाज के लिए भी सुरक्षित किया. "कैंसर वाला कैमरा" उनका ऐसा ही एक कदम है. पहले रांची, फिर उसके बाद कई शहरों में अपनी खींची तस्वीरों की प्रदर्शनी सह बिक्री से जुटाए फंड से उन्होंने न केवल अपने इलाज, बल्कि दूसरे कैंसर पीड़ितों के इलाज के लिए भी फंड जुटाये. रवि प्रकाश कैंसर के मरीज़ों के लिए काम कर रही स्वयंसेवी संस्था लंग कनेक्ट इंडिया के निदेशक भी हैं. बहरहाल, रविप्रकाश कीमोथेरेपी के 68 सत्रों से गुजर चुके हैं. उनकी हिम्मत मानों कैंसर से ही सवाल करती हैं-

मैं आंधियों के पास तलाश-ए-सबा में हूं
तुम मुझ से पूछते हो मिरा हौसला है क्या?

मैंने कैंसर मरीजों की दिक्कतें समझीं, फिर आवाज उठानी शुरू की

जिंदगी आराम से चल रही थी. तब एक दिन अचानक कैंसर ने दस्तक दे दी. अंतिम स्टेज में मेरे शरीर में घुस आया. मेरी सांसें अब चंद घंटे, महीने या साल की मेहमान थीं. उसका भी कोई तय समय नहीं. दुनिया से जाने का वक्त कब आ जाए, इसकी कोई गारंटी आज भी नहीं है. तभी मैंने कैंसर को समझना शुरू किया. मरीजों की दिक्कतें समझीं, तो फिर इसकी आवाज उठानी शुरू की. मुझे खुशी है कि इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ लंग कैंसर जैसी बड़ी संस्था ने मुझे इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए चुना है.

रविप्रकाश, वरिष्ठ पत्रकार

क्लासिफाइड

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

तापमान 34.2° अधिकतम | 25.5° न्यूनतम

रांची, सोमवार 27 मई 2024 ● ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 04 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 48 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

आईपीएल 2024 : 114 रनों के लक्ष्य को 10.3 ओवरों में ही हासिल कर लिया

केकेआर बना चैंपियन

एजेंसी। चेन्नई

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद वेंकटेश अय्यर के नाबाद अर्धशतक से रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के एकतरफा फाइनल में सनराइजर्स हैदराबाद को आठ विकेट से हरा कर तीसरा खिताब अपनी झोली में डाला. केकेआर ने गौतम गंभीर की कप्तानी में 2012 व 2014 में आईपीएल ट्रॉफी जीती थी. अब गुरू गंभीर ने कुशल रणनीतिकार के तौर पर केकेआर को तीसरी ट्राफी दिलायी. केकेआर इस तरह चेन्नई सुपर किंग्स (पांच) और मुंबई इंडियंस (पांच) के बाद तीन आईपीएल खिताब जीतने वाली तीसरी टीम बनी. इस सत्र का सबसे बड़ा स्कोर (तीन विकेट पर 287 रन) बनाने वाली सनराइजर्स हैदराबाद फाइनल में लड़खड़ा गयी और टॉस जीत कर बल्लेबाजी करने के बाद 18.3 ओवर में महज 113 रन पर ढेर हो गयी. यह आईपीएल फाइनल का सबसे कम स्कोर भी रहा. इस सत्र में शुरू से दबदबा बनाने वाले केकेआर के लिए यह लक्ष्य बनाना महज औपचारिकता थी. उसने वेंकटेश अय्यर (नाबाद 52 रन) और रहमनुल्लाह गुरबाज (39 रन) की मदद से 10.3 ओवर में दो विकेट पर 114 रन बनाकर खिताब पर कब्जा कर लिया. वेंकटेश अय्यर ने 26 गेंद में चार चौके और तीन छक्के लगाये, जबकि गुरबाज ने 32 गेंद में पांच चौके और दो छक्के जड़े. गुरबाज ने स्टंप के पीछे तीन शानदार कैच भी लपके. कप्तान के तौर पर यह श्रेयस अय्यर का दूसरा फाइनल था. केकेआर की जीत के नायक रहे गेंदबाज मिचेल स्टार्क. उन्होंने तीन ओवर में 14 रन देकर दो विकेट चटकाये. आंद्रे रसेल ने मध्य के ओवरों में शिकंजा कसा और 2.3 ओवर में 19 रन देकर तीन विकेट झटके. हर्षित राणा ने चार ओवर में एक मेडन से 24 रन देकर दो विकेट हासिल किये.

पैट कमिंस का नहीं चला जादू, हैदराबाद की शर्मनाक हार

कोहली को मिला ऑरेंज कैप

इस बार का ऑरेंज कैप विराट कोहली को मिला. कोहली ने इस आईपीएल में 15 पारियों में 61.75 की औसत और 154.70 के स्ट्राइक से सबसे ज्यादा 741 रन बनाए. उनके और दूसरे स्थान पर मौजूद चेन्नई के ऋतुराज गायकवाड़ के बीच 158 रन का फर्क था. वहीं, तीसरे स्थान पर 573 रन के साथ रियान पराग रहे.

हर्षल के नाम रहा पर्पल कैप

इस सीजन में कई गेंदबाज थे, जो पर्पल कैप के दावेदार थे. इस बार हर्षल पटेल ने सबसे ज्यादा 24 विकेट लेकर लीड बनाई. बुमराह 20 विकेट के साथ दूसरे और वरुण चक्रवर्ती भी 20 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर रहे. पिछले 16 सीजन में सबसे ज्यादा बार चेन्नई सुपरकिंग्स के गेंदबाजों को पर्पल कैप मिला है.

ब्रीफ खबरें

बरियातू के वी मार्ट में तैनात गार्ड की मौत

रांची। वी मार्ट में ड्यूटी पर तैनात गार्ड की मौत हो गई. यह मामला सदर थाना क्षेत्र के बड़गाई के श्यामा रेसीडेंसी स्थित वी मार्ट का है. दरअसल, शनिवार को ड्यूटी में तैनात गार्ड की तबीयत बिगड़ गई थी, जिसके बाद उसे रिम्स में भर्ती कराया गया था. वहां इलाज के दौरान गार्ड की मौत हो गई. घटना के बाद मृतक के परिजनों ने मुआवजे की मांग कर रहे हैं. मौत की सूचना मिलने के बाद काफी संख्या में लोग आक्रोशित हो गए और मुआवजे की मांग करने लगे. मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और परिजनों को समझाया. मार्ट प्रबंधन से पीड़ित परिवार को मदद का भरोसा दिया गया है.

राजनाथ आज उधवा में करेंगे चुनावी सभा

रांची। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 27 मई को राजमहल लोकसभा में अपराह्न तीन बजे जनसभा को संबोधित करेंगे. जनसभा का आयोजन राजमहल लोकसभा के साहिबगंज जिले के उधवा प्रखंड के श्रीधर दियरा कॉलोनी नंबर 9 स्थित प्राथमिक विद्यालय मैदान में किया गया है. इस अवसर पर लोकसभा प्रभारी राकेश प्रसाद, लोकसभा संयोजक अनंत ओझा, लोकसभा प्रत्याशी ताला मरांडी, साहिबगंज जिला अध्यक्ष उज्ज्वल मंडल भी मौजूद रहेंगे.

मोरहाबादी में टाटा के रेडिमेड कपड़ों के जूडियो शोरूम में मारपीट, हंगामा

संवाददाता। रांची

सूचना देने के बाद भी पुलिस नहीं आई, डरे कर्मियों ने शो-रूम बंद किया

एसएसपी से शिकायत, चैंबर ने जताया विरोध, कहा-उत्पातियों पर शीघ्र कार्रवाई हो

लालपुर थाना क्षेत्र के मोरहाबादी स्थित रामकृष्ण मिशन आश्रम के पास टाटा कंपनी के रेडिमेड कपडों के जूडियो शो-रूम में रविवार शाम चार बजे दर्जन भर स्थानीय युवकों ने जमकर हंगामा किया. दरअसल शो-रूम के बाहर सड़क पर खड़ी गाड़ियों के मुद्दे पर युवक गुस्से में थे. युवकों का कहना था सड़क पर गाड़ी खड़ी होती है, तो इसके लिए शो-रूम संचालक जिम्मेवार है. वहीं शो-रूम हेड का कहना था कि उनके पास अपनी पार्किंग की व्यवस्था है, जहां ग्राहक आसानी से वाहन पार्क कर सकते हैं. अब रोड पर कोई भी वाहन खड़ा करता है, तो ये उनकी जिम्मेवारी नहीं है.

शो-रूम के हेड ने जैसे ही युवकों के सामने अपनी बात रखी, वे गुस्से से आग-बबूला हो गये और शो-रूम हेड के साथ गालीगलौज, धक्का-मुक्की करते हुए मारपीट करने लगे. इस बीच शो-रूम के कुछ कर्मचारियों नें पूरे वारदात की वीडियो रिकार्डिंग शुरू की, तो युवकों ने उनका मोबाइल बंद कराते हुए धमकी दी. कर्मचारियों को चेताया- ज्यादा रिकार्डिंग करोगे, तो हाथ-पैर तोड़ देंगे. युवकों के तेवर देख कर्मचारी किनारे हट गये. हालांकि युवकों के हो-हंगामे की वारदात शो-रूप के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी है.

ग्राहकों में मची अफरा-तफरी, सभी बाहर निकल गये : शो-रूम के कर्मचारियों का आरोप है कि शो-रूम में दादागीरी कर रहे सभी युवक एक क्लब से जुड़े हुए हैं. हंगामा कर रहे युवकों का नेतृत्व संजय सोनी नाम का युवक कर रहा था. युवकों ने शो-रूम के हेड के साथ जमकर मारपीट भी की. हंगामा मचा रहे स्थानीय युवकों ने गाली-गलौज करते हुए शो-रूम बंद करने की धमकी दी. जिस वक्त युवक शो-रूम में हंगामा कर रहे थे, उस लगभग डेढ़-दो सौ ग्राहक शॉपिंग के लिए वहां मौजूद थे. लेकिन युवकों के हंगामा शुरू करते ही ग्राहकों में अफरा-तफरी मच गयी. ग्राहक तेजी से शो-रूम से बाहर निकल गये.

लालपुर पुलिस को सूचना दी, तो जवाब मिला- फोर्स ही नहीं है : जब क्लब के युवक शो-रूम में हंगामा कर रहे थे, तभी कुछ कर्मचारियों ने लालपुर थाना को सूचना दी. साथ ही चैंबर ऑफ कामर्स के पूर्व अध्यक्ष कुणाल अजमानी को भी सूचना दी. कर्मचारियों का कहना है कि लालपुर थाना से मदद की गुहार लगायी गयी, तो जवाब मिला थानेदार चुनाव ड्यूटी में बाहर हैं. थाने में फोर्स ही नहीं है, इसलिए फिलहाल कुछ नहीं किया जा सकता. लेकिन चैंबर के पूर्व अध्यक्ष कुणाल को जब घटना की जानकारी मिली, तो उन्होंने एसएसपी सहित वरीय पुलिस अधिकारियों को पूरे मामले की जानकारी देते हुए शो-रूम को सुरक्षा उपलब्ध कराने और हंगामा करनेवाले युवकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की. एसएसपी ने कहा कि किसी को भी कानून हाथ में लेने का अधिकार नहीं है. दोषियों के खिलाफ हर हाल में सख्त कार्रवाई की जाएगी.

पुलिस से सुरक्षा नहीं मिली, तो शो-रूम बंद कर दिया

युवकों के हंगामे के कारण शो-रूम के कर्मचारी काफी डर गये थे. कर्मचारियों का कहना है कि शो-रूम में घुसे युवकों का व्यवहार अपराधियों की तरह था. जिस तरह से वे हंगामा कर रहे थे, उसे देखकर ग्राहक भी काफी डर गये थे. लालपुर पुलिस ने भी सुरक्षा मुहैया कराने में असमर्थता जतायी, तो शो-रूम को तत्काल बंद कर दिया गया. कर्मचारियों ने कहा कि जबतक उन्हें सुरक्षा की गारंटी नहीं मिलेगी, शो-रूम बंद ही रहेगा.

ऐसे में कैसे बढ़ेगा उद्योग-व्यापार : अजमानी

फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के पूर्व अध्यक्ष कुणाल अजमानी ने कहा कि राज्य में जिस तरह का माहौल है, उसमें कोई भी उद्योगपति व व्यवसायी यहां निवेश करने नहीं आ रहा है. जिन्होंने निवेश किया भी है, उन्हें भी पुलिस-प्रशासन सुरक्षा उपलब्ध नहीं करा रहा है. ऐसे में कैसे यहां उद्योग-व्यापार चल पाएगा? अजमानी ने पुलिस के उच्चाधिकारियों से शो-रूम में हंगामा करनेवालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए शो-रूम को सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की है. उन्होंने कहा कि शो-रूम में हुई वारदात से पूरा व्यवसायी समाज आहत है. यदि उत्पातियों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई ,तो व्यवसायी सड़क पर उतर आंदोलन करने को बाध्य होंगे.

टाटा ग्रुप का जूडियो शो-रूम एक माह पहले ही खुला है

टाटा ग्रुप ने मोरहाबादी में रेडिमेड कपड़ों का जूडियो शो-रूम एक महीना पहले ही ईद से एक सप्ताह पहले खोला था. झारखंड में टाटा ग्रुप का यह दूसरा शो-रूम है. टाटा ग्रुप खुद ही शो-रूम का संचालन करता है. जूडियो का पहला शो-रूम जमशेदपुर में खुला था.

झारखंड में अगले छह दिनों तक बारिश होने की संभावना

प्रमुख संवाददाता। रांची

- मौसम केंद्र ने जारी किया ऑरेंज अलर्ट
- 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलेगी हवा

झारखंड में अगले छह दिनों तक बारिश होने की संभावना जताई गई है. मौसम केंद्र के अनुसार, झारखंड में एक जून तक बारिश के आसार हैं. इस दौरान हवा की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक हो सकती है. मेघ गर्जन के साथ वज्रपात की भी आशंका जताई गई है. इसे लेकर मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है.

मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिनों में अधिकतम तापमान में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है. इसके बाद अगले तीन दिनों में तीन से पांच डिग्री तक की वृद्धि हो सकती है. 27 मई को भी राज्य के उत्तर पूर्वी, मध्य एवं दक्षिणी भागों के कुछ स्थानों पर गरज के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है. इस दौरान तेज हवाओं के साथ-साथ वज्रपात की भी आशंका है.

एक जून तक होगी बारिश : मौसम विभाग के अनुसार, झारखंड में 28 मई को पूर्वी एवं मध्य भागों में गरज के साथ हल्की बारिश हो सकती है. वज्रपात को लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है. 29 व 30 मई को उत्तर पूर्वी भागों एवं 31 मई व एक जून को झारखंड के पूर्वी भागों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है.

यात्रीगण कृपया ध्यान दें...

रांची-हावड़ा वंदे भारत की टाइमिंग में हुआ बदलाव

संवाददाता। रांची

देश की सबसे लोकप्रिय ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस के चाहनेवालों के लिए एक अपडेट है. अब से हावड़ा-रांची वंदे भारत एक्सप्रेस दोपहर 2:35 बजे हावड़ा से प्रस्थान करेगी. फिलहाल यह दोपहर 3:45 बजे रवाना होती है. यानी हावड़ा-रांची वंदे भारत एक्सप्रेस हावड़ा से 70 मिनट पहले खुलेगी.

दक्षिण पूर्व रेलवे की ओर से बताया गया है कि यह ट्रेन 50 मिनट पहले रांची पहुंचेगी. यानी अब यह ट्रेन रात 10:50 की जगह रात 10 बजे ही रांची पहुंच जाएगी. रेलवे द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, हावड़ा-रांची वंदे भारत एक्सप्रेस 10 जून से नए शेड्यूल के अनुसार चलेगी. हावड़ा-रांची वंदे भारत एक्सप्रेस शाम 4:08 बजे खड़गपुर पहुंचेगी, जहां इस ट्रेन का दो मिनट का स्टॉपेज दिया जाएगा. यह शाम 5:45 बजे टाटानगर स्टेशन पहुंचेगी. यहां ट्रेन पांच मिनट के लिए रुकेगी और फिर आगे बढ़ जाएगी और शाम 6:40 बजे चांडिल स्टेशन पहुंचेगी, जहां इसका एक मिनट का हॉल्ट है.

चुनाव प्रचार कल्पना सोरेन ने गोड्डा में प्रदीप यादव के पक्ष में की चुनावी सभा, भरी हुंकार, कहा-

दिल्ली का तख्त हिलने वाला है, मोदी की विदाई तय

प्रमुख संवाददाता। गोड्डा/रांची

- यह लोकसभा चुनाव भाजपा बनाम त्रस्त जनता के बीच
- आपका वोट ही हेमंत सोरेन को जेल से बाहर निकालेगा

कल्पना सोरेन ने कहा है कि ये चुनाव भाजपा बनाम इंडिया गठबंधन नहीं, बल्कि भाजपा बनाम त्रस्त जनता है. वे रविवार को गोड्डा में कांग्रेस उम्मीदवार प्रदीप यादव के पक्ष में आयोजित चुनावी जनसभा में बोल रही थीं. उन्होंने कहा कि हमलोगों ने पिछड़ों के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण का प्रस्ताव विधानसभा से पारित कराया, ताकि पिछड़े लोग मजबूत हो सकें. लेकिन भाजपा वाले इसे झारखंड में लागू नहीं करना चाहते.

कल्पना ने आगे कहा कि प्रस्ताव को पारित करा कर राजभवन भेजा, लेकिन राजभवन में जाकर प्रस्ताव रूक गया. उन्होंने निशिकांत दुबे पर भी तंज कसा, कहा कि आपलोगों ने 15 साल एक व्यक्ति को दिया है. अब समय आ गया है कि आपके लिए हमेशा आवाज उठानेवाले प्रत्याशी को चुनें. प्रदीप यादव की दमदार आवाज विधानसभा में गूंजती है. अब इनकी आवाज आप लोगों के आशीर्वाद से संसद में गूंजेगी.

चल रही है 'इंडिया' गठबंधन की लहर

कल्पना ने कहा कि हिंदुस्तान में 'इंडिया' गठबंधन की लहर चल रही है. आपका वोट ही हेमंत जी को जेल से निकालेगा. चार जून के बाद जब 'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनेगी, तब हेमंत आपके साथ होंगे. उन्होंने कहा कि झारखंड में तीन चरण के चुनाव होने के बाद जनता ने आश्वस्त कर दिया है कि 'इंडिया' गठबंधन के सारे प्रत्याशी जीत रहे हैं. एक जून को संथाल परगना की तीन लोकसभा सीट राजमहल, गोड्डा व दुमका में मतदान होना है. वहां भी 'इंडिया' गठबंधन के प्रत्याशी को मजबूत कराना है. कल्पना ने कहा कि अब दिल्ली का तख्त हिलनेवाला है. मोदी सरकार की विदाई होनेवाली है. 'इंडिया' गठबंधन को दिल्ली पहुंचने से कोई ताकत नहीं रोक सकती है.

छुट्टी मनाने वाले ध्यान दें, ट्रेनों में भीड़ बढ़ी

पर्यटन क्षेत्रों को जोड़ने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों में जून तक प्रतीक्षा सूची

संवाददाता। रांची

रांची संसदीय क्षेत्र में मतदान समाप्त होते ही दूसरे दिन से रांची से रवाना होने वाली कई ट्रेनों में भीड़ बढ़ गई है. विशेष कर पर्यटन क्षेत्रों को जोड़ने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों में जून तक लंबी प्रतीक्षा सूची चल रही है. भीड़ इसलिए भी बढ़ी कि रांची में चुनाव संपन्न होने के बाद लोग गर्मी छुट्टी में बाहर जाने का प्लान बनाए हुए थे. हटिया-पुरी एक्सप्रेस में 26 से 31 मई तक स्लीपर और एसी श्रेणी के सभी बर्थ फुल चल रहे हैं.

वहीं विशाखापत्तनम-वाराणसी एक्सप्रेस वाया रांची ट्रेन में भी भीड़ है. इस ट्रेन में 29 मई, दो जून, पांच व नौ जून को स्लीपर व थर्ड एसी में आरक्षित बर्थ नहीं है. रांची-वाराणसी एक्सप्रेस की भी स्लीपर श्रेणी में 31 मई तक एसी श्रेणी में बर्थ उपलब्ध नहीं हैं. रांची से चलने वाली कामाख्या एक्सप्रेस के स्लीपर और एसी श्रेणी में 19 जून तक बर्थ फुल है. हटिया-बेंगलुरु एक्सप्रेस की सभी श्रेणियों में 29 जून तक बर्थ नहीं है. धनबाद-अल्लापुजा एक्सप्रेस में भी स्लीपर व थर्ड एसी में 31 मई तक बर्थ नहीं हैं.

- हटिया-पुरी एक्सप्रेस- 26 से 31 मई तक स्लीपर और एसी श्रेणी के सभी बर्थ फुल है.
- विशाखापत्तनम-वाराणसी एक्सप्रेस- 29 मई, दो जून, पांच व नौ जून को स्लीपर व थर्ड एसी में आरक्षित बर्थ नहीं है.
- रांची-वाराणसी एक्सप्रेस- स्लीपर श्रेणी में 27 से 31 और एसी श्रेणी में भी बर्थ उपलब्ध नहीं है.
- कामाख्या एक्सप्रेस- स्लीपर और एसी श्रेणी में 19 जून तक बर्थ फुल है.
- हटिया-बेंगलुरु एक्सप्रेस- सभी श्रेणियों में 29 जून तक बर्थ नहीं है.
- धनबाद-अल्लापुजा एक्सप्रेस- स्लीपर व थर्ड एसी में 31 मई तक बर्थ नहीं है

चलाई जा रहीं स्पेशल ट्रेनें

भीड़ को देखते हुए मंगलुरु सेंट्रल-बरौनी-मंगलुरु साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन रांची होकर चलाई जा रही है. यह ट्रेन 30 जूनतक नौ ट्रिप चलेगी. इसके अलावा कोच्चुवेली-बरौनी-कोच्चुवेली साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन को भी रांची होकर चलायी जा रही है. यह ट्रेन 29 जून तक चलेगी. 28 तक रांची-नई दिल्ली के बीच साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन भी चलाई जा रही है.

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने दी जानकारी-लोकसभा चुनाव के छठे चरण में झारखंड में 65.40 % मतदान, 2019 की तुलना में वोट प्रतिशत बढ़ा

गिरिडीह -धनबाद में मतदान में महिलाएं आगे, रांची- जमशेदपुर में पुरुषों ने मारी बाजी

- सभी ईवीएम स्क्रूटनी के बाद त्रिस्तरीय सुरक्षा में स्ट्रांग रूम में सील

शुभम किशोर। रांची

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने बताया कि लोकसभा चुनाव 2024 के छठे चरण में 65. 40 % मतदान हुआ. मतगणना के दिन पोस्टल बैलेट की गिनती के बाद इस आंकड़े में थोड़ा इजाफा होगा. उन्होंने कहा कि सभी ईवीएम स्क्रूटनी के बाद स्ट्रांग रूम में सील किये जा चुके हैं. स्ट्रांगरूम त्रिस्तरीय सुरक्षा में सीसीटीवी कैमरे की निगहबानी में है. उन्होंने कहा कि छठे चरण का मतदान शांतिपूर्ण रहा. उन्होंने रविवार को निर्वाचन सदन में मतदान से संबंधित जानकारी मीडिया को दी. बताया कि गिरिडीह और धनबाद में मतदान करने में महिलाएं आगे रहीं, जबकि रांची- जमशेदपुर में पुरुषों ने मारी बाजी. बताया कि वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव की तुलना में वोट प्रतिशत बढ़ा है.

रांची संसदीय निर्वाचन क्षेत्र : 65.36 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है. यहां 65.53 % पुरुष मतदाता और 65.20 % महिला मतदाताओं ने मतदान किया है. इस तरह महिलाओं से पुरुष मतदाताओं ने 0.33 फीसदी अधिक मतदान किया है.

जमशेदपुर संसदीय सीट : यहां सर्वाधिक 67.68 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया. यहां 67.87 % पुरुष मतदाताओं और 67.49 % महिला मतदाताओं ने वोट डाला है. पुरुष मतदाताओं ने महिलाओं से 0.38 % अधिक मतदान किया है.

2019 की तुलना में अधिक वोटिंग

लोकसभा चुनाव 2024 मतदान प्रतिशत		लोकसभा चुनाव 2019 मतदान प्रतिशत	
रांची :	65.36 %	रांची :	64.49 %
धनबाद :	62.06 %	धनबाद :	60.47 %
जमशेदपुर :	67.68 %	जमशेदपुर :	67.19 %
गिरिडीह :	67.23%	गिरिडीह :	67.12 %

गिरिडीह संसदीय निर्वाचन क्षेत्र : यहां 67.23 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है. यहां पुरुष मतदाताओं की अपेक्षा महिला मतदाताओं ने अधिक मतदान किया है. यहां 65% पुरुष मतदाता और 69.60 % महिला मतदाताओं ने मतदान किया है. इस तरह पुरुष मतदाताओं से 4.60 % अधिक मतदान महिलाओं ने किया है.

धनबाद संसदीय निर्वाचन क्षेत्र : यहां 62.06 % मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है. यहां भी पुरुष मतदाताओं की अपेक्षा महिला मतदाताओं ने अधिक मतदान किया है. यहां 61.82 % पुरुष मतदाता और 62. 33 % महिला मतदाताओं ने मतदान किया है. इस तरह पुरुष से 0.51% अधिक मतदान महिला मतदाताओं ने किया है.

नकदी सहित 129 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध सामग्री जब्त

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कुमार ने बताया कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से अब तक झारखंड में 129 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध सामग्री और नकदी की जब्त की गयी है.

विधानसभावार महिला -पुरुष वोटर टर्नआउट

लोकसभा चुनाव 2024 के छठे चरण में झारखंड में 65 .40% मतदान हुआ. गिरिडीह और धनबाद लोकसभा में पुरुषों से ज्यादा महिला मतदाताओं ने वोट डाले. वहीं रांची व जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र में पुरुष मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर मतदान किया.

विधानसभावार महिला -पुरुष वोटर टर्नआउट

रांची लोकसभा - 65.36%

विधानसभा	पुरुष मतदाता	महिला मतदाता
हटिया	1,52,142	1,47,964
ईचागढ़	1,12,626 1	,08,728
कांके	1,51,902	1,46,041
खिजरी	1,26,517	1,27,370
रांची	1,03,635	94,175
सिल्ली	1,51,902	1,46,041
कुल	7,29,025	7,07,238

धनबाद लोकसभा - 62.06%

विधानसभा	पुरुष मतदाता	महिला मतदाता
बोकारो	1,58,279	1,42,767
चंदनकियारी	1,02,988	99,298
धनबाद	1,37,068	1,20,438
झरिया	1,52,142	1,47,964
निरसा	87,677	77,923
सिंदरी	1,34,136	1,23,638
कुल	7,39,652	6,78,587

जमशेदपुर लोकसभा - 67.68%

विधानसभा	पुरुष मतदाता	महिला मतदाता
बहरागोड़ा	93,255	95,748
घाटशिला	92,954	96,904
पूर्वी जमशेदपुर	1,00,677	93,284
प. जमशेदपुर	1,11,730	1,06,245
जुगसलाई	1,25,267	1,20,814
पोटका	1,12,360	1,15,875
कुल	6,36,243	6,28,870

गिरिडीह लोकसभा - 67.23%

विधानसभा	पुरुष मतदाता	महिला मतदाता
बाघमारा	99,806	91,579
बेरमो	1,07,973	1,03,861
डुमरी	1,00,099	1,16,169
गिरिडीह	98,819	96,957
गोमिया	1,05,358	1,09,294
टुंडी	1,12,222	1,11,409
कुल	6,24,277	6,24,269

विधानसभावार वोटर टर्नआउट

रांची लोकसभा - 65.36%
हटिया - 60.09%, ईचागढ़ - 77.09%, कांके - 64.25%, खिजरी - 69.67%, रांची - 54.83%, सिल्ली - 74.45%

धनबाद लोकसभा - 62.06%
बोकारो - 52.86%, चंदनकियारी - 72.98%, धनबाद - 56.49%, झरिया - 55.84%, निरसा - 70.73%, सिंदरी - 72.57%

जमशेदपुर लोकसभा - 67.68%
बहरागोड़ा - 78.39%, घाटशिला - 73.96%, पूर्वी जमशेदपुर - 58.56%, प. जमशेदपुर - 57.14%, जुगसलाई - 70.80%, पोटका - 73.37%

गिरिडीह लोकसभा - 67.23%
बाघमारा - 64.01%, बेरमो - 64.74%, डुमरी - 69.50%, गिरिडीह - 64.97%, गोमिया - 68.95%, टुंडी - 71.08%

टीबी की तर्ज पर लेप्रोसी चैंपियन बनाने की प्रक्रिया शुरू

रांची । जिले में लेप्रोसी मरीजों को बेहतर इलाज मिल सके इसके लिए टीबी चैंपियन की तर्ज पर लेप्रोसी चैंपियन बनाया जाएगा. जिला स्वास्थ्य समिति इसके लिए तैयारी शुरू कर चुकी है. रांची सिविल सर्जन डॉ प्रभात ने बताया कि लेप्रोसी चैंपियन बनाने के लिए एक कांफ्रेंस का भी आयोजन किया जा चुका है. जल्द ही इसके आगे की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी. उन्होंने ने कहा कि जिस तरीके से टीबी चैंपिचैं यन बीमारी से ठीक होकर अन्य मरीजों को इलाज में सहायता कर रहे हैं, उसी प्रकार कुष्ठ रोग से ठीक हुए रोगियों को कुष्ठ रोग की परेशानी और उसके उपचार की जानकारी भी होती है. ऐसे में वो अन्य पीड़ितों को उनके इलाज में अधिक मदद कर पाएंगे. उन्होंने ने कहा कि लेप्रोसी चैंपियन से रांची सहित अन्य जिलों में भी मदद ली जाएगी. उनके जरिए लेप्रोसी को लेकर अन्य लोगों को जागरूक भी किया जाएगा. इसके लिए व्यापक स्तर पर अभियान चलाकर लोगों को जानकारी दी जायेगी.

मुख्यमंत्री ने बताई जीत की वजह, काउंटिंग से पहले चर्चा तेज

4 जून को इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी: चंपाई

संवाददाता। रांची

झारखंड के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने राज्य की सभी 14 लोकसभा सीटों पर जीत का दावा करते हुए कहा है कि छठे दौर की वोटिंग के बाद यह तय हो गया है कि भाजपा की स्थिति बेहद खराब है. उन्होंने कहा कि भाजपा नेतृत्व को इस बात का अहसास हो चुका है.

झारखंड जैसे छोटे से राज्य में जिस प्रकार प्रधानमंत्री, गृहमंत्री बार-बार सभाएं कर रहे हैं, उस से यह तो स्पष्ट है कि हालात नाजुक हैं. चंपाई सोरेन ने कहा कि उन्हें पता है कि पंजाब, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश से लेकर केरल तक, कुछ हाथ नहीं आने वाला. रही बात कर्नाटक की, तो वहां पिछली बार के मुकाबले आधी सीटें मिलना भी मुश्किल है. महाराष्ट्र तथा यूपी में सीटें बड़ी संख्या में घटने जा रही हैं. बंगाल और बिहार में आधी सीटों पर भी आफत है. दिल्ली, राजस्थान, गुजरात, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश एवं हरियाणा में पहले से ही लगभग सारी सीटें उनके पास हैं तो बढ़ने की कोई संभावना नहीं दिखती. उलटे घटेंगे कितने, यह देखना दिलचस्प होगा.

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि मणिपुर में जिस प्रकार इन्होंने वहां के नागरिकों को धोखा दिया, उन्हें उनके हाल पर छोड़ कर बेशर्मी से सरकार चलाते रहे, पूर्वोत्तर में अगर एकाध सीटें भी मिल जाए, तो बड़ी बात होगी. चंपाई सोरेन ने एक्स पर लिखी अपनी पोस्ट में अपील की है कि लोकसभा चुनावों के आखिरी दौर में फिर एक बार जोर लगा दीजिए, चार जून को केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बन जाएगी.

लोकसभा चुनाव

- झारखंड की सभी 14 सीटों पर जीत का किया दावा
- भाजपा की स्थिति बेहद खराब नेतृत्व को भी है इसका अहसास

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने किया जीत का दावा

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने भी झारखंड सभी 14 सीटों पर इंडिया गठबंधन उम्मीदवारों की जीत का दावा किया है. राजेश ठाकुर ने इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों के प्रति भरोसा जताने के लिए आभार प्रकट करते हुए कहा कि मतदाताओं के रुझान को देखते हुए शनिवार को हुए चारों सीटों पर हुए चुनाव में इंडिया गठबंधन के सभी उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित है. कहा कि केंद्र सरकार की नाकामियों और झूठे वादों को सामने रखकर जनता ने इस चुनाव में भाजपा से दूरी बना ली है, जिसका फायदा गठबंधन के उम्मीदवारों को मिल रहा है.

कांग्रेस-झामुमो ने संथालपरगना का विकास रोका : सुदेश महतो

खास बातें

- जेएमएम-कांग्रेस का विकास से कोई वास्ता ही नहीं रहा
- राज्य सरकार ने आदिवासी समाज को सिर्फ गुमराह किया

प्रमुख संवाददाता। रांची

आजसू पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति के कारण समाज का एक वर्ग राष्ट्रीय विचारधारा से दूर है. जेएमएम और कांग्रेस अपने राजनीतिक दायित्व से अलग होकर तुष्टिकरण की राजनीति करते रहे हैं. विकास से इनका कोई वास्ता नहीं है. इन दोनों ने समाज के एक-एक वर्ग को अपने राजनीतिक लाभ के लिए अपना शिकार बना रखा है. कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा ने संथालपरगना के विकास रोक रखा है. साथ ही सबसे ज्यादा आदिवासी समाज को गुमराह किया है. यही वजह है कि लोकसभा चुनावों में राज्य की जनता ने इंडी गठबंधन को नकार दिया है. वे जामताड़ा के यज्ञ मैदान में आयोजित जामताड़ा विधानसभा स्तरीय ग्राम प्रभारी सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे. मौके पर जामताड़ा बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मोहन बर्मन ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की.

संथालपरगना की तीनों सीटों पर एनडीए की जीत होगी

सुदेश ने कहा कि सातवें और अंतिम चरण में संथालपरगना की तीनों सीटों पर एनडीए की जीत होगी. पहले के चरणों में जिन 11 सीटों पर चुनाव हुए हैं, वहां इंडी गठबंधन की हार तय है. राज्य और राज्यवासियों का हित सरकार का कर्तव्य है, लेकिन मौजूदा सरकार ने राजनीति की परिभाषा ही बदल कर रख दी है. जिस सरकार को जनता ने विकास के लिए चुना था, आज उसी सरकार के भीतर कौन अधिक भ्रष्टाचार करेगा, इस बात की प्रतिस्पर्धा चल रही है. भ्रष्टाचार की इस प्रतिस्पर्धा में सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री, मंत्री समेत कई प्रशासनिक अधिकारी भी शामिल हैं. इन सभी ने मिलकर राज्य की अस्मिता को ठेस पहुंचाया है. आजसू पार्टी के इस सम्मेलन में दुमका लोकसभा से एनडीए की उम्मीदवार सीता सोरेन भी उपस्थित रहीं. सुदेश ने कार्यकर्ताओं को सीता सोरेन की जीत सुनिश्चित करने के लिए जरूरी दिशानिर्देश दिए. उन्होंने मतदाताओं से सीता सोरेन की जीत को ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया. मौके पर पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष उमाकांत रजक, मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, महासचिव जोनाथन टुडू, अजय सिंह, तरुण गुप्ता, नजरुल हसन हाशमी आदि उपस्थित थे.

अफीम की खरीद-बिक्री करते तीन गिरफ्तार

संवाददाता। रांची

अफीम की खरीद बिक्री करते तीन युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर नामकुम थाना की पुलिस ने यह कार्रवाई की है. पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए नामकुम थाना क्षेत्र के जामचुंआ के पास से तीन अफीम तस्करों को गिरफ्तार किया. इनमें शिवम हजाम, दीपक मुंडा वशनिचरवा मुंडा शामिल है. इनके पास से पुलिस ने 90 हजार कैश और सात सौ ग्राम अफीम बरामद किया है. ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल ने रविवार को अपने कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह जानकारी दी.

ग्रामीण एसपी ने जानकारी देते हुए कहा कि एसएसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि नामकुम थाना क्षेत्र में कुछ लोगों द्वारा अफीम खरीद बिक्री किया जाना है. जिसके बाद उनके के निर्देश पर पुलिस टीम का गठन किया और पुलिस की टीम में कार्रवाई करते हुए तीन अफीम तस्करों को गिरफ्तार किया है. वहीं एक अफीम तस्कर अरुण कुमार, जो पुलिस को देखकर मौके से फरार हो गया. उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस संभावित ठिकाने पर छापेमारी कर रही है.

भाजपा ही आदिवासियों की हितैषी : बाबूलाल मरांडी

- हमारी सरकार में ही संथाली भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने रविवार को सारठ विधानसभा के शहरजोरी, बुधनाडीह, पलमा, मोहनपुर के विभिन्न क्षेत्रों में दुमका लोकसभा की प्रत्याशी सीता सोरेन पक्ष में जनसंपर्क अभियान चलाया. बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भाजपा की सरकार में ही संथाली भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया. भाजपा आदिवासियों की हितैषी है. भाजपा ने ही द्रौपदी मुर्मू को देश के सर्वोच्च पद राष्ट्रपति बनाया है. झारखंडवासियों के मान और सम्मान को भाजपा ने रखा. अटल बिहारी वाजपेयी ने अलग झारखंड राज्य बनाया.

झारखंड विरोधी है कांग्रेस : कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि वह कई दशकों तक देश के शासन में रही. वह चाहती तो अलग झारखंड राज्य बना सकती थी, लेकिन ऐसा कांग्रेस नहीं किया. इसलिए कहता हूं कि ये लोग झारखंड के विरोधी है. झारखंड मुक्ति मोर्चा उन्हीं लोगों के साथ रहती है. पहले गांव तक सड़कें नहीं थी. नदी-नाला में पुल-पुलिया भी नहीं था. आने-जाने में लोगों को कितनी कठिनाइयां होती थीं. और घर में बिजली भी नहीं हुआ करती थी. लेकिन जब देश में नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने और झारखंड में भाजपा की सरकार बनी. उसके बाद गांव तक सड़के भी पहुंच गई. घरों तक बिजली भी पहुंच गयी और नदी-नाला में पुल-पुलिया का भी निर्माण हुआ. उन्होंने मतदाताओं से 1 जून को एक-एक वोट भाजपा प्रत्याशी सीता सोरेन के पक्ष में देने की अपील की.

परिचर्चा बीएलओ की लापरवाही, जागरूकता में कमी, गर्मी, एचईसी की बिगड़ती हालत कम वोटिंग के जिम्मेदार

ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी इलाकों में मतदान में गिरावट की कई वजह

रेहान अहमद (रांची)। लोकसभा चुनाव 2024 में शहर के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों में मतदान का प्रतिशत अच्छा रहा. वहीं शहरी इलाकों में मतदान का प्रतिशत काफी कम रहा. शहरी क्षेत्र में प्रतिशत में हुई गिरावट की वजह पर लोगों से की गई बातचीत के अंश प्रस्तुत हैं.

जिल निर्वाचन पदाधिकारी को समीक्षा करनी चाहिए : एस अली

आजसू पार्टी के केंद्रीय संगठन सचिव, आमया संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष एस अली ने कहा कि शहर के लोग केवल चर्चा करते हैं, मतदान का फर्ज नहीं निभाते हैं. ठेकेदार व पेशेवर गिराह से भी लोग नाराज थे, इस कारण भी कम लोग मतदान केंद्र पहुंचे. जिल निर्वाचन पदाधिकारी को समीक्षा करनी चाहिए. बीएलओ ने अपने कार्य अच्छे से नहीं किये यह भी एक बड़ा कारण है, मतदान में गिरावट का. मेरे यहां छह मतदाता हैं, तीन दूसरे मतदान केंद्र के व तीन दूसरे मतदान केंद्र के हैं. लेकिन मेरे घर एक बीएलओ ही आये तीन पर्ची दी. अन्य तीन की पर्ची के लिए कहने पर भी नहीं आये, इस कारण पर्ची ढूंढ़ने में काफी परेशानी हुई.

मतदान केंद्र दूर होने और पर्ची की परेशानी : अधिवक्ता नसर इमाम

अधिवक्ता नसर इमाम ने कहा कि जनता का मतदान के प्रति रुझान कम नजर आया. गर्मी भी बहुत ज्यादा थी, जनता के उत्साह में कमी थी, इस कारण शहरी क्षेत्र में कम मतदान हुआ. साथ ही दूर दूर मतदान केंद्र भी इस बार कई लोगों के हो गये थे, लेक रोड के कई लोगों का कर्बला चौक, कई हिंदपीढ़ी के लोगों का भी कर्बला चौक, दूरी की वजह से भी आने जाने में काफी परेशानी हुई, और पर्ची ढूंढ़ने की परेशानी तो अलग से ही हुई. नसर इमाम आजाद स्कूल के बूथ नंबर 225 के प्रथम मतदाता बने. उनका फूल से स्वागत किया गया.

शिक्षा और रोजगार के लिए लोग बाहर गये : अरुण कुमार झा

पूर्व पार्षद अरुण कुमार झा ने कहा कि शहर में मतदान की फीसदी में कमी का बस एक ही कारण है, जो लोग शहर से बाहर अपनी शिक्षा एवं रोजगार के लिए चले गये. वे ही मतदान नहीं कर पाये हैं, ऐसे अन्य सारे लोगों ने मतदान किया है.

जागरूकता की कमी : अकरम राशिद

जन सूचना अधिकार मंच के संयोजक अकरम राशिद ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोग अधिक उत्साह में थे. शहरी क्षेत्र में जागरूकता में कमी के कारण लोग नाराज थे, इस कारण भी शहरी इलाके में लोग मतदान के लिए कम बाहर निकले.

शहर के लोगों को ज्यादा जागरूक होने की जरूरत : अमित शर्मा

चैंबर ऑफ कामर्स के अमित शर्मा ने कहा कि शहर के लोगों में जागरूकता की कमी है. गांव के लोग उतने शिक्षित नहीं होते हैं, लेकिन वे जागरूक हैं, इस लिए मतदान का प्रतिशत बढ़ कर हुआ. शहर के लोगों को स्वयं जागरूक होने की जरूरत है.

एचईसी की बिगड़ती हालत भी कम वोटिंग का मुख्य कारण : अजय सिंह

सीपीआई के कार्यालय सचिव अजय सिंह ने कहा कि एचईसी सिर्फ रांची का नहीं देश का मामला है. एचईसी की बिगड़ती हालत से भी शहर के लोग काफी नाराज हैं. इस कारण भी शहरी इलाके में मतदान की प्रतिशत में गिरावट हुई है.

विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ भाजपा पहुंची चुनाव आयोग

संवाददाता। रांची

खास बातें

- पद का दुरुपयोग करने की शिकायत कराई दर्ज
- भाषण में जेल का फाटक टूटेगा नारा लगाने का आरोप

भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सुधीर श्रीवास्तव के नेतृत्व में रविवार को चुनाव आयोग पहुंचकर विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो के खिलाफ शिकायत दर्ज करायी. सुधीर श्रीवास्तव ने बताया कि विधान सभा अध्यक्ष जिस प्रकार अपने पद का दुरुपयोग कर रहे हैं, वह गलत है. अपने भाषण में विस अध्यक्ष ने कहा है की "जेल का फाटक टूटेगा हेमंत सोरेन छूटेगा, जेल का फाटक तब टूटेगा, जब नलिन सोरेन जीतेगा. यह नारा नहीं, बल्कि न्यायपालिका पर हमला है. हेमंत सोरेन न्यायालय के आदेश पर जेल मे हैं और जेल का फाटक तोड़ने का आह्वान विधानसभा अध्यक्ष कर रहे हैं, जो खुद संवैधानिक पद पर हैं और उनका कोर्ट भी लगता है. विधानसभा अध्यक्ष युवाओं को जेल का ताला तोड़ने के लिए उकसाने का काम कर रहे हैं. एक जनप्रतिनिधि का इस तरह का आह्वान करना ठीक नहीं. विधानसभा अध्यक्ष किसी पार्टी के सदस्य नहीं होते, लेकिन रवींद्र नाथ महतो पार्टा प्रत्याशी का प्रचार कर रहे हैं. पूर्व में भी इनके खिलाफ भाजपा ने शिकायत दर्ज कराई थी, पर आजतक कोई करवाई नहीं हुई. प्रतिनिधिमंडल मे शिव कुमार शर्मा, मनोज दुबे शामिल थे.

ब्रीफ खबरें

स्वास्थ्य के लिए सात्विक भोजन जरूरी : निर्मला

रांची। तन और मन स्वस्थ रखने के लिए सात्विक भोजन जरूरी है. भोजन ग्रहण करने के पहले भगवान को भोग लगा लें. इससे भोजन ब्रह्मा भोजन बन जाता है. उक्त बातें रविवार को ब्रह्माकुमारी निर्मला बहन ने कहीं. वे हरमू रोड स्थित संस्थान में आशीर्वचन प्रदान कर रही थी.यहां ब्रह्मा भोजन का खास आयोजन किया गया था. बहन जी ने कहा कि खाना बनानेवाले के विचार भी शुद्ध और पवित्र होने चाहिए. जैसा अन्न खाएंगे, वैसा ही मन होगा.

जमशेदपुर व झारखंड 11 ने अपने-अपने मैच जीते

रांची। हॉकी झारखंड के सहयोग से हॉकी रांची द्वारा आयोजित हॉकी रांची लीग में रविवार को एनटीएचए जमशेदपुर व झारखंड 11 ने अपने-अपने मैच जीते. पहले मुकाबले में एनटीएचए जमशेदपुर ने कुनाल और नवील की गोल के बदौलत हॉकी गुमला को 2-0 से हराया. दूसरे मुकाबले में जातुर अखाड़ा खूंटी को झारखंड 11 के हाथों एकतरफा मुकाबले में 7-1 से हार का सामना करना पड़ा. इस मैच में झारखंड 11 के माइकल टोपनो ने तीन, अनिरुद्ध भेंगरा ने दो और कमल व रोहित ने एक-एक गोल दागे. वहीं जातुर अखाड़ा के लिए एकमात्र गोल करम ने दागा. आयोजन को सफल बनाने में हॉकी रांची के माइकल लाल, डेनिस केरकेट्टा, अभिषेक साहू समेत अन्य लोग शामिल थे.

गायत्री शक्तिपीठ में सदस्यों की गोष्ठी

रांची। गायत्री शक्तिपीठ, धुर्वा में रविवार को नवगठित समन्वयन समिति सदस्यों की गोष्ठी हुई. गोष्ठी में कहा गया कि देवात्माताएं धरती पर जन्म लेने के लिए आतुर हैं, आओ गढ़े संस्कारवान पीढ़ी पर प्रकाश डाला गया. साथ ही गुरु-ईश वंदना, गायत्री महामंत्र का सस्वर पाठ, गायन, वादनऔर प्रज्ञागीत का क्रमवार सिलसिला चला. नवयुग की गंगोत्री से बही ज्ञान की धारा... गीत प्रस्तुत कर ढपली टीम ने सब का मन मोहा. दयाशंकर पंडित ने उपजोन के पांचों जिला के प्रतिनिधियों व सदस्यों को शांतिकुंज से प्राप्त अनुमोदन और स्वीकृति पत्र पढ़कर सुनाया. मौके पर सप्त सूत्रीय कार्यक्रम की भावी रूपरेखा भी तैयार की गयी.

मरासिल्ली पहाड़ पर नागा महंत का सर्पदंश से निधन

रांची। नामकुम थाना क्षेत्र के मरासिल्ली पहाड़ पर रहने वाले नागा साधु महंत लालगिरी को सांप ने डंस लिया. जिससे उनकी मौत हो गयी. यह घटना शनिवार की रात की है. स्थानीय लोगों ने सांप को पकड़ लिया है. घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि साधु शनिवार की रात जमीन पर सो रहे थे. इसी दौरान बाएं हाथ की बीच वाली उंगली में उन्हें जहरीले सांप ने काट लिया. इसकी वजह से महंत लाल गिरी की मौत हो गयी. घटना की सूचना मिलने पर ट्रस्ट के सदस्य और स्थानीय लोग पहाड़ पर पहुंचे.

प्रेम की घनिष्ठता इतनी मजबूत है कि उनमें कोई अलगाव नहीं है : बिशप मास्केरेन्हास

पल्ली कैथोलिक के 200 बच्चों का हुआ दृढ़ीकरण संस्कार

खास बातें

- संत जोसेफ पल्ली छिपादोहर में 50 बच्चों का परम प्रसाद
- 97 बच्चों का बिशप थियोडोर ने दृढ़ीकरण संस्कार कराया

बसंत मुंडा। रांची

पल्ली कैथोलिक के अलग-अलग जिले के चर्चों में लगभग दो सौ ईसाई बच्चों का रविवार को पहला दृढ़ीकरण संस्कार किया गया. डालटनगंज पल्ली में बिशप थियोडोर मास्केरेन्हास ने 97 और रांची के नवाटांड़ पल्ली में आर्च बिशप विन्सेंट आइंद ने 103 बच्चों का दृढ़ीकरण संस्कार कराया. मौके पर सैकड़ो युवक-युवतियां ,मसीही विश्वासी मौजूद थे. बिशपों ने सभी बच्चे को पवित्र आत्मा से अवगत कराया. मुख्य अतिथि धर्माध्यक्ष विन्सेंट आइंद की अगुवाई में सभी बच्चों ने पहला संस्कार ग्रहण किया. कार्यक्रम की शुरुआत परमेश्वर आराधना से शुरू हुई. इस अवसर पर बिशप आइंद ने कहा कि हमारा ईश्वर एक है. प्रेम की घनिष्ठता इतनी मजबूत है कि उनमें कोई अलगाव नहीं है. वैसे ही हम भी अनेक होते हुए भी एक परिवार हैं. मौके पर नवाटांड़ पल्ली पुरोहित फादर क्रिस्टोफर लकड़ा, सहायक पल्ली पुरोहित फादर सेबेस्टियन डिसूजा, विधायक शिल्पी नेहा तिर्की, फादर असीम मिंज, फादर रेजीनाल्ड समेत अन्य शामिल थे.

डालटनगंज धर्माप्रांत के संत जोसेफ पल्ली छिपादोहर में 50 बच्चों का परम प्रसाद संस्कार और 97 बच्चों का बिशप थियोडोर मस्केहेरनहास ने दृढ़ीकरण संस्कार कराया और मिस्सा बलिदान अर्पित किया. अपने संदेश में उन्होंने कहा कि पवित्र आत्मा को ग्रहण करने के लिए तैयार रहना चाहिए. ताकि हम सभी आस्था के साथ कलिसिया का सेवा कर सकें. मौके पर ज्योतिष बाखला, फादर अमित खाखा, अध्यापक फादर संतोष एक्का, फादर अमरदीप केरकेट्टा, ब्रदर सुमन, ब्रदर जेम्स, ब्रदर सिकंदर, ब्रदर अंकित, समीर संत अन्ना की धर्म बहनें आदि शामिल थें.

डालसा ने नशा उन्मूलन के लिए चलाया जागरूकता कार्यक्रम

नुक्कड़ नाटक का मंचन कर दी नशे के दुष्परिणामों की जानकारी

संवाददाता। रांची

न्यायायुक्त के दिशा-निर्देश पर रविवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार एवं जिला प्रशासन के संयुक्त प्रयास से बाल संप्रेषण गृह, डुमरदगा में नशा उन्मूलन के लिए विधिक जागरूकता अभियान चलाया गया.

कार्यक्रम में लगभग 104 किशोरों ने भाग लिया. किशोरों के बीच नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर संदेश दिया गया कि नशा एक ऐसी बुराई है, जो हमारे जीवन को समूल नष्ट कर देती है.

नशे की लत से पीड़ित व्यक्ति परिवार के साथ-साथ समाज पर भी बोझ बन जाता है. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय रांची राजेश कुमार सिंह उपस्थित थे. उन्होंने बच्चों को नशा के दुष्परिणाम के बारे में जानकारी दी. साथ ही नशे का कारोबार करनेवालों के लिए बनाये गये कानून के संबंध में भी बताया.

नशे की लत व्यक्ति को सबसे पहले अपने परिवार से ही दूर कर देता है

लाइफ सेवर्स एनजीओ के प्रमुख अतुल गेरा ने बताया कि नशा, नाश का द्वार है. नशे की लत व्यक्ति को सबसे पहले परिवार से दूर करती है. साथ ही बुरी आदत की वजह से पीड़ित आर्थिक तंगी के दौर से गुजरता है, जिसकी वजह से उसमें नकारात्मक भाव पैदा होते हैं. समय के साथ उसके करीबी मित्र भी उसका साथ छोड़ देते हैं. उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि उनके एक मित्र थे, जिनको नशे की लत थी. उनको उन्होंने बहुत समझाने की कोशिश की, लेकिन वो नहीं समझे. उसके बाद एक दिन मैंने उनको छोड़ दिया.

नशा छोड़ने का प्रयास कर रहे लोगों के लिए नशामुक्ति केंद्र की स्थापना की है

जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी वेद प्रकाश ने बताया कि जो लोग नशे के आदी हो गये हैं और छोड़ने का प्रयास कर रहे हैं, उनके लिए सरकार द्वारा नशा मुक्ति केंद्र की स्थापना की गयी है. वहां अच्छे चिकित्सकों की निगरानी में इलाज किया जाता है. मध्यस्थ और समाजसेवी पंचानन सिंह ने बताया कि नशे से दूर रहने का सबसे अच्छा उपाय है कि आप ध्यान करें. इससे मन में कभी भी गलत विचार नहीं आयेगा. आप कभी गलत दिशा में नहीं चलेंगे. इसलिए प्रतिदिन योग और ध्यान अवश्य करें. मौके पर कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को नशा नहीं करने की शपथ दिलाई गयी.

नशे के लिए दवा के उपयोग से जीवन समाप्त हो जाता है

कार्यक्रम में मौजूद डॉ सिद्धेश्वर बक्शी ने बताया कि दवा का उपयोग यदि उपचार के लिए किया जाता है, तो यह जीवन रक्षक होता है, लेकिन इसी दवा का उपयोग जब लोग नशा के लिए करते हैं, तो अपना जीवन समाप्त कर लेते हैं. दवा का सेवन ज्यादा मात्रा में करने से मस्तिष्क शुष्क हो जाता है और सोचने –समझने की क्षमता समाप्त हो जाती है. इनसान पूरी तरह से नशे की गिरफ्त में आ जाता है.

कल्याण पदाधिकारी सुरभि सिंह ने बच्चों से नशे का सेवन नहीं करने का आग्रह किया

महिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुरभि सिंह ने बच्चों से कहा कि यहां से बाहर निकलने के बाद आप कभी भी नशे का सेवन नहीं कीजिएगा. समाज में भी लोगों को नशे से दूर रहने की शिक्षा दीजिएगा

संत पॉल्स हाईस्कूल में कल से बाइबल क्लास

रांची। पेरिस संडे स्कूल समिति की ओर से संत पॉल्स हाईस्कूल, बहुबाजार में मंगलवार से बाइबल पाठशाला शुरू होगा. इसमें पांच सौ से अधिक बच्चे हिस्सा लेंगे. कक्षा सुबह छह बजे से दोपहर साढ़े बारह बजे तक चलेगा. स्थानीय पेरिस के पुरोहित एस डेविड खास तौर से हिस्सा लेंगे. सभी वर्गों के बच्चे बाइबल क्लास में भाग लेंगे. अध्यक्ष एल्विन टोपनो ने बताया कि बाइबल क्लास 28 मई से 2 जून तक होगा. बच्चे छुट्टी का सदपयोग कर सके. ताकि छुट्टी के बीच धार्मिक और आत्मिक ज्ञान प्राप्त कर सके . इसके लिए बाइबल पाठशाला शुरू किया है. दो जून को बिशप स्कूल में समापन होगा. गुड बुक्स एजुकेशन ट्रस्ट ने सिलेबस तैयार किया है. 45 वर्षों से अधिक वर्षों से काम कर रहे हैं. बच्चों के बीच बेस्ट ऑफ बेबियस 2024 में चयनित बच्चों के बीच मोमेंटम,मेडल और सर्टिफिकेट से पुरस्कृत किये जाएंगे.

ये होंगे कार्यक्रम : भाषण प्रतियोगिता, पेंटिंग, मास्टर एंड बेबियस 2024, फैंसी ड्रेस और बाइबल से जुड़े क्विज.

बीएड-डीएलएड संस्थानों की ऑनलाइन बैठक आज

रांची। झारखंड के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के तत्वावधान में 27 मई को सभी प्रदेश के सभी जिलों के बीएड कॉलेजों तथा डीएलएड संस्थानों की ऑनलाइन बैठक होगी, जिसमें मुख्य रूप से इस समस्या पर विमर्श किया जाएगा कि झारखंड के संस्थानों में बीएड और डीएलएड कर रहे छात्र-छात्राएं स्कूलों के आवंटन के बाद भी नियमित रूप से स्कूल नहीं आ रहे हैं, जबकि उन्हें अपने कोर्स की डिग्री के लिए स्कूलों में पठन-पाठन करना आवश्यक है.

न्यूज अपडेट

अमित बैंगानी बने तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष

रांची। जैन श्वेताम्बर तेरापंथ युवक परिषद की रविवार को बैठक हुई. इसमें सर्वसम्मति से अमित बैंगानी को अध्यक्ष चुना गया. उनका मनोनयन पूर्व अध्यक्ष ललित सेठिया ने किया. इस पर सभी ने अपनी सहमति जतायी. मौके पर नवनियुक्त अध्यक्ष ने पदभार ग्रहण कर नई टीम बनायी, जिसमें उपाध्यक्ष पंकज बोहरा, सह उपाध्यक्ष विकाश नाहटा, मंत्री आकाश बैंगानी, सह मंत्री धीरज बोथरा, कोषाध्यक्ष विवेक बैंगानी, प्रचार मंत्री सुरेश नाहटा, संगठन मंत्री विवेक दस्सानी और तेयुप समन्वयक विशाल दस्सानी को बनाया गया. साथ ही अरिहंत सिंघवी, विवेक बेगवानी कार्यकारिणी में शामिल किए गए. विवेक दस्सानी और ललित सेठिया संरक्षक बनाये गये.

प्रशंसकों ने मनाया एक्टर अली खान का जन्मदिन

रांची। बॉलीवुड एक्टर अली खान के प्रशंसकों ने धूमधाम से उनका जन्मदिन मनाया और उनकी लंबी उम्र के लिए दुआएं मांगी. अली खान ने दमदार अभिनय के बल पर बॉलीवुड में अपना लोहा मनवाया है. उन्हें रांची शहर से खास लगाव है. अली खान ने कहा कि उनकी कई फिल्में बहुत जल्द रिलीज होनेवाली हैं. जल्द ही वे रांची आनेवाले हैं. जन्मदिन पर उन्हें बधाई देने वालों में बॉलीवुड एक्टर देवेश खान, बुलंद अख्तर, कुमार गहलोत, शोएब उर्ररहमान, आफताब आलम शामिल हैं.

कॉसमॉस क्लब में दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन

रांची। कॉसमॉस युथ क्लब चैरिटेबल ट्रस्ट, लालपुर में निःशुल्क दंत (डेंटल) चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया. इस दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा वहां 36 से अधिक मरीजों मरीजों की निःशुल्क जांच, एक्स-रे के साथ दवा और पेस्ट भी दिए गए. शिविर में आए 36 से अधिक मरीजों के दांतों (डेंटल) की जांच की गई. शहर में समाज के जरूरतमंदों के लिए प्रमुख दंत शल्यचिकित्सक, विशेषज्ञ डॉ. सजीत कुमार और दंत शल्यचिकित्सक, विशेषज्ञ डॉ. ऋषिका सिन्हा भी मौजूद थे. इस अवसर पर संस्था के संस्थापक श्री देबाशीष राय के साथ रेनू गहलोत राय, सागरिका सरकार, स्मृति चक्रवर्ती आदि सदस्य मौजूद थे.

संत सदानंद जी के अनुयायियों ने चलाया वृहद भंडारा

रांची। श्रीकृष्ण प्रणामी संस्थान के निर्माणाधीन मंगल राधिका सदानंद दिव्यांग सेवाधाम आश्रम में रविवार को 151वां भंडारा वृहद रूप में चलाया गया. बड़ी संख्या में लोगों ने छोला,भटुरा,वेजिटेबल पुलाव, समोसा,केसरिया खीर-जलेबी, मिक्चर का पैकेट के साथ मैंगो जूस प्रसाद रूप में ग्रहण किया. अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल की शादी की सालगिरह पर इसका आयोजन किया गया. मौके पर पूरणमल सर्राफ,संजय गोयल, शिव भगवान अग्रवाल,प्रभात शाह, संतोष देवी अग्रवाल, शोभा अग्रवाल,वंदना अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, सचिव मनोज कुमार चौधरी, विशाल जालान, ओम प्रकाश सरावगी, विष्णु सोनी, पवन पोद्दार ताऊ, विमल मोदी, चिरंजीलाल खंडेलवाल, नंदकिशोर चौधरी, शिव भगवान अग्रवाल, अनिल अग्रवाल,अनुप अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, मेहक अग्रवाल,मनीष सोनी, सज्जन पाडिया, विजय अग्रवाल, ज्ञान प्रकाश शर्मा, महेश बर्मा,धीरज कुमार गुप्ता, परमेश्वर साहू, कारवी, नैन्सी, आतिशी, सुनीता आदि ने इसमें मुख्य रूप से हिस्सा लिया.

10वीं-12 वीं में फेल छात्रों की 75% उपस्थिति की रिपोर्ट होगी तैयार

संवाददाता। रांची

खास बातें

- 10 वीं और 12वीं के अनुत्तीर्ण स्टूडेंटस का व्योरा तैयार होगा
- रिपोर्ट तैयार कर परियोजना कार्यालय जल्द भेजा जाएगी

प्रावधानों के मुताबिक 10वीं और 12वीं कक्षा में पढने वाले स्टूडेंट्स की अपने स्कूल में 75% उपस्थिति जरूरी है.

अब शिक्षा विभाग, झारखंड (झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद) की नजर उन स्टूडेंट्स पर है जो 10वीं, 12 वीं वीं की परीक्षा में हाल के दिनों में जारी रिजल्ट में अनुत्तीर्ण हैं और जिनकी अपने क्लास में उपस्थिति 75% से भी कम रही है. इसकीरिपोर्ट तैयार करायी जाएगी. इस संबंध में परिषद के राज्य परियोजना निदेशक की ओर से सभी जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारी और अन्य को लेटर भी भेजा गया है. इसके जरिए निदेशक आदित्य रंजन ने कहा है कि स्कूलों में 75% उपस्थिति और लगातार 30 दिनों तक अनुपस्थित रहने वाले स्टूडेंट्स का नामांकन रद्द करने संबंधी दिशा-निर्देश पहले से निर्गत है. इसके आलोक में सीएम आदर्श स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2023-24 में दसवीं और बारहवीं क्लास के वैसे स्टूडेंट्स जो अनुत्तीर्ण हो गये, उनकी स्कूलों में क्या उपस्थिति रही, उससे संबंधित जांच रिपोर्ट तैयार की जाए. इसके पिछले सत्र की भी उपस्थिति संबंधी रिपोर्ट तैयार हो.

साथ ही ऐसे सभी स्कूल जिनमें 10% से अधिक स्टूडेंट्स अनुत्तीर्ण हुए हैं, उनकी रिपोर्ट भी तैयार कर जल्द से जल्द परियोजना कार्यालय को भेजा जाए.

आप लोगों के सहयोग से रांची गोशाला का नाम नई ऊंचाइयों पर पहुंचाऊंगा : पुनीत पोद्दार

गोशाला न्यास की प्रथम कार्यसमिति की बैठक

संवाददाता। रांची

गोशाला, हरमू रोड में न्यास की प्रथम कार्यसमिति की बैठक हुई. अध्यक्ष पुनीत कुमार पोद्दार ने अध्यक्षता करते हुए ट्रस्टी, पदाधिकारी और कार्यकारिणी सदस्यों का आभार जताया. साथ ही कहा कि आने वाले तीन सालो में आप सबके सहयोग से गोशाला न्यास का नाम नई ऊंचाइयों पर पहुंचने का कार्य करूंगा.मंत्री प्रदीप राजगढ़िया ने संचालन करते हुए भविष्य के कार्यक्रमों की रूपरेखा रखी. साथ ही कई विभागों को लेकर भी चर्चा की गयी. सभी विभागों के संयोजक नियुक्त किए गए. ट्रस्टी और उपाध्यक्ष रतन कुमार जालान, राजकुमार टिंबडेवाल, सज्जन सर्राफ, किशोरी लाल चौधरी, उपाध्यक्ष एसएन राजगढ़िया, संयुक्त मंत्री राजेंद्र बंसल, सुरेश जैन, सदस्य प्रेम मित्तल, मनीष लोधा, कमल खेतावत, गजानंद अग्रवाल, ओम प्रकाश छापाडीया, भरत बगड़िया, प्रकाश काबरा काशी प्रसाद कनोई, वासुदेव भाला आदि ने इसमें मुख्य रूप से हिस्सा लिया.

सेवा करने गोशाला पहुंचे परिपूर्णानंद

हरमू रोड में गोशाला रविवार को चिन्मय मिशन आश्रम के स्वामी परिपूर्णानंद गो पूजन को पहुंचे. कहा कि गोपाल श्रीकृष्णचंद्र ने अवतार काल में गौ सेवा करने की अद्भुत प्रेरणा समाज को दी थी. मुझे यहां आकर सेवा करने में अत्यंत आनंद की अनुभूति हुई. उन्होंने समिति के प्रति आभार जताया. इससे पूर्व अध्यक्ष पुनीत कुमार पोद्दार ने पुष्पगुच्छ देकर स्वामी जी का स्वागत किया. ट्रस्टी राजकुमार टिबडेवाल ने अंग वस्त्र भेंट किया.

एक्वा वर्ल्ड में कार्टून संडे बच्चों ने जमकर किया धमाल

संवाददाता। रांची

एक्वा वर्ल्ड, मछली घर में समर हॉलीडे श्रृंखला के अंतर्गत कार्टून संडे का आयोजन किया गया है. इस मौके पर रविवार को एक्वा वर्ल्ड की पूरी शाम बच्चों के नाम रही.बच्चों ने भी जमकर आनंद उठाया.बच्चों के लिए एक सेल्फी कार्टून कॉर्नर बनाया गया था, जहां बच्चे सेल्फी ले रहे थे कार्टून कैरेक्टरों के साथ. इसके अतिरिक्त बच्चों के लिए कार्टून की थीम में फैंसी ड्रेस कंपटीशन भी हुआ. कार्टून सीरियलों की थीम पर आधारित क्विज टाइम का भी आयोजन हुआ.

बच्चों को इन कार्टून सीरियल्स के थीम सॉन्ग को सुना कर उससे संबंधित प्रश्न पूछे गए.सही जवाब देने वालों को पुरस्कृत किया गया. रविवार के कार्यक्रम में बच्चों को एक्वा वर्ल्ड ग्रुप की चेयर पर्सन डॉ. विद्या झा ने पुरस्कृत किया, जबकि इस अवसर पर निदेशक गण सुमित रूंगटा, संतोष कुमार, शांभवी प्रभा,आनंद आदि उपस्थित थे. अगले जून को समर हॉलीडे श्रृंखला के अंतर्गत ''हॉरर'' थीम पर आधारित विशेष कार्यक्रम का आयोजन शाम 6 बजे से किया जाएगा.

विजेताओं की सूची

फैंसी ड्रेस – आकाश आनंद,श्रेया प्रिया, रवि शंकर

कार्टून क्विज– संजना, सोना, दानिन, निषाद, पुलकित,साध न्यास, शिवांश, गुनित, जोहैन, आरव

चिकित्सा संस्था बीएनआर होटल में स्थापना दिवस समारोह का आयोजन हुआ

आईएफएस झारखंड चैप्टर की नयी टीम ने कार्यभार संभाला

संवाददाता। रांची

भारतीय प्रजनन सोसाइटी (आइएफएस) ने रविवार को झारखंड में अपनी नई टीम की स्थापना के साथ एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया. इसके निमित्त रांची के बीएनआर चाणक्य होटल में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया. समारोह में सोसाइटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रो. (कर्नल) पंकज तलवार तथा राष्ट्रीय महासचिव डॉ. प्रो. श्वेता मित्तल गुप्ता ने अतिथि वक्ता के रूप में भाग लिया और महत्वपूर्ण व्याख्यान दिए. उनके साथ डॉ. जया भट्टाचार्य, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं. वहीं डॉ. करुणा झा और डॉ. सुनीता झा ने संस्था के झारखंड चैप्टर के संरक्षक की भूमिका निभाई.

पूर्व सचिव डॉ. अर्चना कुमारी ने नई टीम का स्वागत किया और आईएफएस के झारखंड चैप्टर के नवागत सचिव डॉ. रुपाश्री पुरुषोत्तम को पदभार सौंपा. डॉ. पूजा रानी को नए संयुक्त सचिव के रूप में और डॉ. रूही श्रीवास्तव को कोषाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया. इस अवसर पर युवा प्रतिभाओं को भी मान्यता दी गई और सम्मानित किया गया. साथ ही अंकुरम आईवीएफ के निदेशक डॉ. राजनारायण साहू और बिनोद कुमार को भ्रूण विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया. इसके अतिरिक्त, इस फील्ड में यंग टर्क जैसे सिस्टर्स, काउंसलर को उनकी समर्पित सेवा के लिए मान्यता दी गई. झारखंड भर से 50 से अधिक प्रतिष्ठित स्त्री रोग विशेषज्ञों ने इस समारोह में भाग लिया, जिनमें डॉ. अनुभा विद्यार्थी, डॉ. उषा नाथ, डॉ. प्रीति बाला सहाय, डॉ. गीता सिन्हा मानकी, डॉ. सुमन सिंह और डॉ. रीता लाल शामिल थीं, जो झारखंड के चिकित्सा समुदाय की सहयोगी भावना को दर्शाती हैं.

इस कार्यक्रम के हिस्से के रूप में ओव्यूलेशन इंडक्शन, अंडाशय हाइपरस्टिमुलेशन सिंड्रोम सहायक प्रजनन तकनीक और आईयूआई और आईवीएफ रोगियों में पतले एंडोमेट्रियम का प्रबंधन पर एक सतत चिकित्सा शिक्षा सत्र आयोजित किया गया. इन सत्रों का उद्देश्य जटिल प्रजनन मुद्दों से निपटने में चिकित्सकों के ज्ञान और कौशल को बढ़ाना था. अतिथियों का पारंपरिक झारखंडी गीतों और अनुष्ठानों के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया गया, जिसने वैज्ञानिक कार्यक्रम में एक सांस्कृतिक स्पर्श जोड़ा और उन्हें स्थानीय विरासत की जीवंतता से मोहित कर दिया. इस आयोजन से आईएफएस के झारखंड चैप्टर के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत हुई है, जो क्षेत्र में प्रजनन उपचार और प्रजनन स्वास्थ्य के प्रति समर्पण और नवाचार के नए दृष्टिकोण का वादा करता है.

---

100 लोगों के बीच किया गया मिट्टी के सकोरा व दाना का वितरण

श्री सर्वेश्वरी समूह ने चलाया पंछी को दाना पंछी को पानी जनजागरूकता अभियान

संवाददाता। रांची

खास बातें

- 100 सकोरा और दाना के पैकेट का वितरण किया गया
- 200 सकोरा और दाना के पैकेट पहले भी बांटे गये थे

श्री सर्वेश्वरी समूह रांची शाखा, औघड़ भगवान राम आश्रम, अघोर पथ, लेक रोड पश्चिम के बैनर तले रविवार को पंछी को दाना-पंछी को पानी जन जागरूकता अभियान चलाया किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 8.30 बजे किया गया. मौके पर अघोर पथ, किशोरगंज चौक और शिवगंज के लोगों के बीच 100 सकोरा (मिट्टी का बर्तन) और दाना के पैकेट का वितरण किया गया. कार्यक्रम के माध्यम से लोगों के बीच जागरूकता फैलाने का प्रयास किया गया, ताकि इस भीषण गर्मी में पक्षियों को पीने का पानी एवं दाना मिल सके और उनके प्राणों की रक्षा हो सके. लोगों के बीच सकोरा व दाना के पैकेट का वितरण कर उनसे अपने-अपने घर की छत और आंगन में पानी भर कर रखने के साथ ही . पक्षियों को दाना भी देने का आग्रह किया गया. इससे पूर्व गुरुवार को मोरहाबादी स्थित ऑक्सीजन पार्क मुख्य द्वार पर पंछी को दाना-पंछी को पानीः जन जागरूकता अभियान' के पहले चरण में लोगों के बीच 200 सकोरा व दाना के पैकेट वितरित किये गये थे. कार्यक्रम में हेमंतनाथ शाहदेव, आशुतोष कुमार, नवल किशोर सिंह, गिरेंद्रनाथ शाहदेव, अंजनी कुमार सिंह, कीर्तिमान नाथ शाहदेव, नागदमनी नाथ शाहदेव, अशोक प्रियदर्शी, एतवा बड़ाईक, द्वेदनाथ शाहदेव, सोमेश्वर नाथ शाहदेव, मानवेंद्र नाथ शाहदेव, राज सहाय, बसंत बड़ाईक, यदुनाथ शाहदेव सहिअन्य शामिल हुए.

ब्रीफ खबरें

बुढ़मू में दो बाइक की टक्कर में दो युवक घायल

बुढ़मू। थाना क्षेत्र के सिदरौल गांव के पास दो बाइक की टक्कर में बमने निवासी जगदीश महतो और इटहे निवासी संजय उरांव गंभीर रूप से घायल हो गए. घटना रविवार की दोपहर लगभग एक बजे की है. बताया जाता है कि दोनों युवक बाइक से अपने-अपने घर जा रहे थे. हादसे में जगदीश महतो का पैर टूट गया और संजय उरांव के चेहरे पर गंभीर चोट लगी है.सूचना मिलने पर पुलिस ने दोनों घायलों को सीएचसी बुढ़मू पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को रिम्स रेफर कर दिया गया.

फुटबॉल लीग मैच में एफसी तमाड़ की शानदार जीत

तमाड़। पांच परगना स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित फुटबॉल लीग में रविवार को एफसी हेमरोम और एफसी तमाड़ के बीच आमलेशा मैदान में मैच खेला गया. मैच एफसी तमाड़ ने 3-0 से जीत लिया. मैच में रामेश्वर सिंह मुंडा ने दो गोल 22वें 56वें मिनट और शत्रुघ्न मुंडा ने एक गोल 39वें मिनट में किया. सोमवार को एफसी कुंदला और एफसी पुंडिदिरी के बीच मैच खेला जाएगा. मैच के दौरान रेव. नेल्सन कंडुलना, हीरा दास, हरीश मुंडा, निशांत भेंगरा, खीनरायण मुंडा, करम मुंडा, गुप्तेश्वर मुंडा, प्रेमचंद पूर्ति, शिवराम मुंडा, खुदिया मुंडा, फागू मुंडा, जीविका, प्रभा, संगीता, जॉन, सरिता, प्रमिला, चांदनी, लक्ष्मी, राधिका, मोनिका, राजेश आदि मौजूद थे.

तमाड़ में शराब दुकान से तीन लाख रुपये की चोरी

तमाड़। तमाड़ थाना क्षेत्र के रायडीह मोड़ स्थित सरकारी शराब दुकान का ताला तोड़कर चोर दो लाख 95 हजार रुपये नगद और 10 बोतल शराब उठा ले गए. घटना शनिवार रात लगभग एक बजे की है. इस संबंध में दुकान के इंचार्ज सूरज कुमार गुप्ता ने तमाड़ थाना में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है. थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस मामले की छानबीन कर रही है.

संच सम्मेलन सह निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

सिल्ली/मुरी। आरोग्य फाउंडेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में एकल आरोग्य प्रकल्प कार्यक्रम के तहत संच सिल्ली के गड़गांव में संच सम्मेलन सह निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में इलाके के पचास मरीजों की निशुल्क जांच की गई. रिम्स से आये डॉ अजय विद्यार्थी, पूजा पाठक, आशा पांडे, सुरभि एवं आकाश सरोज चिकित्सकों की टीम ने मरीजों की जांच की. जांच के बाद मरीजों को स्वास्थ्य परामर्श दिया. स्वस्थ रहने के लिए घरेलू उपाय भी बताए. इस मौके पर वन औषधि चिकित्सा प्रमुख राजनाथ महतो, संभाग प्रमुख सुरेंद्र महथा, संकुल प्रमुख संतोषी देवी, संच कोऑर्डिनेटर विलासो देवी, सावित्री देवी आदि शामिल थे.

मंडा पूजा महोत्सव झूलन कार्यक्रम के साथ संपन्न

इटकी। प्रखंड के तिलकसूती गांव में रविवार को शिव उपासना का दो दिवसीय मंडा पूजा महोत्सव भक्ति व आस्था से झूलन कार्यक्रम के साथ सम्पन्न हो गया. सैकड़ों भोक्ताओं को मंडा खूंटा पर बांध कर झुलाया गया. इस क्रम में भोक्ताओं द्वारा गिराये गए श्रद्धा के फूल को महिलाएं आंचल में लेने को आतुर दिखीं. मान्यता है कि यह फूल महादेव का प्रसाद है. जिसके आंचल में गिरेगी उसकी मनोकामना पूर्ण होती है. इससे पूर्व शनिवार रात लोटन सेवा, धुंवासी, के उपरांत सैकड़ों भोक्ताओं व सोकताइन ने स्नान ध्यान कर दहकते हुये अंगारों पर चलकर फुलखुन्दी कर अपनी भक्ति व आस्था का परिचय दिया.

शहर को साफ रखने के मामले में नगर निकाय फेल, पूछने पर जिम्मेदारों का एक ही जवाब- संज्ञान में है

सिस्टम ने ही राजधानी को बना दिया नरक

रांची नगर निगम क्षेत्र के वार्डों में साफ-सफाई पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है. शहर के की इलाकों में सड़क पर ही कचरा बिखरा पड़ा रह रहा है. कई इलाकों में तो सप्ताह भर से ज्यादा समय से कचरे का उठाव नहीं हो रहा है. जिम्मेदारों से जब हमारे संवाददाता ने बात की, तो उनका रूटीन सा जवाब मिला- जल्द सफाई होगी, अभी मैनपावर की दिक्कत है, सूचना पर संज्ञान ले लिया गया है. शहर में कोकर, हरमू, रिम्स के आसपास के इलाके में कचरे की सफाई नहीं हो पा रही है.

आकर्ष अनिकेत। रांची

राजधानी के कई इलाकों से गुजरने पर आजकल दुर्गंध आती है. इसकी वजह शहर में विभिन्न इलाकों के रोड या खुले मैदान पर पसरा कचरा है. शहर के कई इलाकों में सफाई काम पूरी तरह से पटरी से उतर चुका है. हमने जब शहर के कुछ हिस्सों में घूम कर देखा, तो कोकर के सुंदर विहार में सड़क किनारे कचरा पसरा दिखा. रिम्स के पास भी सड़क किनारे कचरा पड़ा है. तीन-चार दिन पहले सफाई हुई थी. हरमू मुक्तिधाम के पास भी यही हाल है. रातू रोड दुर्गा मंदिर के सामने भी कूड़ेदान के बाहर कचरा फैला हुआ है. हरिहर सिंह रोड में पांच दिनों से सफाई नहीं हुई है. शहर में गंदगी को देखते हुए हमने लोगों से बातचीत की. लोगों ने बताया कि कुछ दिनों से घरों से कचरा उठाने का काम ठीक ढंग से नहीं हो रहा. इस कारण उन्हें मजबूरन कचरे को सड़क किनारे, खुले मैदान या अन्य खाली स्थान पर फेंकना पड़ा रहा है. सफाई गाड़ी छह-सात दिन में एक बार आती है. कई बार आकर चली जाती है और पता भी नहीं चलता. पहले जब गाड़ी आती थी, तो जिंगल बजता था- गाड़ीवाला आया घर से कचरा निकाल... पर आजकल वो भी नहीं बजता. घर में होने के कारण हमें पता तक नहीं चलता कि कचरा वाहन कब आया और कब चला गया.इस संबंध में जब हमने नगर आयुक्त अमित कुमार से बात की, तो उनका भी वही पुराना रुटीन जवाब मिला. उन्होंने कहा कि शहर में जहां-जहां कचरे का अंबार लगा है, उसकी सफाई जल्द करायी जाएगी. जो मामला संज्ञान में आया है, उसकी सफाई के निर्देश दे दिए गए हैं.

रांची

कचरे से भरी पड़ी हैं शहर की कई सड़कें

हरमू मुक्तिधाम के पास टूटा है कूड़ेदान, बाहर ही पसरा रहता है कचरा.

कोकर में 20-25 दिनों से नहीं हुई सफाई, कचरे का अंबार लगा है.

सड़क हादसे में तीन तो उसरी फॉल में डूबकर दो की मौत

एनएच कल्याणपुर के समीप तेज गति से आ रहे ट्रेलर ने ओमनी वैन को चपेट में लिया

संवाददाता। बरवाअड्डा

बरवाअड्डा थाना अंतर्गत जीटी रोड कल्याणपुर में रविवार को करीब तीन बजे हुए भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई. इनमें चालक समेत तीन शामिल हैं. घटना में एक ओमनी कार को विपरीत दिशा से आ रही ट्रेलर ने चपेट में ले लिया. ओमनी कार में सवार तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच बुरी तरह जख्मी हो गए. सभी घायलों को इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच भेजा गया है. उपरोक्त सभी लोग एक ही परिवार के हैं और राजगंज के डोमनपुर में बेटे का रिश्फाते की तारीख इनल करने जा रहे थे. इसी दौरान हादसा हो गया. हादसे का शिकार परिवार लोदना का रहने वाला है. बताते हैं कि रविवार को करीब तीन बजे टेलर संख्या एचआर47सी- 5677 ने मारुति ओमनी वैन संख्या जेएच10 एजे- 4165 को जोरदार धक्का मारा और लगभग दो ढाई सौ फीट तक रगड़ते हुए ले गया. वैन राजगंज की ओर जा रही थी, लेकिन गलत दिशा में होने की बात कही जा रही है. हादसे के बाद ट्रेलर चालक वाहन लेकर फरार हो गया. हादसा इतना भयावह था कि वैन के चालक शमसाद अंसारी की मौके पर ही मौत हो गई.

सात दोस्तों के साथ आया था नहाने, पैर फिसलने से गहरे पानी में चला गया

संवाददाता। गिरिडीह

गिरिडीह का प्रसिद्ध पर्यटन स्थल उसरी वाटरफॉल (उसरी झरना) में डूबने से दो युवकों की मौत हो गई. दोनों युवक देवघर जिले का निवासी बताया जाता है. जो उसरी झरना (वाटरफॉल) अपने सात अन्य दोस्तों के साथ घूमने आए थे. मृतक युवकों में देवघर के राममंदिर झोंसागढ़ी निवासी राजकुमार गुप्ता का 20 वर्षीय पुत्र पवन गुप्ता और जूनपोखर निवासी मौली प्रसाद वर्मा का 18 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार वर्मा शामिल है.

घटना के संबंध में बताया गया कि देवघर के झोंसागढ़ी स्थित संचालित एक निजी कोचिंग संस्थान मिंडवेरा क्लासेज में पढ़ने वाले 9 छात्र रविवार को उसरी फॉल आए थे. झरना में नहाने के क्रम में पवन और दीपक फिसलकर गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे. दोनों को डूबता देख उनके अन्य साथियों ने शोर मचाना शुरू किया लेकिन उनकी शोर सुन जब तक स्थानीय लोग वहां पहुंचे तब तक दोनों डूब चुके थे. स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना मुफ्फसिल थाना की पुलिस को दी.

घटना की सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो ने तुरंत ही महतोडीह पिकेट से अवर निरीक्षक संजय कुमार को मौके पर भेजा. संजय ने स्थानीय लोगों एवं गोताखोरों की मदद से काफी मशक्कत के बाद दोनों शव को बाहर निकलवाया. उसके बाद पुलिस ने दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल भेज दिया. वहीं पुलिस ने घटना की सूचना मृतकों के परिजनों को दे है. घटना के बाबत अवर निरीक्षक संजय ने कहा कि दोनों की मौत डूबने से हुई है. सूचना पाकर दोनों के परिजन भी सदर अस्पताल पहुंचे. इधर लोगों का कहना है कि वाटर फॉल में हर वर्ष इस तरह का हादसा होते रहता है. प्रशासन को वहां ब्रेकेटिंग की व्यवस्था करनी चाहिये, ताकि दूर दराज से आने वाले अनजान लोग गहरे पानी वाले क्षेत्र में नहीं जाएं और उनके जान माल की सुरक्षा हो सके.

पड़हा जतरा का विकास मेला के रूप में किया जाएगा : डॉ रवीन्द्रनाथ भगत

संवाददाता। बेड़ो

प्रखंड मुख्यालय के बाजारटांड़ में ऐतिहासिक 58वां पड़हा जतरा समारोह सह वार्षिक सभा की तैयारी पूरी हो गई. बेड़ो बाजारटांड़ में आयोजित पड़हा जतरा समारोह मेंविनोवा भावेविश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ रवीन्द्रनाथ भगत की अगुवा गुई में पड़हा प्रतीकचिह्नों में लकड़ी के बने हाथी, घोड़ा, तेंगरा छाता, मगरमच्छ, बाघ और झंडों के साथ पड़हा राजा शामिल होंगे. रांची से 35 किमी दूर बेड़ो बाजारटांड़ में प्रति वर्ष तीन जून को पड़हा जतरा का आयोजन होता है. इसकी शुरुआत 1967 में तत्कालीन विधायक सह पूर्व शिक्षा मंत्री स्व. करमचंद भगत के बेड़ो विधानसभा क्षेत्र से पहली बार चुनाव जीतने की खुशी में आयोजित की गई थी. इसके बाद से अभी तक लगातार पड़हा जतरा समारोह का आयोजन हो रहा है. विनोवा भावे विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ रवीन्द्रनाथ भगत ने बताया कि झारखंड एक आदिवासी बहुल राज्य है. इस राज्य का गठन आदिवासियों के हितों की रक्षा और उनके विकास के लिए किया गया है. झारखंड में उरांव, मुंडा, संथाल, हो और खड़िया जैसी प्रमुख जनजातियों के साथ कई आदिम जनजातियां निवास करती हैं. इन जनजातियों के बीच विभिन्न प्रकार की पारंपरिक स्वशासन पद्धतियां प्रचलित हैं. जिन्हेंअलग-अलग नामों से जैसेपड़हा, मानकी मुंडा, परगनैत और डोकलो सोहोर जैसी संस्थाएं स्थापित हैं. पुरखों द्वारा बनाई गई व्यवस्था पर आधारित है. इन स्थापित संस्थाओं द्वारा सभी प्रकार के प्रशासनिक, धार्मिक, सामाजिक, आर्थिक और फौजदारी मामलों में न्यायपालिका की भूमिका निभाई जाती हैं. इसमें सभी निर्णय सामूहिक साझेदारी के आधार पर लोकतांत्रिक तरीके से गांवों के किसी सार्वजनिक स्थान अखड़ा या बगीचे में बैठक कर लिए जाते हैं.

चाईबासा पुलिस ने 3.14 करोड़ का अफीम-डोडा लदा ट्रक पकड़ा

संवाददाता। चक्रधरपुर/किरीबुरु

- चालक-उपचालक गिरफ्तार, पांच लाख रुपये भी बरामद
- 135 प्लास्टिक बोरों में रखा था 2096 किलो अफीम-डोडा

चाईबासा पुलिस ने अफीम और डोडा लदा एक ट्रक टेबो थाना क्षेत्र से पकड़ा है. ट्रक पर लदे अफीम और डोडा की कीमत 3.14 करोड़ रुपये आकी गयी है. पुलिस ने ट्रक चालक और उपचालक को गिरफ्तार किया है. इनके पास से पांच लाख रुपये भी बरामद किये गये हैं. इस संबंध में चाईबासा एसपी आशुतोष शेखर ने बताया कि 25 मई को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि डोडा और अफीम लेकर एक ट्रक टेबो थाना क्षेत्र से गुजरने वाला है. इस सूचना के बाद छापेमारी दल का गठन किया गया. एएसपी सह एसडीपीओ चक्रधरपुर के नेतृत्व में जांच अभियान के दौरान ट्रक को पकड़ा गया. गिरफ्तार आरोपियों में राजस्थान के जैसलमेर जिले के फलसुंड थाना क्षेत्र अंतर्गत भीखोड़ाई गांव निवासी मियू खान (35) व झलावर जिले के बकानी थाना क्षेत्र अंतर्गत अगर्या गांव निवासी राकेश कुमार (26) शामिल है.

जूट के बोरे के नीचे छुपाया गया था अफीम व डोडा

ट्रक की जांच में बाहरी व ऊपरी भाग में 3216 खाली जूट का बोरा तथा 415 टीन का खाली डिब्बा मिला. इसके नीचे छुपा कर 135 प्लास्टिक के बोरों में 2096 किलोग्राम अफीम व डोडा रखा गया था. इसे ओडिशा, छत्तीसगढ, मध्य प्रदेश होते हुए राजस्थान ले जाने की योजना थी. ट्रक समेत अफीम, डोडा व बरामद रुपये जब्त कर लिये गये हैं. वहीं टेबो थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है. इस घटना में संलिप्त अन्य बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है.

न्यूज अपडेट

सनातन परंपरा के अनुरूप जन्मदिन मनायें: अशोक पंडा

बेड़ो। जन्मदिन को पाश्चात्य संस्कृति से नहीं बल्कि सनातन परंपरा के अनुसार मनाए जाने की जरूरत है. उक्त बातें महादानी मन्दिर परिसर में रातु अंचल अन्तर्गत एकल अभियान बेड़ो संच एकल विद्यालयों के आचार्यों को संबोधित करते हुए पुजारी अशोक पंडा ने कही. उन्होंने कहा कि जन्मदिन मनाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है. लेकिन उसमें मोमबत्ती जलाकर उसे फूंकने की प्रवृत्ति सही नहीं है. हमें मिट्टी के दीपक जलाकर जन्मदिन मनाने की जरूरत है. रातु अंचल अन्तर्गत एकल अभियान बेड़ो संच एकल विद्यालयों के आचार्यों ने शुक्रवार को एक नई परंपरा की शुरुआत करते हुए बेड़ो संच अध्यक्ष डॉ रमेश प्रसाद के पुत्र मिहिर सेन गुप्ता का जन्मदिन ऐतिहासिक महादानी मन्दिर परिसर में मनाकर उदाहरण प्रस्तुत किया. इस मौके पर मुख्य पुजारी अशोक पंडा ने महादानी बाबा का विधिवत पूजन कराया.

सब्जी मंडी में किसानों को नहीं मिले खरीदार

सिल्ली/मुरी। रांची लोकसभा चुनाव के दूसरे दिन रविवार को सिल्ली ओवर ब्रिज के समीप स्थित सब्जी मंडी में व्यापारियों के नहीं पहुंचने से सब्जियों के खरीदार नहीं मिले. जिससे सब्जियों के दामों में भारी गिरावट आई. कुछ सब्जियों के दाम तो आधे से भी कम हो गए. कुछ किसान घंटों खरीदार का इंतजार कर थक हार कर वापस चले गए. मंडी में सिल्ली के अलावा सोनाहातु प्रखंड एवं प बंगाल के कई क्षेत्र के सैकड़ों किसान सब्जी बेचने पहुंचे थे. खरीदार नहीं मिलने और गर्मियों में जल्दी खराब होने के डर से किसान औने-पौने दामों में सब्जियां बेचे. सब्जी के कारोबारी निवासी राजेश साहु व अनुरोध कोइरी का कहना है कि चुनाव के दिन शनिवार को बाजार बंद रहने एवं रविवार को रांची समेत अन्य क्षेत्रों के व्यापारियों (थोक खरीदारों) के नहीं पहुंचने से ये समस्या आई.

झारखंड शाखा में मनाया गया एक्यूप्रेशर दिवस

नामकुम। एक्यूप्रेशर परिषद झारखंड शाखा टाटीसिलवे में एक्यूप्रेशर दिवस धूमधाम से मनाया गया. डॉ चंद्रमा प्रसाद गुप्ता के जन्म दिवस के अवसर पर एक्यूप्रेशर दिवस मनाया जाता है. कार्यक्रम का नेतृत्व परिषद के सचिव डॉ मधुसुदन पांडे के द्वारा किया गया. मुख्य अतिथि रांची रेडियो स्टेशन के गायक तन पाठक रहे. इन्होंने एक्यूप्रेशर को सभी वर्गों के लिए उपयोगी बताया. डॉ मधुसूदन पांडे ने बताया कि इस लोकसभा चुनाव में मतदान करने वालों के लिए निशुल्क तीन दिवसीय एक्यूप्रेशर चिकित्सा की व्यवस्था झारखंड प्रदेश के एक्यूप्रेशर परिषद के सभी कार्यालय में किया जाएगा.

नेशनल हाईस्कूल में प्रतिभा सम्मान समारोह

इटकी। नेशनल हाईस्कूल प्रांगण में रविवार को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. समारोह के मुख्य अतिथि प्रखंड के उप प्रमुख परवेज आलम व विशिष्ट अतिथि अतिथि डॉ नैयर मुमताज थे. उन्होंने संयुक्त रूप से मैट्रिक परीक्षा में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया. मौके पर प्रस्तावित प्लस टू क्लासेज का उदघाटन किया गया. मैट्रिक परीक्षा में पवन उरांव 89 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल टॉपर बने. जबकि सीनम फिरदौस 85 प्रतिशत व इशरत खातून 84 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किये. प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को ट्रॉफी, बैग, कलम व मेडल सहित अन्य उपहार विद्यालय परिवार की ओर से दिया गया.

सड़क हादसे में हेसल निवासी सुधुवा मुंडा की मौत

अनगड़ा । थाना क्षेत्र के हेसल रिंग रोड में ट्रक ने 63 वर्षीय शुधुवा मुंडा को टक्कर मारा,जिससे मौके पर ही मौत हो गयी . प्राप्त जानकारी के मुताबिक हेसल नयाटोली निवासी शुधुवा मुंडा रिंग रोड होते हुए बाजार जा रहा था. टाटा की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे ट्रक हेसल रिंग रोड ओवरब्रिज से डाउन की ओर उतर रहा था. उसी समय अनियंत्रित होकर शुधुवा मुंडा को टक्कर मारा मौके पर उपस्थित ग्रामीण उसे उसी ट्रक में उठाकर अनगड़ा सीएचसी पहुंचाया. प्राथमिक चिकित्सा कर रिम्स रेफर किया गया उसी दौरान शुधुवा मुंडा दम तोड़ दिया. सूचना मिलते ही अनगड़ा पुलिस प्रशासन अस्पताल पहुंचकर लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए राँची रिम्स भेज दिया. परिवार के सदस्य का रो रोकर बुरा हाल हो गया है .

सुसारी पर्व का दुर्गा घाट अनुष्ठान संपन्न

राहे। राहे प्रखंड का प्रसिद्ध सुसारी पर्व का दुर्गा घाट अनुष्ठान रविवार को संपन्न हुआ. सोमवार की रात कालीघाट के साथ नौ दिनों से चल रहा पर्व संपन्न हो जाएगा. बता दें कि सुसारी पर्व मंडा पर्व का ही एक स्वरूप है. भोक्ताओं के सरदार सुसारी ने नौ दिनों तक राहे स्थित मंदिर में शिव आराधना करते हैं. इसी क्रम में आठवें दिन रविवार को कोकरो नदी किनारे स्थित श्मशान घाट से सुसारी को माता दुर्गा के भेष में शिव मंदिर तक लाया गया. इस दौरान रास्ते में कई बार सुसारी प्रतीकात्मक रूप से अपने चेतना खो गए. सुसारी को लाने के लिए सैकड़ों की संख्या में युवक भूत पिशाच का भेष बनाकर नाचते हुए राहे शिव मंदिर तक आये.

मारुति मंगल परिवार के प्रयास से बढ़ा मतदान प्रतिशत

बेड़ो। सामाजिक संगठन मारुति मंगल परिवार के सार्थक प्रयासों का परिणाम भी दिखने लगा है. रातु से लेकर लापुंग और बेड़ो प्रखंड के ग्रामीणों ने संस्था के प्रयासों की सराहना की है. ग्रामीणों ने कहा कि संस्था के स्थापना स्थल, रातु प्रखंड के मतदान केंद्र संख्या 62 में 90 % तक मतदान होने के पीछे मारुति मंगल परिवार का बड़ा योगदान है. मारुति मंगल परिवार वस्तुतः एक सामाजिक संगठन है जो निरन्तर अपने सेवा कार्य के लिए जाना जाता है. ग्रामीणों ने संस्था के अगुआ विक्रम महतो, सुमेश महतो, जन्मेंजय महतो सहित दर्जनों पदाधिकारियों तथा सैकड़ों सदस्यों की सराहना की. संगठन सालों भर समाज में फैली कुरीतियों के खिलाफ प्रत्येक रविवार को अभियान चलाकर लोगों को जागरूक करती रहती है. जिसका सकारात्मक प्रभाव गांवों में देखने के लिए भी मिल रहा है.

समस्या खलारी सीमेंट कारखाना कोयला यार्ड से उड़ रहे धूल के कारण हो रही परेशानी, जीवन संकट में

रिहायशी क्षेत्र से हो रही है सीमेंट कारखाना के लिए कोयला ट्रांसपोर्टिंग

संवाददाता। खलारी

खलारी सीमेंट कारखाना कोयला यार्ड में कोयला लाने वाले ट्रकों का आवागमन खुलेआम रिहायशी इलाके से किया जा रहा है. खलारी ओवरब्रिज से शहीद चौक, स्टेशन रोड, बैंक चौक होते हुए खलारी सीमेंट कारखाना तक करीब एक किलोमीटर सड़क के दोनों ओर रिहायशी क्षेत्र है. घनी आबादी वाला आवासीय क्षेत्र होने के साथ छोटी बड़ी दर्जनों व्यापारिक प्रतिष्ठान हैं.

प्रतिदिन सौ से अधिक कोयला लदे व अनलोडिंग के बाद खाली ट्रकों का

परिचालन इस रिहायशी क्षेत्र से किया जा रहा है. ट्रकों के चक्के के साथ उड़ता धूल प्रदूषण फैला रहा है. आसपास के दुकानदारों ने बताया कि लगातार ट्रकों के आवागमन से दम घुटने लगता है. यह एक किमी सड़क खलारी-मैकलुस्कीगंज मुख्य सड़क का हिस्सा है. ग्रामीण कार्य विभाग की इस सड़क की चौड़ाई मात्र सवा 12 फीट है. कोयला ट्रकें सड़क के साथ सड़क के दोनों ओर के कच्चे फ्लैंक पर भी चलती हैं. जिससे लगातार धूल उड़ता रहता है.

इस सड़क से होकर खलारी के खलारी प्रखंड कार्यालय, मुख्य स्कूल उर्सुलाइन कान्वेंट, आदर्श विद्यालय, जनता उच्च विद्यालय, रामवि खलारी जेनेट एकेडमी, डान बास्को एकेडमी के बच्चों का भी आवागमन होता है. इसके अलावा खलारी रेलवे स्टेशन आने जाने वाले यात्री, बैंक आने जाने वाले ग्राहक, जेहलीटांड़, करकट्टा, धमधमिया, खलारी बाजारटांड़, मैकलुस्कीगंज क्षेत्र, साप्ताहिक हाट बाजार के लिए आने जाने वाले आम लोग भी इसी सड़क से होकर आना जाना करते हैं.

सुबह महिला, पुरूष, वृद्ध इस सड़क पर मॉर्निंग वाक किया करते थे. अब ट्रकों के चपेट में आने के डर से इस सड़क पर वाक करने से लोग कतराने लगे हैं. क्षेत्र का इतना महत्वपूर्ण सड़क होने के बावजूद बिना रोक टोक इस सड़क से कोयले की ट्रांस्पोर्टिंग की जा रही है. कारखाना प्रबंधन द्वारा सड़क पर जल छिड़काव का प्रयास नाकाफी है. यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है. इसके जिम्मेवार व प्रदूषण पर लगाम लगाने वाले सरकारी पदों पर बैठे जवाबदेह लोग आंखें बंद किए हुए हैं. जनता इसे नियती मानकर जिम्मेवार सभी लोगों को कोस रही है. वहीं कोयले के ट्रकों से हो रहे वायु प्रदूषण से परेशान आम लोगों ने रविवार को बैंक चौक के निकट कोयले के ट्रकों को रोक दिया. सड़क पर ट्रकों की लंबी कतार लग गई. बाद में कारखाना प्रबंधन के प्रतिनिधि के साथ बातचीत हुई. लोगों ने एक मांगपत्र सौंपा. खलारी के आमलोगों का कहना है कि कारखाना कोल यार्ड का कोयला ट्रांस्पोर्टिंग जेहलीटांड़-बड़कीटांड़ के रास्ते किया जाय.

ग्रामीणों ने सीसीएलकर्मियों को खदान में घुस कर पीटा

संवाददाता। खलारी

खलारी के अंतर्गत आने वाले सीसीएल एनके एरिया अंतर्गत केडीएच परियोजना खदान में डयूटी कर रहे तीन कामगारों के साथ ग्रामीणों ने खदान परिसर में घुसकर मारपीट की. घटना शनिवार रात लगभग 11.30 बजे की है. इस मारपीट की घटना में तीन सीसीएलकर्मी अरुण गंझू, धनेश्वर गंझू व शशि उरांव घायल हो गए. घटना के विरोध में अन्य कामगारों ने काम बंद कर दिया. बताया गया कि शनिवार रात में जामुन दोहर बस्ती के कुछ लोग रात्रि में खदान का काम बंद कराने आए थे. इसी दौरान डियूटी कर रहे कामगार अरुण गंझू, धनेश्वर गंझू, व शशि उरांव के साथ मारपीट करने लगे. मौके पर मौजूद सहयोगी कामगारों ने बीच बचाव किया. उसके बाद तीनों घायल कामगारों को इलाज के लिए डकरा सेंट्रल अस्पताल ले जाया गया. जहां तीनों का इलाज किया गया. इलाज के बाद उन्हें घर भेज दिया गया. मारपीट में कामगार शशि उरांव का एक हाथ टूट गया है. रविवार सुबह सभी कामगार व श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि केडीएच पीट आफिस के समक्ष एकत्रित हुए और घटना की कड़ी निंदा करते हुए कामगारो की सुरक्षा की मांग करने लगे. कार्यस्थल पर सीआईएसएफ बल की तैनाती व कामगारों के साथ मारपीट करने वाले ग्रामीणों के ऊपर कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है.

मतदान के बाद रांची, जमशेदपुर, गिरिडीह, धनबाद में राजनीतिक सरगर्मी शिथिल

अपनों संग बिताया दिन किया जीत का दावा

अपनी माटी, परिजन व अराध्य देवता की शरण में उतारी चुनावी थकान

झारखंड में तीसरे चरण का मतदान समाप्त होने के साथ ही रांची, जमशेदपुर, गिरिडीह और धनबाद में चुनावी सरगर्मी थोड़ी सुस्त पड़ गई है. या कहें कि पार्टी नेताओं की भागमभाग पर कुछ समय के लिए ब्रेक लग गया है. इन चार संसदीय सीटों की पार्टियों के प्रत्याशी, नेता,कार्यकर्ता रविवार को चुनावी थकान मिटाते दिखे. ज्यादातर प्रत्याशियों ने अपनी माटी,अपना परिवार और अपने अराध्य देवता की शरण में जाकर चुनावी थकान मिटाई. हर किसी के चेहरे पर जीत के भाव थे और उन्होंने खुद भी इसका दावा किया. सबकी जुबान पर यही था कि जनता ने उन्हें जीत का आशीर्वाद दिया है. चार जून को देखिएगा जीत हमारी होगी. वे उत्साह से लबरेज हैं. रविवार को सभी शांत मस्ती के मूड में दिखे. चुनावी भागदौड़ ने उन्हें जरुर थोड़ा थका दिया है. पर अंदर से वे अब भी ऊर्जावान हैं और अपनी जीत का दावा कर रहे हैं. कार्यकर्ता भी अपने नेता की जीत के प्रति आशान्वित हैं. शुभम संदेश की टीम ने चारों संसदीय क्षेत्र के प्रमुख प्रत्याशियों से मतदान के बाद के बाद कैसा महसूस कर रहे हैं और उनकी चुनावी थकान दूर हुई या नहीं इस पर बात की. पेश है रिपोर्ट..

धनबाद

कार्यकर्ताओं से घिरी रहीं अनुपमा, सबने साझा किया अनुभव

- दिन के दो बजे प्रधान चुनाव कार्यालय पहुंचीं, विमर्श किया
- जीत के समीकरणों को खंगालने में जुटी रहीं प्रत्याशी अनुपमा

अमित सिन्हा। धनबाद

धनबाद लोकसभा में शनिवार को मतदान ख़त्म हुआ. सभी प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई है. जीत-हार से पर्दा चार जून को पर्दा उठेगा. कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह मतदान के दूसरे दिन रविवार को भी कार्यकर्ताओं से घिरी रहीं. सुबह से ही उनके जामाडोबा आवासीय कार्यालय में कार्यकर्ताओं का जमावड़ा लगा रहा. सभी कार्यकर्ता मतदान के दौरान के अपने-अपने अनुभव भी साझा कर रहे थे. साथ ही अपनी कर्तव्य निष्ठा का भी बोध करवा रहे थे. अपने-अपने बूथ पर बढ़त के दावे किए जा रहे थे. यहां से निकलने के बाद दिन के दो बजे अनुपमा सिंह बैंक मोड़ स्थित प्रधान चुनाव कार्यालय ब्लैक रॉक होटल पहुंची. जहां उन्होंने कांग्रेस के नेताओं संग विचार विमर्श किया. उनके चुनाव में सभी के सार्थक सहयोग के लिए धन्यवाद दिया. इसके बाद सभी के साथ दोपहर का खाना भी खाई. इस दौरान उनके चेहरे पर चुनाव में जीत को लेकर उत्साह साफ दिख रहा था. कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष सिंह ने बताया कि महागठबंधन प्रत्याशी अनुपमा सिंह ने कांग्रेस सहित महागठबंधन के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया है. धनबाद लोकसभा से कांग्रेस की जीत के अभियान को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया है.

ढुल्लू महतो दिखे शांत और जीत के प्रति आश्वस्त

- अपने आवासीय परिसर में कार्यकर्ताओं से बातचीत करते दिखे ढुल्लू महतो
- कार्यकर्ताओं से लिया मतदान का रुझान, कहा- पांच लाख से अधिक अंतर से होगी जीत

कतरास। राम पांडेय/अब्दुल हमीद/भोला झा

धनबाद लोकसभा भाजपा प्रत्याशी सह बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो चुनावी प्रचार की व्यस्तता के बाद रविवार को ढुल्लू अपने चिटाही स्थित आवास परिवार के साथ समय बिताने के साथ ही आम दिनों की तरह लोगों से मुलाकात कर रहे थे. प्रतिदिन की तरह सुबह वे रामराज मंदिर में पूजा अर्चना की. इसके बाद ढुल्लू अपने आवासीय परिसर में अपने कार्यकर्ताओं से बातचीत कर अपने पक्ष की वोट की जानकारी लेते दिखे. वे अपनी जीत के प्रति काफी आश्वस्त दिख रहे थे. उनके अनुसार वे करीब पांच लाख मतों से विजय होंगे. उन्होंने कहा कि सभी विधानसभा में उनको भारी बढ़त मिल रही है. क्योंकि समाज के हर वर्ग से जाति-धर्म से उपर उठकर उन्हें वोट किया है.

गिरिडीह

हर दिन की तरह मॉर्निंग वॉक पर निकले मथुरा महतो

संवाददाता। कतरास

कार्यकर्ताओं से मुलाकात की, रिलैक्स मूड में थे

गिरिडीह लोकसभा से गठबंधन के झामुमो प्रत्याशी सह टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो प्रतिदिन की की तरह सुबह चार बजे पैमिया ऋषी मेमोरियल स्कूल भेलाटांड मॉर्निंग वॉक करने पहुंचे. उनके साथ दर्जनों कार्यकर्ताओं ने मॉर्निंग वॉक किया. मॉर्निंग वॉक के बाद मथुरा महतो सिजुआ छह नंबर बस्ती स्थित आवास पहुंचे. इसके बाद नहा धोकर अपने आवासीय कार्यालय परिसर में कार्यकर्ताओं के साथ बैठ कर विभिन्न बूथों में हुए मतदान जानकारी ली. साथ ही कई बिंदुओं पर कार्यकर्ताओं से समीक्षा की. इस दौरान में काफी रिलैक्स मूड में दिख रहे थे. उनके कार्यकर्ता मथुरा महतो की जीत पक्की मान रहे हैं. जीत के प्रति कार्यकर्ताओं में उत्साह दिख रहा था. एक कार्यकर्ता की तबीयत खराब होने की सूचना पर मथुरा प्रसाद महतो दोपहर 12 के करीब वे राजगंज के लिए निकल गए.

दिन की शुरूआत पूजा-अर्चना से , फिर कार्यकर्ताओं के बीच रहे

रवि भारती। रांची

गिरिडीह लोकसभा सीट से आजसू के उम्मीदवार चंद्रप्रकाश चौधरी चुनाव के दूसरे दिन रविवार को सुबह पांच बजे उठे. सामान्य दिनों की तरह पूजा अर्चना की. इसके बाद कार्यकर्ताओं से मिले. उनसे फीड बैक लिया. उन्होंने यह भी कहा कि अब तो सारा कुछ ईवीएम में कैद हो गया है. चार जून को ही पता चलेगा.

हम क्षेत्र नहीं छोड़ सकते : चंद्रप्रकाश चौधरी ने कहा चुनाव अपनी जगह है. क्षेत्र की जनता मेरे साथ है. मुझे क्षेत्र में ही रहना पसंद है. हम क्षेत्र नहीं छोड़ सकते. नाश्ता करने के बाद वे सामान्य दिनों की तरह क्षेत्र भ्रमण में निकल गए. जनता की समस्याओं को जाना और समझा. सभी से मिले. शाम चार बजे तक क्षेत्र भ्रमण का सिलसिला जारी रहा.

एनडीए को समर्थन देने की अपील : शाम चार बजे के बाद चंद्रप्रकाश चौधरी कार्यकर्ताओं संग बैठक की. उन्होंने संथाल परगना की तीन सीटों गोड्डा, दुमका और राजमहल में एनडीए प्रत्याशी के पक्ष में समर्थन देने के निर्देश भी दिए. उन्होंने कहा कि इस बार झारखंड की सभी सीटें एनडीए के खाते में आएंगी.

जनता के प्रति जताया आभार : चंद्रप्रकाश चौधरी ने लोकतंत्र के पर्व चुनाव में गिरिडीह लोकसभा के सभी मतदाताओं के प्रति आभार जताया. उन्होंने कहा कल जो जनता का प्यार ,आशीर्वाद, मिला उसके लिए दिल से अभार इतनी गर्मी होने के बावजूद लोग अपने घरों से निकले और लोकतंत्र के इस महापर्व में भाग लिया.

रिलैक्स मूड में दिखे जयराम, कहा - सिर्फ औपचारिक ऐलान बाकी है

अक्षय चौबे । तोपचांची

मतदान के दूसरे दिन गिरिडीह लोकसभा के निर्दलीय प्रत्याशी जयराम महतो रिलेक्स मूड में नजर आए. जयराम महतो चुनाव के दूसरे दिन अपने कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर चुनावी समीकरण पर चर्चा-परिचर्चा करते नजर आए. जयराम महतो पहली बार चुनावी दंगल में हैं. उन्होंने कहा कि पहली बार चुनाव के मैदान में बहुत कुछ सीखने को मिला. सीखते-सीखते गिरिडीह लोकसभा के मैदान को फतह करने जा रहे हैं. लोकतंत्र की खूबसूरत तस्वीर को प्रस्तुत किया जाएगा. भारत एक लोकतांत्रिक देश है, लेकिन जिस प्रकार से राजनीतिक मैदान में परिवारवाद हावी है. इसके बीच एक विचारधारा को लेकर निर्दलीय प्रत्याशी केरूप में चुनावी मैदान में खड़ा होना, लोकतंत्र की खूबसूरती है. निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर बहुत सारी चुनावी चुनौतियों को सामना करना पड़ा. नॉमिनेशन से लेकर चुनाव तक बहुत सारी चुनौतियों झेलनी पड़ी. आगे भी चुनौतियों के लिए तैयार हैं.

रांची

पूजा-अर्चना कर लोकसभा क्षेत्र में फीड बैक लेते रहे संजय सेठ

जताया सबका आभार, कहा- मोदी की गारंटी मेरी गारंटी

राजन बॉबी। रांची

- इस बार भारी मतों से जीत हासिल करुंगा, सबका आशीर्वाद मिला है
- मोदी की गारंटी मेरी गारंटी है
- जनता के लिए काम करता रहूंगा

लोकसभा चुनाव को लेकर महीनो से पसीना बहा रहे संजय सेठ मतदान के बाद भी सक्रिय रहे. रविवार को पूजा-अर्चना कर दिन भर लोकसभा क्षेत्र में फीड बैक लेते रहे. कहा कि जनता ने जो प्यार अब तक दिया है, उसका मैं ऋणी हूं. इस बार भी भारी मतो से जीत हासिल कर कर्ज उतारूंगा. राज्य और देश के विकास में अग्रणी भूमिका निभाना मेरी पहली प्राथमिकता रहेगी. मोदी जी की गारंटी मेरी गारंटी है. उन्होंने कहा कि तेज गर्मी के बाद भी बड़ी संख्या में जिस उत्साह से लोगो ने भाग लिया, वो लोकतंत्र के लिए मिसाल है.संजय सेठ ने सभी को धन्यवाद देते हुए आभार जताया. उन्होंने बताया कि इस बार के मतदान में पिछला रिकार्ड ध्वस्त हो गया है. उपायुक्त ने चुनाव का जो नया आकड़ा जारी किया है, उसके अनुसार इस चुनाव में लगभग 21 हजार वोट ज्यादा बढ़े हैं. संजय ने दावा करते हुए कहा कि मेरा दिल कहता है कि अबकी बार चार सौ पार भी होगा.पूरे देश में भाजपा पार्टी और पीएम मोदी जी को उम्मीद से ज्यादा समर्थन मिला है. इसबार भी भारी मतों से जीत हासिल करेंगे.उन्होंने बताया कि सभी इलाकों का भ्रमण करने में इतना व्यस्त रहा कि शाम साढ़े चार बजे भोजन किया.उन्होंने कहा कि अराम हराम है. आम लोगों के हित के लिए आगे भी रातदिन काम करता रहूंगा. संपूर्ण रूप से साथ देने वालों के लिए धन्यवाद छोटा शब्द है, लेकिन फिर भी धन्यवाद देता हूं. उन्होंने मतदाताओं के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं, संगठन के पदाधिकारियों, जिला प्रशासन और प्रेस-मीडिया आभार जताया.

यशस्विनी ने लिया ब्रेक, परिजनों संग रिलैक्स के लिए बाहर गईं

शुभम किशोर। रांची

लोकसभा सीट की इंडिया प्रत्याशी कांग्रेस की यशस्विनी सहाय इस पखवाड़े काफी व्यस्त रही. शनिवार को मतदान समाप्त होने के साथ ही रविवार को अपनी चुनावी भागदौड़ की थकान उतारने के लिए अपने परिजनों के साथ रांची से बाहर चली गई. बताया गया कि दो दिन तक वह राजनीतिक सरगर्मी से दूर रहेंगी. यशस्विनी के पिता और पूर्व सांसद सुबोधकांत सहाय ने मुलाकात के दौरान बताया कि रविवार को यशस्विनी ने आवश्यक सामानों की खरीदारी की. अपने चाचा और भाइयों के साथ वोट की समीक्षा की.

एंटी मोदी ने वोट दिया : सुबोधकांत सहाय

पूर्व सांसद सुबोधकांत सहाय ने कहा कि रांची लोकसभा का चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न हो गया. रांची में मतदान का प्रतिशत 61.93 रहा. चुनाव के बाद रांची से कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय ने कुछ दिनों के लिए ब्रेक लिया है. उन्होंने बताया कि चुनाव के बाद मेंटली रिलैक्स होने के लिए उन्हें ब्रेक दिया गया है. हर विधानसभा, हर बूथ पर वोट की स्थिति को हमलोगों ने जाना. सुबोधकांत सहाय ने अपनी बेटी की चुनावी बातों को साझा किया और बहुत सारी जानकारी दी.

सुबह 6 से देर रात तक चलाती थीं जनसंपर्क अभियान : सुबोधकांत सहाय ने कहा कि राजनीति में न्यूकमर के लिए चुनौतीपूर्ण कार्य रहता है. यशस्विनी ने अपनी पूरी लाइफ स्टाइल को चेंज कर दिया. सुबह 6 बजे से पदयात्रा. ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान और शाम 6 बजे से शहरी क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान करती थी. रात 12 बजे तक काम करने के बाद दोबारा 6 बजे से वही रूटीन लगभग एक महीने से कर रही थी.

2019 की तुलना में 2024 बेहतर : पूर्व सांसद ने कहा कि 2019 की तुलना में 2024 में कांग्रेस की बेहतर स्थिति है. रांची लोकसभा में 2019 में बीजेपी को सात लाख से अधिक वोट मिले थे. वहीं कांग्रेस को सवा चार लाख वोट मिले थे. पूर्व सांसद ने कहा कि 2019 में अंधभक्त और देशभक्त ने भाजपा को वोट दिया था. लेकिन इस बार अंधभक्त और देशभक्त ने अलग होकर वोट किया है. चुनाव नजदीक आते ही पीएम मोदी के भाषण में भाषा की गिरावट चरम सीमा पर रही. इस बार एंटी मोदी ने वोट किया.

रुझान अच्छा आ रहा, कार्यकत्ताओं में खुशी: देवेंदनाथ महतो

रेहान अहमद। रांची

रांची से निर्दलीय उम्मीदवार देवेंदनाथ महतो मतदान के बाद गांव तो नहीं गये, पर रांची में ही लोवाडीह स्थित घर में चुनावी भाग दौड़ की थकान उतारी. फिर कार्यकर्ता से स्थिति की फीडबैक ली. वह कहते हैं कि रुझान अच्छा है, इसलिए सभी खुश हैं. हमें तो जनता ने ही चुनाव मैदान में उतारा है. इसलिए उनपर हमको काफी भरोसा है. अब परिणाम का इंतजार है.इन्हें जीत का पूरा भरोसा है. एक सवाल के जवाब में वह कहते हैं कि अब हमारी कसरत चुनावी वायदों और जनहित के कार्यों को पूरा करने के लिए शुरू होगी.

सबका साथ मिला

वे कहते हैं कि हमें सभी समाज के मत मिला है. हम झारखंडी हैं, हमारे दिल में किसी के प्रति कोई भेद भाव नहीं है, इस लिये मुस्लिम, आदिवासी, कुरमी, दलित समेत सारे समाज का साथ मतदान में मिला है.

जमशेदपुर

इंडी गठबंधन प्रत्याशी समीर मोहंती ने योग से दिन की शुरुआत की

आनंद मिश्र । जमशेदपुर

जमशेदपुर संसदीय सीट पर मतदान संपन्न होने के पश्चात रविवार को ज्यादातर प्रत्याशियों ने चुनावी तनाव व थकान दूर करने के साथ ही अपने परिवार के साथ समय बिताया. इस सीट से इंडी गठबंधन प्रत्याशी समीर मोहंती मतदान संपन्न होने के पश्चात शहर से दूर चाकुलिया स्थित अपने गांव बेंद पहुंचे. वहां रात्रि विश्राम के पश्चात आज दिन की शुरुआत योगा के साथ की. करीब एक-डेढ़ घंटे योगा किया. उसके बाद गांव में निर्माणाधीन मंदिर को देखने चले गये. वहां कुछ समय बिताया. फिर गठबंधन के स्थानीय नेताओं व कार्यकर्ताओं के बीच रहे. इस दौरान उन्होंने चुनाव प्रचार से लेकर मतदान तक के संबंध में चर्चा की.

चुनाव परिणाम के संबंध में पूछने पर समीर मोहंती ने बताया कि वह अपनी जीत के प्रति आश्वस्त हैं. गांव से लेकर शहर तक उनके पक्ष में मतदान हुआ है. उनके गृह विधानसभा क्षेत्र बहरागोड़ा में तो लोगों ने उनके पक्ष में जमकर मतदान किया है. इसके अलावा सिख, बांग्ला भाषी, ओड़िया भाषी, हिंदी भाषी, संताल व अन्य समाज के लोगों का भी उन्होंने वोट मिला है. हालांकि चार जून को मतगणना के बाद किस्मत का फैसला तो हो ही जायेगा, लेकिन उन्हें विश्वास है कि चुनाव परिणाम उनके पक्ष में आयेगा.

विद्युत अपने गांव में लोगों के बीच रहे, ग्राम देवता की पूजा में हुए शामिल

- जीत की हैट्रिक के लिए आश्वस्त दिख रहे हैं विद्युत वरण महतो
- गांव के पूजा कार्यक्रम में शामिल हुए, ग्राम देवता की पूजा की
- कहा – देश में मोदी की लहर है

आनंद मिश्र। आदित्यपुर

लगातार तीसरी बार जीत की हैट्रिक जीत के प्रति आश्वस्त दिख रहे हैं जमशेदपुर के निवर्तमान सांसद विद्युत वरण महतो. वे चुनाव संपन्न होने के दूसरे दिन रविवार को पैतृक गांव आदित्यपुर नगर निगम के वार्ड 09 स्थित कृष्णापुर पहुंचे. जहां वे चुनाव भाग दौड़ की थकान मिटाते नजर आए. उन्होंने बताया कि आज उनके गांव में ग्राम देवता की पूजा है. जिसमें ग्रामीणों के साथ वह भी शामिल हुए. श्री महतो अपने गांव के ग्राम स्थान के यजमान भी हैं. जिसमें वे ग्राम देवता की पूजा और प्रसाद वितरण में दोपहर बाद तक व्यस्त रहे. उनके गांव के बुजुर्ग पुजारी परिमल महतो ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना करवायी. इसके साथ ही उन्होंने अपने परिजनों के साथ भी कुछ समय व्यतीत किया.

अब चार जून को आपलोग देखेंगे किसको जीत मिलेगी

पूछने पर चुनाव संबंधी चर्चा पर विराम लगाते हुए विद्युत वरण महतो ने कहा कि अब चार जून को आप लोग देखेंगे. 2019 की ही तरह एक बार फिर वह रिकॉर्ड मतों से जीतेंगे. उन्होंने कहा कि देश में मोदी लहर है. उनकी गारंटी पर देशवासियों को विश्वास है. इसका परिणाम चार तारीख को मतगणना में दिखेगा, जब एनडीए गठबंधन 400 से अधिक सीटें हासिल कर देश में तीसरी बार लोकप्रिय सरकार बनायेगी. उन्होंने कहा कि उन्हें उनके क्षेत्र में हर वर्ग का भरपूर समर्थन मिला है, जिससे वे चुनाव जीतने के प्रति आश्वस्त हैं. वे जिस जाति से आते हैं . केवल उनके भरोसे नहीं बल्कि सभी वर्ग और समुदायों ने अपना मत नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनने के लिए दिया है. उन्होंने जीत के अंतर के सवाल पर बगैर आंकड़े बताए केवल इतना कहा कि रिकॉर्ड मतों से जीतेंगे और यह जीत ऐतिहासिक होगी.

चुनाव आयोग के साख पर सवाल

भारतीय चुनाव आयोग ने निश्चित रूप से पहले चुनाव से लेकर 18वीं लोकसभा के चुनाव संपन्न कराने में एक लंबा सफर तय किया है, लेकिन स्थितियां बहुत तेजी से बदली हैं. पहले चुनाव में महज 17 करोड़ मतदाता थे. अब दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में मौजूदा आम चुनाव में 97 करोड़ मतदाता हैं. इस दौरान पार्टियों की संख्या बढ़ी है, वोटर बढ़े हैं, पोलिंग बूथ बढ़े हैं, पार्टियों के बीच लड़ाइयां तल्ख हुई हैं और चुनाव आयोग के खिलाफ शिकायतें भी तेज हुई हैं. पहले चुनाव आयुक्त सुकुमार सेन से लेकर टीएन शेषन जैसे सख्त चुनाव आयुक्तों तक ने आयोग को नई प्रतिष्ठा दी है. लेकिन इस बार 543 संसदीय सीटों के लिए सात चरणों में हो रहे मतदान में कई प्रसंग ऐसे घटे कि लोगों ने चुनाव आयोग की साख पर उंगली उठाई. मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा. जिसमें चुनाव आयोग पर मतदान संबंधी अंतिम आंकड़े देर से जारी करने तथा प्रतिशत वृद्धि का मामला उठाया गया. एडीआर व कॉमन कॉज की ओर से दायर याचिका में बूथों पर मतों की संख्या संबंधी फॉर्म 17-सी की स्कैन कापी आयोग की वेबसाइट पर डालने की मांग की गई थी. सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में आयोग ने इस मांग को अव्यावहारिक बताया है. साथ ही कहा कि चुनाव की तैयारी एक लंबी प्रक्रिया के बाद पूरी होती है, ऐसा करने से व्यवधान उत्पन्न होगा. इससे पहले विपक्ष सरकारी

> विपक्ष ने प्रधानमंत्री द्वारा बांसवाड़ा में दिए गए भाषण में इस्तेमाल जुमलों को संप्रदाय विशेष के विरुद्ध टिप्पणी बताया और आयोग से शिकायत की. आरोप है कि आयोग ने सत्तारूढ़ दल के खिलाफ उदार रवैया दिखाया.

एजेंसियों के दुरुपयोग के आरोप भी लगाता रहा है, जबकि आयोग की दलील रही है कि इन्फोर्समेंट एजेंसी उसके अधीन नहीं होती. विपक्ष आयोग को तटस्थ भाव से कार्रवाई करने को कहता रहा है. विपक्ष ने प्रधानमंत्री द्वारा बांसवाड़ा में दिए गए भाषण में इस्तेमाल जुमलों को संप्रदाय विशेष के विरुद्ध टिप्पणी बताया और आयोग से शिकायत की. आरोप है कि आयोग ने सत्तारूढ़ दल के खिलाफ उदार रवैया दिखाया. प्रधानमंत्री को नोटिस दिए जाने के बजाय भाजपा अध्यक्ष को नोटिस जारी किया. ऐसे ही संविधान पर दिए गए राहुल गांधी के बयान पर कांग्रेस अध्यक्ष को नसीहत दी गई. दरअसल, विपक्ष मांग करता रहा है कि मतदान के बाद वोटों का प्रतिशत जारी करने के बजाय डाले गए वोटों की संख्या जारी की जानी चाहिए. दरअसल, विपक्ष आरोप लगाता रहा है कि आयोग सत्तारूढ़ दल के प्रति उदार रवैया अपनाता रहा है. जिसके चलते विपक्ष ने आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने का प्रयास किया. उनका कहना है कि चुनाव आयोग को निष्पक्ष अंपायर की भूमिका में नजर आना चाहिए. विपक्ष बांसवाड़ा रैली में प्रधानमंत्री के भाषण पर सख्त कार्रवाई की मांग करता रहा है. इसी तरह आरक्षण, संपत्ति जब्त करने आदि कई विवादित बयान सामने आए. तल्ख टिप्पणियां कांग्रेस के घोषणापत्र को लेकर भी की गई थी. विपक्ष कहता है कि इन टिप्पणियों पर आयोग को कार्रवाई करनी चाहिए. हालांकि, कई पूर्व चुनाव आयुक्त मानते हैं कि यह पहला मौका नहीं, जब विपक्ष आयोग पर सवाल उठा रहा है. जैसे-जैसे राजनीतिक दलों में तल्खी बढ़ती है, बीच में आयोग को शामिल कर लिया जाता है.

सुभाषित

अतिपरिचयादवज्ञा संततगमनात् अनादरो भवति।
मलये भिल्ला पुरन्ध्री चन्दनतरुकाष्ठमं इन्धनं कुरुते ॥

अतिपरिचय (बहुत अधिक नजदीकी) होने से किसी भी व्यक्ति की अवज्ञा होने लगती है, चाहे वह जितना भी महान क्यों न हो. इसी प्रकार किसी के घर बार बार जाना अनादर का कारण बन जाता है जैसे कि मलय पर्वत की भिल्लनी चंदन के लकड़ी को ईंधन के रूप में जला देती है.

किसका हक दांव पर लगा, किसका इंसाफ?

भारत की राजनीति में जाति के असर से कोई इनकार नहीं कर सकता. हालांकि, भाजपा ने पिछले 10 सालों में इस असर को कुछ हद तक निष्प्रभावी जरूर किया, लेकिन उसे कामयाबी नहीं मिली. अब इस बार कुछ जातियों में कुछ अधिक उथल-पुथल हो रही है. इसके केंद्र में भी भाजपा ही है. अब तक छह चरणों के चुनाव के बाद आए रुझानों पर गौर करें, तो देखा जा सकता है कि इस बार जातीय गोलबंदी का भारी नुकसान भाजपा को ही होनेवाला है.

• देश-काल

बृजेंद्र दुबे

19वीं लोकसभा के लिए हो रहे चुनावों में देश की अधिसंख्य जनता मौजूदा मोदी सरकार से बेहद नाखुश है. मोदी सरकार 2014 में जनता को जो सपने दिखा कर सत्ता में आई थी, उनमें से एक भी पूरे नहीं हुआ. इसके उलट 2024 आते-आते सरकार फूट डालो, राज करो वाली अंग्रेजों की नीति पर उतर आई है. मंगलसूत्र छीनने से लेकर भैंस खोल जाने के आरोप के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिंदू-मुसलमान की घटिया राजनीति पर उतर आए हैं. सरकार के पास कोई मुद्दा नहीं कि वह आगे क्या करने वाली है, या पिछले 10 सालों में क्या किया है. वन मैन आर्मी बन कर पीएम मोदी पूरा चुनाव अपने चेहरे पर लड़ रहे हैं और अपने को अवतारी पुरुष भी बताने लगे हैं. शुरुआती सालों में खुद को पंडित जवाहर लाल नेहरू से भी महान साबित करने में लगे मोदी अब 2024 के चुनाव में आसाराम बापू की तरह प्रवचन देने लगे हैं. उनके प्रवचन उनके भक्तों को भले भाते हों, लेकिन महंगाई और बेरोजगारी से जूझ रही देश की अधिसंख्य आबादी को बिल्कुल रुचिकर नहीं लग रहा है. यही वजह है कि लोगों का रुझान इंडिया गठबंधन की तरफ बढ़ चला है. नतीजे जो भी हों, लेकिन आज की तारीख में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के सामने पीएम नरेंद्र मोदी का कद बौना नजर आने लगा है. दिलचस्प बात यह कि इंडिया गठबंधन में मोदी के एक नहीं कई विकल्प दिखने लगे हैं. बंगाल में ममता बनर्जी अकेले दम पर मोदी के सामने खड़ी हैं. बिहार में तेजस्वी यादव और उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव भी जातीय गोलबंदी से ऊपर लोगों में मोदी से बेहतर करते दिख रहे हैं. दिल्ली और पंजाब में अरविंद केजरीवाल अकेले दम पर मोदी को पछाड़ने में जुटे हैं और लोगों का भरोसा भी जीत रहे हैं. यही हाल तमिलनाडु के एमके स्टालिन का है, तो महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे और शरद पवार पीएम मोदी को बेहतर तरीके से छका रहे हैं. यह बड़ा बदलाव राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा के बाद से नजर आ रहा है. इसके अलावा इस साल के चुनावों ने जाति के नए अवतारों को उजागर किया है, जो भारत की राजनीति के आलोचकों और सामाजिक जीवन के प्रशंसकों, दोनों को हैरान कर देंगे. हर राज्य में शिकायतें भी अलग-अलग हैं. ऊंघते हुए, लहर मुक्त चुनाव में राजस्थान के पूर्व कांग्रेसी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ अमेठी में करणी सेना की मौजूदगी ने भीड़ में उत्सुकता पैदा कर दी. राजपूतों के लिए आरक्षण की मांग करने वाली करणी सेना उत्तर भारत का दौरा कर रही है, शपथ समारोहों का आयोजन कर रही है, जिसके प्रतिभागी भाजपा को वोट न देने की कसम खाते हैं. पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मध्यकालीन शासक मिहिर भोज की जातिगत पहचान को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है, क्या वह राजपूत थे या गुर्जर, जैसा कि नई स्थापित मूर्तियों से पता चलता है? उत्तर प्रदेश में दूसरी जगहों पर भाजपा के मतदाता इस बात पर बंटे हुए हैं कि क्या उनके राजपूत नेता योगी आदित्यनाथ को सत्ता में बैठे लोगों ने दरकिनार कर दिया है. राजस्थान और हरियाणा में ओबीसी दर्जे की मांग कर रहे जाटों ने भाजपा को नकारते हुए कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन का समर्थन किया है, जबकि बाड़मेर, झुंझुनू, सिरसा और भिवानी-महेंद्रगढ़ में आश्चर्यजनक रूप से करीबी मुकाबले हुए हैं. हालांकि, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जाट इसी राह पर बढ़े या नहीं, यह स्पष्ट नहीं है. महाराष्ट्र में मराठा मतदाता ओबीसी का दर्जा न दिए जाने के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए विपक्ष की तरफदारी कर रहे हैं. यूपी और बिहार के यादव ऐतिहासिक रूप से यादवों के वर्चस्व वाली क्षेत्रीय पार्टियों को तो वोट दे ही रहे हैं, लेकिन उनका एक बड़ा वर्ग गैर-यादव उम्मीदवारों की तरफ भी झुक चुका है. हरियाणा और मध्य प्रदेश में यादवों की समकक्ष जातियां भी इंडिया का समर्थन करती देखी गयी हैं. जिन्होंने हाल के चुनावों में भाजपा को वोट दिया है. सत्ता विरोधी लहर से ज्यादा राजपूतों और जाटों की तरह यादव भी राज्यों में नए तरीकों से संगठित हो गये हैं. कुल मिला कर हिंदुत्व के दबदबे के एक दशक बाद इन घटनाक्रमों को मंडल की राजनीति की वापसी के रूप में देखा जाने लगा है. इसी लालच में विपक्षी दल कर्नाटक और बिहार जैसे दूरदराज के राज्यों में जाति जनगणना का मोर्चा खोल रहे हैं. पहली बात, तो यह कि भाजपा अभी केंद्र की सत्ता में है. अब तक इसकी राजनीतिक रणनीति ओबीसी और एससी समूहों में दो फाड़ करके नए बने अलग-अलग समूहों से हिंदुत्व को नई धार देने की रही है. मोदी के नेतृत्व में भाजपा प्रत्येक समूह के नेताओं के साथ अलग-अलग बातचीत करती है, उन्हें नीति निर्माण जैसे बहुत महत्वपूर्ण पद तक देती है. दूसरा, नए आर्थिक दबाव अब राजपूत और जाट जैसी प्रमुख कृषक जातियों की राजनीति को ड्राइव कर रही हैं. जातिगत आरक्षण के कारण ओबीसी, एससी और एसटी बैकग्राउंड के लोगों ने उत्तर भारत के ग्रामीण इलाकों में प्रमुख समूहों के मुकाबले काफी प्रगति की है.

ये चुनाव जाति के नए लोकतांत्रिक पुनर्जन्म के युग की शुरुआत का वादा करते दिख रहे हैं. एक ओर, समकालीन हिंदुत्व के बड़े बैनर तले ब्राह्मण और राजपूत, दलितों या आदिवासियों के साथ मिलकर काम कर सकते हैं. दूसरी ओर, ओबीसी और एससी समूहों के बीच दरार भाजपा विरोधी राजनीति की एक नई लहर को जन्म दे सकती है. दोनों प्रवृत्तियां अलग-अलग राज्यों में एक साथ चल सकती हैं, जिससे अप्रत्याशित चुनावी संभावनाओं की एक श्रृंखला सामने आ सकती है. जातियों के भीतर और बाहर बदलते राजनीतिक गठबंधन अब सत्ता के लिए होड़ कर रहे हैं. ये ऐसी नीतियों की मांग कर रहे हैं जो पूरे जाति समूहों के बजाय टुकड़ों या सूक्ष्म समूहों को एक दूसरे के खिलाफ खड़ा करती हैं. सांप-सीढ़ी के इस नए खेल में कुछ लोगों के लिए सामाजिक न्याय दूसरों के लिए सामाजिक विनाश का कारण बन सकता है. इसलिए, हम यह सोचने पर मजबूर हो जाते हैं, किसका हक दांव पर लगा है और किसका इंसाफ..?

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

अतिशय दंभ

पुराने समय की बात है, जब ठाकुरों में आन बान शान और दंभ हमेशा सिर चढ़ा रहता था. गांव में एक ठाकुर और एक बनिए का घर आमने सामने था. प्रातः काल दोनों ही अपनी दातुन विधि घर की बाहरी चौकी पर सम्पन्न किया करते थे. प्रायः ठाकुर दातुन के पश्चात भीगी मूंछों पर ताव दिया करते और सामने बैठा बनिया भी मुंह धोने के बाद सहज ही मूंछों पर दोनों हाथ फेरा करता था. ठाकुर को अपने सामने ही एक भीरू बनिए का यूं मूंछों पर ताव देना हमेशा नागवार गुजरता था. मन तो करता था उसी समय बनिए को सबक सिखा दें, लेकिन घर परिवार की उपस्थित में ठीक न मानकर मन मसोस कर रह जाते. प्रतिदिन की यह क्रिया उनके रोष की ज्वाला को और भी तीव्र किए जाती थी. संयोगवश एक दिन गांव के बाहर मार्ग में दोनों का आमना सामना हो ही गया. ठाकुर ने बनिए को देखते ही गर्जना की- "क्यों बे बनिए, शूरवीरता बढ़ गई है जो हमेशा मेरे सामने ही अपनी मूंछों पर ताव देता है?" बनिया भांप गया, आज तो गए काम से. किन्तु फिर भी अपने आप को सम्हालते हुए बोला, "वीरता और बहादुरी किसी की बपौती थोडे ही है." ठाकुर फिर गरजा- " अच्छा!? तो निकाल अपनी तलवार, आज बहादुरी और बल का फैसला हो ही जाय." तत्काल बनिया नम्र होते हुए बोला- "देखिए ठाकुर साहब, अगर लड़ाई होगी तो हम में से किसी एक का वीरगति को प्राप्त होना निश्चित है. मरने के बाद निश्चित ही हमारा परिवार अनाथ हो जाएगा. उन्हें पीछे देखने वाला कौन? अतः क्यों न हम पहले पीछे के झंझट का सफाया कर दें, फिर निश्चिंत होकर बलाबल की परीक्षा करें?" ठाकुर साहब मान गए. घर जाकर, सफाया करके पुनः निर्णय स्थल पर आ गए. थोडी ही देर में बनिया जी भी आ गए. ठाकुर ने कहा- "ले अब आ जा मैदान में." बनिए ने कहा- "ठहरिए ठाकुर साहब! क्या है कि मैं जब सफाया करने घर गया तो सेठानी ने कहा कि- यह सब करने की जरूरत नहीं. आप अपनी मूंछ नीचे कर देना और कभी ताव न देने का वादा कर देना, अनावश्यक लडाई का क्या फायदा? इसलिए लीजिए मैं अपनी मूंछ नीचे करता हूं और आपके सामने कभी उन पर ताव नहीं दूंगा." "चल फुट्ट बे डरपोक कहीं का!!" कहते हुए दूसरे ही क्षण ठाकुर साहब, दोनो हाथों से अपना सर पकडते हुए वहीं पस्त होकर बैठ गए. बहादुरी का अतिशय दंभ व्यक्ति को मूढ़ बना देता है.

पूरब और पश्चिम में बदलता शक्ति संतुलन

• देशांतर

टीएन नाइनन

पश्चिमी जगत और बाकी की दुनिया के बीच बढ़ते जा रहे मुकाबले में, अब यह स्पष्ट है कि भले पश्चिम के हाथ में अभी भी अधिक ताकत हो, किंतु वह कमजोर पड़ता जा रहा है. एशिया-प्रशांत क्षेत्र में, अमेरिका की नौसेना का रुख अब 'दबदबे' वाली भूमिका से बदलकर 'प्रतिरोधक' में तब्दील हो गया है. आर्थिक परिधि में भी, अमेरिका का रवैया आक्रामकता से (तकनीक पर प्रतिबंध, व्यापार पर रोक और आर्थिक नाकाबंदी) से बदलकर रक्षात्मक (अमेरिकी बाजार में आयातित वस्तुओं पर अतिरिक्त कर लगाना) हो गया है. और यूक्रेन को मिला पश्चिमी समर्थन रूस को नहीं रोक पाया. माओ ने शायद समय से पहले ही घोषणा कर दी थी : 'एक दिन पूरब की हवा पश्चिमी वायुमंडल पर छा जाएगी.' और अब यह होना शुरू हो गया है. सालों तक, पश्चिमी विश्लेषकों और पत्रकारों ने चीन और रूस को पढ़ने में चूक की है. रूस को तो वे आर्थिक रूप से बहुत कमजोर मानते रहे और व्लादिमीर पुतिन को राजनीतिक रूप से चुनौती देने लायक समझते रहे. दशकों पहले चीन के भरभराकर ढहने की भविष्यवाणी भी की गई थी और हाल में उसे समस्याओं से घिरा बताते रहे. फिर भी रूस ने पश्चिमी प्रतिबंधों का अप्रत्याशित रूप से डटकर सामना किया, यूक्रेन में उसका हाथ ऊपर है और पुतिन ने एक बार फिर चुनाव में कार्यकाल अर्जित किया. इसी दौरान, तुलनात्मक आय स्तर वाली अर्थव्यवस्थाओं में चीन सबसे तेजी से बढ़ती आर्थिकी बना रहा. अमेरिका द्वारा चीन से आयातित कुछ वस्तुओं पर लगाए करों में तीखी वृद्धि पूर्ण-स्तरीय व्यापार युद्ध को चालू करने का बायस नहीं बन पाई, क्योंकि इसके निशाने पर वे वस्तुएं हैं, जिनकी बिक्री चीन अमेरिका में ज्यादा नहीं करता. इसलिए यह प्रतीकात्मक कदम मुख्यतः राष्ट्रपति बाइडेन के घरेलू राजनीतिक हितों को साधने की गरज है. भले ही चीन निशाने पर ली गई इन वस्तुओं में बहुतों का बड़ा उत्पादक है, लेकिन वह अपने माल के लिए अन्य मंडियां तलाश लेगा. बल्कि ये अमेरिकी आयातक हैं, जिनके पास कुछ वस्तुओं को मंगवाने के वैकल्पिक स्रोत नहीं हैं, फिर चीन तीसरे देश में लगाए अपने कारखानों की मार्फत इन वस्तुओं को अमेरिका पहुंचा सकता है. इसी बीच, अमेरिकी उपभोक्ता महंगा माल खरीदने के लिए विवश रहेंगे. इस प्रकार के रक्षात्मक खेल (जो कि भारी सब्सिडी देकर अमेरिकी उत्पादकता को फिर से जिंदा करने का दूसरा पहलू है) पहले अपनाए गए आक्रामक रुख के विपरीत है. उम्मीद यह थी कि उक्त आक्रामक कदम अमेरिका

> अमेरिका द्वारा चीन से आयातित कुछ वस्तुओं पर लगाए करों में तीखी वृद्धि पूर्ण-स्तरीय व्यापार युद्ध को चालू करने का बायस नहीं बन पाई, क्योंकि इसके निशाने पर वे वस्तुएं हैं, जिनकी बिक्री चीन अमेरिका में ज्यादा नहीं करता. इसलिए यह प्रतीकात्मक कदम मुख्यतः राष्ट्रपति बाइडेन के घरेलू राजनीतिक हितों को साधने की गरज है.

के दुश्मनों की घेराबंदी करेंगे. कोई शक नहीं कि प्रतिबंधों से चुभन होती है (जैसा कि हमेशा प्रतिबंधों के मामले में होता है) लेकिन इसका असर आंशिक रहा. रूस ने अपने तेल एवं गैस के लिए नए ग्राहक ढूंढ लिए, जबकि पूरबी यूरोप को अपनी ऊर्जा जरूरतों के अहम स्रोतों के तौर पर सस्ती रूसी गैस से हाथ धोना पड़ा, जिससे जर्मनी जैसे मुल्क की भी आर्थिकी हिल गई. इसी बीच, रूसी अर्थव्यवस्था में बढ़ोतरी होती गई. रूस और चीन, दोनों ने भुगतान का नया तरीका विकसित कर लिया और इससे डॉलर पर निर्भरता न रही (अब इनका 95 फीसदी व्यापार स्थानीय मुद्रा में हो रहा है), यहां तक कि एक अलग 'स्विफ्ट' नामक बैंकिंग संचार प्रणाली भी विकसित कर ली है. रूस के रिजर्व खजाने में आज डॉलर के मुकाबले चीनी मुद्रा रेनमीबिस का भंडार अधिक है. उधर चीन अपना धन सोने में बदल रहा है, जिसके लिए पिछले 18 महीनों में भारी स्वर्ण खरीदारी की है. भले ही पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना का वर्तमान 2,250 टन सोना कुल रिजर्व भंडार का 5 प्रतिशत से भी कम है, लेकिन आज तक की तारीख तक यह मात्रा सबसे अधिक है. जहां तक तकनीक का मामला है, किसी अन्य देश के मुकाबले चीन इस क्षेत्र में अधिक तेजी से तरक्की कर रहा है. स्वच्छ ऊर्जा, सौर ऊर्जा और लिथियम बैटरी से चालित वाहन या अन्य उपकरणों में प्रयुक्त इस विशेष जरूरत की आपूर्ति के मामले में चीन बाकी देशों से कहीं आगे है और कुछ मंडियों में अपनी धाक बना चुका है. अब वह इलेक्ट्रॉनिक्स, लाइफ साइंस और रक्षा उत्पादन क्षेत्र में नई खोज के बूते लंबी छलांग लगाने में सक्षम है. उदाहरणार्थ, हुआवे ने हाल ही में सात नैनोमीटर वाली चिप से युक्त अपने नए स्मार्ट फोन से पश्चिमी जगत को चौंका डाला और अब पांच नैनोमीटर वाली चिप तैयार करने पर काम चल रहा है. उसने अगले साल तक चिप निर्माण में 75 फीसदी आत्मनिर्भरता पाने का लक्ष्य रखा है.

साइबर हमलों के जवाब को चाहिए पूरी तैयारी

• डिजिटल सुरक्षा

मधुरेन्द्र सिन्हा

आदिकाल से मनुष्य का स्वभाव रहा है- लड़ना और नये शस्त्रों का आविष्कार करना. नुकीले पत्थरों से जो कहानी शुरू हुई, वह आगे बढ़ते-बढ़ते तीर-तलवार और उसके आगे बंदूकों-तोपों तक चली गई. फिर लड़ाकू जहाज और मिसाइलें. बात यहां तक ही नहीं ठहरी. अब यह अदृश्य लड़ाई में तब्दील हो चुकी है, जिसमें शत्रु पास होते हुए भी कहीं दिखता नहीं. यह शत्रु देशी या विदेशी कोई भी हो सकता है. वह आप पर या आपके देश पर हमले करता है इंटरनेट या फोन के माध्यम से आपके पैसे चुराने की कोशिश करता है या बेशकीमती सूचनाएं. यही है साइबर हमला और सारी दुनिया के देश इससे परेशान हैं. लेकिन भारत की बात ही अलग है. पिछले दस वर्षों में देश का डिजिटलीकरण बहुत तेजी से हुआ और यह लोगों की जिंदगी का हिस्सा बन गया. लेकिन उसके सामने साइबर अपराधी भी चुनौती बनकर खड़े हो गये हैं, जिनका लगातार सफाया हो रहा है. देश की प्रतिष्ठित संस्थाओं से सूचनाएं चुराने की पुरजोर कोशिशें हो रही हैं, उन्हें नष्ट करने की भी साजिश ऑनलाइन हो रही है. लोगों से डरा-धमका कर उनकी गाढ़ी कमाई निकलवाने की कोशिशें हो रही हैं. यह सब दूर-दराज से सिर्फ इंटरनेट, स्मार्टफोन या ऐसे ही माध्यमों से हो रहा है. साइबर ठगी तो इसका छोटा-सा उदाहरण है. बड़े शातिर साइबर हमलावर तो देश की वित्तीय संस्थाओं और प्रणालियों पर भी हमला करते रहते हैं. जी-20 के दौरान तो भारतीय प्रतिष्ठानों और जी-20 आयोजन संबंधी दफ्तरों पर लाखों हमले हुए. इस दौरान हर 60 सेकेंड में 16 लाख साइबर अटैक हुए थे. लेकिन केंद्रीय एजेंसियों ने अपनी त्वरित व कुशल कार्रवाई के जरिये साइबर अपराधियों को उनके मंसूबों में कामयाब नहीं होने दिया. छोटे स्तर पर तो ये कुछ हद तक कामयाब हो गये, लेकिन उन पर शिकंजा कसता जा रहा है. देश में साइबर हमलों को खत्म करने की जिम्मेदारी केन्द्रीय गृह मंत्रालय की है. प्रधानमंत्री तथा केन्द्रीय गृह मंत्री के निर्देशन में एक साइबर तथा इन्फॉरमेशन सिक्योरिटी डिवीजन साइबर सेफ इंडिया के लिए काम कर रहा है. गृह मंत्रालय ने तीन नये कानून भी बनवाये जो साइबर अपराध रोकथाम में सहायक होंगे. इनमें इलेक्ट्रॉनिक एफआईआर की व्यवस्था के साथ ही इलेक्ट्रॉनिक प्रमाणों को सबूत के तौर पर मानने का प्रावधान भी है. केंद्रीय गृह मंत्रालय में साइबर क्राइम से निपटने के लिए स्थापित भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) ने अब तक उल्लेखनीय

> भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) ने पूरे भारत में 1200 करोड़ रुपये से अधिक की बचत की है और लगभग 5 लाख शिकायतों का निपटारा किया है. यह केन्द्र विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों और हितधारकों में समन्वय स्थापना के अलावा साइबर अपराध से निपटने के लिए देश के भीतर क्षमता निर्माण करने का भी प्रयास कर रहा है.

कार्य किया है. विदेशों से हमले करने वाले साइबर अपराधी बेहद चतुर एवं अति आधुनिक डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर से लैस होते हैं. वे हमला करते हैं और हमारे देश के महत्वपूर्ण संस्थानों के वेबसाइटों तथा संचार व्यवस्था को ध्वस्त करने की कोशिश करते हैं या वहां से सूचनाएं चुराने का प्रयास करते हैं. हमारे कई बड़े संस्थानों पर ऐसे हमले हो चुके हैं, लेकिन ज्यादातर निष्फल हुए हैं. ऐसे हमले चीन, पाकिस्तान से तो होते ही हैं, तुर्की और अमेरिका-कनाडा से भी होते हैं. लेकिन हमारी एजेंसियां चाकचौबंद रहती हैं और हमले निष्फल करती जाती हैं. भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) ने पूरे भारत में 1200 करोड़ रुपये से अधिक की बचत की है और लगभग 5 लाख शिकायतों का निपटारा किया है. यह केन्द्र विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों और हितधारकों में समन्वय स्थापना के अलावा साइबर अपराध से निपटने के लिए देश के भीतर क्षमता निर्माण करने का भी प्रयास कर रहा है. इसने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) की लॉन्चिंग में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसका उपयोग पहले से ही राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 31 लाख से अधिक साइबर अपराध शिकायतों, 66,000 एफआईआर के साथ 14 करोड़ बार किया जा चुका है. राष्ट्रीय साइबर फोरेंसिक प्रयोगशाला (एनसीएफएल) साइबर घटनाओं से संबंधित जांच में सहायता करती है. चूंकि, ऐसे अपराध राज्य की सीमाओं से परे होते हैं, इसलिए आई4सी ने बेहतर अंतर-राज्य समन्वय के लिए संयुक्त साइबर अपराध समन्वय दल यानी जेसीसीटीएस की स्थापना की है. 'साइबर दोस्त' नामक एक सोशल मीडिया हैंडल भी संचालित किया जा रहा है, जो विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सुरक्षा से जुड़े टिप्स मुहैया कराता है. गृह मंत्रालय द्वारा 'साइबर जागृति दिवस' नामक एक पहल भी की जा रही है.

मीडिया में अन्यत्र

ताइवान स्ट्रेट में सैन्याभ्यास, चीन के क्या हैं इरादे?

चीन ने ताइवान स्ट्रेट में अचानक दो दिनों का युद्धाभ्यास करके न केवल ताइवान को कड़ा संकेत दिया है, बल्कि इस पूरे क्षेत्र की संवेदनशीलता को फिर से रेखांकित कर दिया है. युद्धाभ्यास का मकसद खुद चीनी सेना ने इस द्वीप की सत्ता पर कब्जा करने की अपनी क्षमता जांचना बताया है. युद्धाभ्यास ऐसे समय किया गया, जब ताइवान में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने सत्ता संभाली ही है. लाई ताइवान में स्वायत्त नीतियों के पक्षधर माने जाते रहे हैं और चीन उन्हें 'खतरनाक अलगाववादी' बताता रहा है. युद्धाभ्यास के पीछे भी तात्कालिक कारण सोमवार को पद संभालने के बाद दिए गए उनके पहले भाषण को माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने चीन से कहा था कि वह ताइवान को डराने-धमकाने की नीति से बाज आए. ताइवान को चीन अपना हिस्सा मानता है. वह कह चुका है कि अगर जरूरत पड़ी तो बलपूर्वक भी चीन उस पर कब्जा कर लेगा. चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग भी स्पष्ट कर चुके हैं कि ताइवान को चीन में मिलाने के काम को अनिश्चित काल तक टाला नहीं जा सकता. दूसरी तरफ, ताइवान लोकतांत्रिक देश है और वहां के ज्यादातर लोग कम्युनिस्ट चीन के साथ जाने को तैयार नहीं हैं. वहां चीन विरोधी मानी जाने वाली डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी लगातार तीसरी बार चुनाव जीत कर सत्ता में आई है. यह बात भी सही है कि अमेरिका समेत दुनिया के ज्यादातर देश वन चाइना पॉलिसी के तहत ताइवान को चीन का हिस्सा मानते हैं. फिर भी ताइवान से अनौपचारिक तौर पर इन देशों के करीबी संबंध हैं. हाल के वर्षों में चीन की बढ़ी हुई आक्रामकता के मद्देनजर यह करीबी बढ़ी है. खासकर अमेरिका ने यहां न केवल हथियारों की सप्लाई बढ़ाई है, बल्कि कई उच्चस्तरीय राजनीतिक प्रतिनिधिमंडल भी भेजे. इस पर चीन अपनी नापसंदगी जाहिर करता रहा है. चीन

पहले भी इस क्षेत्र में युद्धाभ्यास के जरिए अपना असंतोष प्रकट करता रहा है, लेकिन इस बार का युद्धाभ्यास पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा बड़ा और व्यापक माना जा रहा है. कई जानकारों का कहना है कि इसके जरिए चीन ताइवान और उसके मित्र देशों को यह दिखाना चाहता है कि वह इस द्वीप पर जब चाहे कब्जा कर सकता है. संकेत गंभीर इसलिए है कि ताइवान सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री के लिहाज से तो दुनिया के लिए अहम है ही, एक प्रमुख व्यापारिक मार्ग के रूप में भी ताइवान स्ट्रेट महत्वपूर्ण है. ऐसे में इस क्षेत्र में तनाव बढ़ना या किसी तरह से संघर्ष की स्थिति बनना खतरनाक साबित होगा. यही वजह है कि संयुक्त राष्ट्र ने इस क्षेत्र में किसी तरह का तनाव या संघर्ष भड़कने की आशंका के खिलाफ सचेत किया है. **(एनबीटी)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

जी/मन

जी, आपने ठीक कहा-मोहन जी का जी घबरा रहा है. आजकल किसी काम में उनका मन नहीं लग रहा. इन वाक्यों में अर्थ के दृष्टिकोण से समानता रखनेवाले तीन शब्द जी, मन और चित्त. हिंदी के विभिन्न शब्दकोशों में इन तीनों शब्दों के अर्थ लगभग एक ही हैं, लेकिन वाक्यों में प्रयोग किये जाने पर इनके अर्थों में विशिष्टता आ ही जाती है और इनके अनेकार्थकता का बोध भी होता है. ऐसी विशिष्टता मुहावरों में अक्सर देखी जाती है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार जी अनेकार्थक शब्द है. संज्ञा पुल्लिंग के रूप में इसका मतलब है चित्त, दिल, हृदय, साहस, बहादुरी, जीवट, जीव, जान, अंतर्मन, तबीयत, मनोदशा, विचार, संकल्प. वहीं अव्यय के रूप में यह किसी के नाम, पदवी, अल्ल या धार्मिक स्थानों के ससाथ जोड़ा जानेवाला आदरसूचक शब्द है. किसी वरिष्ठ या सम्मानित व्यक्ति के कथन या प्रश्न के उत्तर में संक्षिप्त प्रतिसंबोधन के रूप में भी जी का प्रयोग होता है. जैसे राम जी, श्याम जी. किसी के बुलाने या पछने पर उत्तर में कहा जानेवाला स्वीकृतिपरक शब्द जी है. जैसे कहा जाये-आप कहां हैं? आ रहे हैं तो जवाब मिलता है-जी, आ रहा हूं. जी से बननेवाले कई मुहावरे हम अपने दैनिक जीवन में प्रयोग में लाते हैं. जैसे दिल दहलना यानी मन में कुछ भय का संचार होना, जी अच्छा होना यानी शरीर स्वस्थ होना, जी खट्टा होना यानी विरक्त होना, जी चुराना यानी कुछ करने से भागना, जी मिचलाना यानी उल्टी महसूस करना. जी में आना यानी विचार पैरा होना. मन और चित्त दोनों संस्कृत तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द हैं. मन का मतलब है अंतःकरण, चित्त, इच्छा, चाहत, आत्मा, हृदय, दिल. मन तौल का मापक भी होता है. जैसे चार मन धान मिल गया है. इससे बने मुहावरों की संख्या तो अनंत है. जैसे मन कचोटना, यानी मन दुखी होना या क्लेश होना, मन के लड्डू खाना यानी बेकार की आशा रखकर प्रसन्न होना.

ऊधो, अब दिन चुनाव के आये

• तीर-तुक्का

शशिकांत सिंह 'शशि'

मुरारी बाबू ने ऊधो को बुलाया. बोले- मित्र ! यह पत्र लो. सीधे मेरे निर्वाचन क्षेत्र में जाओ. जनता से मिलना. उन्हें कहना कि मैं राजकाज में इतना उलझ गया था कि नहीं आ सका. इस बार यदि वे मुझे चुनती हैं तो उनके एक-एक सपने पूरे कर दूंगा. उनका जो प्रेम मेरे प्रति है, उसे बनाये रखें. अब केवल अपने निर्वाचन क्षेत्र में रहना है. अपनी प्यारी जनता का विरह अब मुझसे सहा नहीं जाता. मैं यह सत्ता का ताज अपने सिर पर धारण किये बैठा हूं तो किसके लिए ? जनता की खातिर ही न. मैं तो स्वभाव से ही संत हूं. इन टंटों में पड़ना नहीं चाहता. मगर क्या करूं अपनी प्यारी जनता के लिए यदि मुझे आग पर भी चलना पड़े तो चलूंगा. मेरा मन ही जानता है कि मैं अपनी जनता से कितना प्रेम करता हूं लेकिन मजबूर हूं. इतना कह कर मुरारी रोने लगे. जब तक वह रोते रहे तब तक ऊधो खड़े रहे. उनके रो चुकने के बाद उन्होंने निवेदन किया- स्वामी ! आपकी सेवा में रहते मुझे आज दसवां साल है. हम और आप एक ही साथ मथुरा से दिल्ली आये थे. मैं पढ़ा-लिखा था. इसलिए मेरी अक्ल किताबों में ही खत्म हो गई थी. आपने किताबों में अपना समय खराब नहीं किया था, इसलिए आपकी अक्ल बची हुई थी. आपने राजनीति ज्वायन कर ली. मैं आइएएस की तैयारी में जुट गया. मैं पीटी से आगे नहीं गया. आप एमपी तक जा पहुंचे. आपका मेरे ऊपर उपकार है कि आपने मुझे अपना पीए रख लिया, जो आज मैं दिल्ली में रह पा रहा हूं. बाल मित्रता के कारण मै आपको एक सलाह देने की हिम्मत कर रहा हूं. आज भी आप जनता के मतों पर ही अपनी जीत के लिए निर्भर हैं. आप जनता के पास क्यों संदेश भेजना चाहते हैं. आपको तो पता ही है कि उनके मन में आपके प्रति कोई आदर नहीं है. जनता को आप पत्र भेज रहे हैं. पत्र पढ़ने का समय किसके पास है. मुरारी मुस्कराये. उन्हें पता था कि पढ़ा-लिखा आदमी है. बात को सीधे नहीं समझ सकता. उसे समझाने के लिए तर्क करने पड़ेंगे. काम चाहे एक मिनट को हो फिर भी तर्क एक घंटे का होगा. उन्हें पीए तो दूसरा भी मिल सकता था. लेकिन उन्हें ऊधो की निष्ठा पर भरोसा था. उन्हें दल बदलने का डर नहीं लगता था. दूसरे का क्या पता आज उनके साथ हो कल किसी दूसरे के साथ. उन्होंने अपनी आवाज में मिश्री घोलते हुए कहना शुरू किया -मित्रवर ! आपमें सच्चे मित्र के सभी लक्षण है. सच्चे मित्र का अर्थ ही है कि बिना भय या प्रीति के अपनी राय साफ साफ रखे. किसी के क्रोध की चिंता नहीं करे. आपके विचारों का मैं आदर करता हूं. बस आपसे यही निवेदन है कि समय की नाजुकता को समझें.

मोटिवेशन

क्या आप मुख्य अतिथि या जूरी बनने जा रहे हैं?

डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

ज्यादातर कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि की उपस्थिति गरिमामय में नहीं होती. वे वह प्रभाव नहीं छोड़ पाते जिसकी अपेक्षा रहती है. इसके कई कारण हैं- जैसे कि उनका देर से आना, जल्दी चले जाना. कार्यक्रम के दौरान अपने मोबाइल को स्क्रोल करते रहना. मैसेज पढ़ना और उनका जवाब देना. बीच-बीच में कॉल रिसीव करना. अपने असिस्टेंट को निर्देश देते रहना. और जब उन्हें बोलने के लिए आमंत्रित किया जाता है तो वे अपनी उपलब्धियां गिनाने लगते हैं, अपनी विद्वत्ता झाड़ने लगते हैं. अपना प्रवचन इतना लंबा खींच देते हैं कि लोग उबने लगते हैं. बहुतों को तो यह भी पता नहीं होता कि किसने आमंत्रित किया है, कार्यक्रम का आयोजक कौन है, आज का विषय क्या है. उन्हें इससे कोई मतलब नहीं रहता कि वे कहां बोल रहे हैं, किसके लिए बोल रहे हैं, और क्यों बोल रहे हैं. अक्सर उन्हें झेलना बहुत मुश्किल हो जाता है. इसका असर होता है कि जल्दी-जल्दी तालियां बजने लगती हैं, कभी-कभी सीटियां भी. अफसोस की बात कि वक्ता इसे अपना सशक्त संभाषण का प्रभाव मानते हैं, और दुगुने उत्साह से चाटना शुरू कर देते हैं.

होना यह चाहिए

- मुख्य अतिथि का स्थान बहुत महत्वपूर्ण होता है. उन्हें हर दृष्टिकोण से बहुत प्रभावशाली दिखना चाहिए. उन्हें समय पर आना चाहिए.
- उन्हें कायदे से बैठकर पूरे कार्यक्रम को देखना, समझना चाहिए और दिमाग में कार्यक्रम से जुड़ी अच्छी बातों को नोट करते जाना चाहिए, जिसे वे अपने वक्तव्य में शामिल कर सकें. उन्हें होमवर्क करके आना चाहिए. विषय क्या है, किस संस्था ने उन्हें बुलाया है, उन्हें ठीक-ठाक इसकी जानकारी होनी चाहिए.
- उन्हें अपने संभाषण को तीन हिस्सों में विभाजित करना चाहिए. सबसे पहले उन्हें आयोजकों की तारीफ करनी चाहिए क्योंकि किसी भी कार्यक्रम को आयोजित करने में बहुत तैयारी करनी पड़ती है. जितने भी प्रतियोगी मंच पर आते हैं, वे कठिन तैयारी के बाद आते हैं. तो उनकी कमियों को नजर अंदाज कर, उनके सकारात्मक पहलू पर बोलना चाहिए. दूसरे, अगर उन्हें 15 अगस्त, 26 जनवरी, गांधी जयंती या इस तरह के विशेष अवसरों पर बुलाया गया है, तो इस दिवस की महत्ता पर कुछ शब्द बोलने चाहिए. अंत में सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए अपना वक्तव्य को समाप्त करना चाहिए.
- उन्हें आत्म प्रशंसा से बचना चाहिए. एक ही बात बार-बार नहीं बोलना चाहिए. अपना संभाषण लंबा नहीं खींचना चाहिए.
- मुख्य अतिथि की तरह जूरी का पद भी बहुत गरिमामय होता है क्योंकि उन्हें प्रतियोगियों को जज करना रहता है. जूरी को खुद प्रतियोगियों की उम्मीदों पर खरा उतरना चाहिए. उनका खुद का बॉडी लैंग्वेज, उच्चारण, प्रेजेंटेशन सशक्त होना चाहिए.

ज्यादातर जूरी मंच पर जाते ही प्रतियोगियों की कमजोरियों पर कमेंट करने लगते हैं. उन्हें तरह-तरह की सलाह देने लगते हैं. कुछ प्रवचन पर उतर आते हैं. यह उनकी सबसे बड़ी भूल है.
- जूरी को 3 :1 का फार्मूला याद रखना चाहिए. इसका अर्थ है 4 मिनट में 3 मिनट प्रतियोगियों की तारीफ कीजिए, उन्हें प्रोत्साहित कीजिए. सिर्फ एक मिनट उनकी कमी पर बोलिए, और एक छोटा सा टिप्स दीजिए उन्हें दूर करने का. ज्यादातर बच्चों की यह पहली या दूसरी प्रतियोगिता होती है. आपका काम है सही तारीफ से उन्हें प्रोत्साहित करना. अप्रिशिएसन जितना असरदार होता है, सलाह नहीं. कम बोलिए, टू द पॉइन्ट बोलिए.

मूल मंत्र : डेल कार्नेगी ने कितनी सही सलाह दी है-सीखते रहना, अपने आप को बेहतर बनाना हमारा पहला लक्ष्य होना चाहिए. मुख्य अतिथि, जूरी बनाया जाना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है. हमारा लक्ष्य होना चाहिए अपने आचरण से, अपने संभाषण से इस उपलब्धि को बरकरार रखना. जॉर्ज वि फ्रे हेगेल का कहना है - विद्वान हर चीज में सकारात्मक गुण देखता है। हम जहां जाएं, पूरी तैयारी के साथ जाएं, सकारात्मक नजरिया लेकर जाएं.

बच्चों के कमरे का इंटीरियर डेकोरेशन

तारों का तराना है परियों की कहानी है

बच्चों की किलकारी, उनका हंसना-मचलना, उनकी धमाचौकड़ी..यही तो मकां को घर बनाती है. उनके ख्वाब ही हमारे भविष्य का ताना-बाना बुनते हैं. इसलिए घर में बच्चों का कमरा तैयार करना पैरेंट्स के लिए बहुत भावुकता और जिम्मेदारी भरा काम होता है. उनके आराम, उनकी सुविधा के साथ-साथ उनके विकास को भी घर का यह कोना प्रभावित करता है. इंटीरियर डिजाइन से हमने जाना कि कैसा हो बच्चों का कमरा

अमित कुमार पांडेय
(इंटीरियर डिजाइनर)

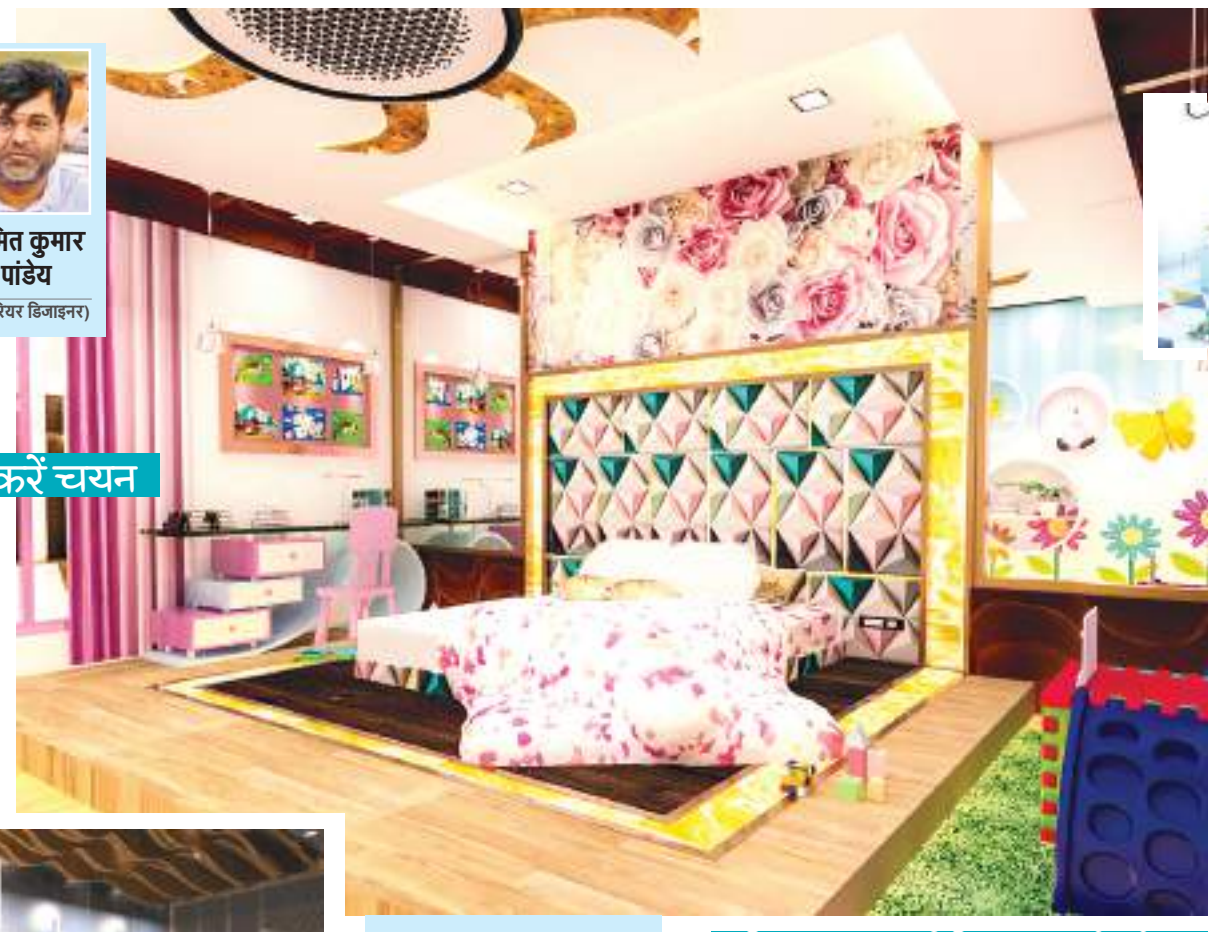

फर्नीचर का जब करें चयन

जब बच्चे के लिए बेड ले रहे हों तो सबसे पहले कंफर्ट को लेकर आश्वस्त हों. मैट्रेस में मीडियम फर्मनेस का स्प्रिंग वाला मैट्रेस सही रहेगा. फ्लैक्सिबल बेड का चयन करें जो बच्चों के बड़े होने पर भी उनके अनुरूप सेट हो सके. बिस्तर के फ्रेम को इस तरह रखें कि उनकी किसी भी गतिविधि में परेशानी नहीं हो.

अगर आपके पास स्पेस है तो बच्चों का बेड के साथ-साथ फ्लोर पर आप अपना भी बेड बना सकते हैं. बच्चों के साथ समय गुजारने का यह खूबसूरत तरीका है. इस भागदौड़ की जिंदगी में उनके साथ थोड़ा अधिक समय गुजारने का मौका मिलेगा. यकीनन यह आरामदायक तरीका सुकून देगा.

वार्डरोब ऐसा बनवाएं या खरीदें जो बाद के वर्षों में भी उनके काम आए. इसमें बहुत कलाकारी की जरुरत नहीं. ड्रॉवर और सेल्फ वाले क्लासिक वार्डरोब ले सकते हैं. अगर बेटी है तो क्लोजेट और ड्रेसिंग का डिजाइन ऐसा करें कि वह ज्यादा उम्र तक उसे कर सके.

- बच्चों के लिए डेस्क ऐसी चुनें जिसकी लंबाई और ऊंचाई को जरुरत के अनुसार समायोजित किया जा सके. जगह कम है तो दीवार पर हैंग करने वाला या स्लाइडिंग डेस्क का उपयोग कर सकते हैं.
- कुर्सी एडजस्टेबल हाइट वाली हो. ऐसी कुर्सी लें जिसमें फुटरेस्ट की सुविधा हो. कुर्सी लेते समय ध्यान रखें कि यह आपके बच्चे के अनुकूल हो क्योंकि इस उम्र में पोस्चर स्वास्थ्य और व्यक्तित्व, दोनों के लिए बहुत मायने रखता है.

विजुअल अपीलिंग वॉल डेकोर

बोल्डेस्ट कलर और क्रिएटिव डिजाइन इन दिनों बच्चों के कमरे के लिए चलन में है. दीवारों के लिए डाई पेंटिंग कराएं या म्यूरल वॉल पेपर लगाएं. जंगल का रोमांच, परियों की कहानियां, फूलों वाले बाग-बगीचे, बच्चों के प्रिय जानवर, कार्टून आदि से वाल डेकोर प्रेरित हो सकती है. अंतरिक्ष जैसी सजावट, तारों वाली रात की सजावट, ऐरोप्लेन जैसी सजावट आदि भी उनकी पसंद के अनुरुप चुन सकते हैं.

किड्स रूम कलर ट्रेंड

बेहतर हो कि रंगों के मामलों में जेंडर न्यूट्रल ऑप्शंस पर सोचें. यह लड़कों के कमरे का रंग है और यह लड़कियों के कमरे का रंग है, इस मानसिकता से ऊपर उठें. आपके बच्चे का फेवरिट रंग जो हो, उसे उसके कमरे का रंग बना सकते हैं. न्यूट्रल कलर हमेशा ट्रेंड में रहते हैं. फिर भी डल न्यूट्रल कलर की जगह बटरी न्यूट्रल शेड्स या पेस्टल कलर का चयन बेहतर रहेगा. हालांकि ब्लू, पर्पल, ब्राइट पिंक और रेड, रेडिएंट ऑरेंज और यलो, म्यूटेड ग्रीन्स और डीप ब्राउन भी इन दिनों ट्रेंड में हैं.

हेडबोर्ड

बच्चों के कमरे में हर चीज क्रिएटिव और ब्राइट होनी चाहिए. कैची हेडबोर्ड से विजुअल अपील बढ़ जाता है. अधिक आराम के लिए सॉफ्ट फिनिश, थोड़े अलग डिजाइन वाले (प्रिंसेज कोस्टल या जंगल में टेंट) जैसा कुछ हेड बोर्ड इसमें सफल होगा.

मल्टीपरपस कार्पेट

बच्चे अक्सर फर्श पर खेलना, पढ़ना और यूं ही वक्त गुजारना पसंद करते हैं. इसलिए उनके कमरे का फ्लोर मुलामियत भरा कवर डिमांड करता है. उनके कमरे के लिए स्टाइलिश और कंफर्टेबल कार्पेट या दरियां चुनें. बेशक कंफर्ट अधिक मायने रखता है. ज्योमेट्रिक, फ्लोरा या फॉना प्रिंट बेहतर विकल्प हो सकते हैं.

लाइटिंग ट्रेंड

पढ़ाई के लिए, खेलों के लिए, पेंटिंग या क्राफ्ट बनाने या दूसरी एक्टिविटी के लिए बच्चों के कमरे में जितनी प्राकृतिक रोशनी अहमियत रखती है, उतनी ही आर्टिफिशयल रोशनी भी. इन दिनों नेचुरल मटेरियल के लाइटिंग फिक्सचर फैशन में हैं. लाइट के अलग-अलग सोर्स हों, कुछ सीलिंग पर, कुछ फ्लोर पर और कुछ दीवारों पर.

आरामदायक कोने

बच्चों के कमरे में कुछ कोजी कॉनर्स जरूर हों. यहां फ्लोर पर रखी दरी या गद्दे पर ढेर सारे कुशंस हो सकते हैं या फिर कुछ बीन बैग या छोटा सोफा हो सकता है. आराम से स्टोरी बुक पढ़ने, गुड्डा-गुड़िया खेलने, कोई क्राफ्ट बनाने या यूं ही गप्पे मारने के लिए यह जगह परफेक्ट होगी.

क्या आप इमोशनली इंटेलिजेंट हैं?

सिद्धार्थ सिन्हा
वरीय चिकित्सक

इमोशनल इंटेलिजेंस दरअसल अपनी और दूसरों की भावनाओं तक पहुंचने और उसे समझने की क्षमता है. यह हमें वह कौशल सिखाता है जिसकी बदौलत तनाव भरे समय और परिस्थितियों को बदलने का हम माद्दा रखते हैं. इससे हम जहां बेहतर समायोजन में सफल होते हैं, वहीं हमारे संबंध को भी यह खासा प्रभावित करता है. आइए, इमोशनल इंटेलिजेंस को कैसे बढ़ाएं, इसकी करें चर्चा...

- **सेल्फ अवेयरनेस**
आप खुद की भावनाओं को लेकर सजग रहें. किस बात पर आपा खोते हैं, कौन सी बात दुखी करती है और कौन सी स्थिति आपके लिए सुखद है, इस बात से सजग रहेंगे तो उस परिस्थिति विशेष में कैसी प्रतिक्रिया देनी है, जान पाएंगे. यह प्रैक्टिस की चीज है और शुरुआत में आप इसे नोट कर समझ सकते हैं.
- **अभिव्यक्ति का सही अंदाज**
अपनी भावनओं को सही तरीके से अभिव्यक्त करना हमारे इमोशनल इंटेलिजेंस को इम्प्रूव करता है. इसके कई तरीके हैं जिसमें किसी से बात कर, लिखकर, ड्रॉइंग बना कर आदि शामिल हैं.
- **दूसरे को समझिए**
दूसरे की परिस्थिति में खुद को रख कर उसकी भावनाओं को समझना भी आपकी भावनात्मक बुद्धिमानी को दर्शाता है.
- **खुद के प्रति अच्छा व्यवहार**
खुद के आत्मसम्मान का ख्याल रखें, आत्म मूल्यांकन करें और खुद की अवधारणा को लेकर विचार करें.
- **सकारात्मक रहिए**
किसी मसले पर अपनी सकारारात्मकता बनाए रखें. अलग अलग सोच पर खुलकर बात करें. सकारात्मक सोच के लिए ये जरूरी है.

- **सीखिए बात करने की कला**
बात करने के कौशल को बढ़ाने के लिए मेहनत करें. भावनाओं की सटीक अभिव्यक्ति में यह सहायक होगी.

यात्रा वृतांत : संजय डुबरी- 3

व्याघ्र शावकों की वह अठखेलियां...

अहा! अप्रतिम! अद्भुत्! अलौकिक

संजय डुबरी सफारी की जीवन रेखा है यहां की बनास और उमरारी नदी, हमारे चालक रामकुमार ने इसकी जानकारी हमें दी. प्रतिदिन ये दोनों नदियां हमें आकर्षित करती रहीं. भीषण गर्मी में भी जंगल के जलस्रोत पूरी तरह नहीं सूखते. काश! पेड़ों के इस अप्रतिम योगदान को आदमी अब भी समझ जाए!

राकेश रमण

इंतजार की वह घड़ी

जंगल सफारी में वन्य प्राणियों का दर्शन करने के लिए बहुत धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करनी पड़ती है. प्रतीक्षा की घड़ियों में हमें हमारे स्थानीय संयोजक सुभाष जी की कहानियों ने हमारा काफी मनोरंजन किया. उन्होंने कई उपयोगी बातें भी बतायी. लेकिन इन्हीं बातों के बीच अगले दिन हम बाघ को मात्र झाड़ियों में घुसता हुआ ही देख पाए. फिर तो काफी प्रयास के बाद भी हम ऐसे खुले स्थान पर बाघ का दर्शन नहीं कर पाए जहां से सुंदर तस्वीर उतारी जा सके. लेकिन अगली सफारी में काफी प्रतीक्षा के बाद हमें हमारे मार्गदर्शकों बाबूल्ले, जयप्रकाश आदि ने अंततः वह दृश्य हमें दिखला ही दिया जिसकी हमें बहुत व्यग्रता से प्रतीक्षा थी.

बाघ-बाघिन और शावक

वह क्षण हमारे लिए बहुत रोमांचक था क्योंकि अब हम मंडोली के खुले स्थान पर बाघिन को उसके चारों बच्चों के साथ खेलते हुए देख रहे थे. और फिर थोड़ी ही देर के बाद बोनस के रूप में दूसरी ओर से नर बाघ भी इस दृश्य में प्रवेश कर गया. अहा! अप्रतिम! अद्भुत्! अलौकिक. व्याघ्र शावकों की वह अठखेलियां तथा दूर रहकर भी मां की सतत निगरानी. मातृत्व की महानता का यह प्राकृतिक दृश्य कितना सुन्दर संदेश देता है! अंधेरा घिरने तक उनकी गतिविधियों को हम अपलक देखते रहे, तस्वीरें भी खूब उतारीं. और फिर रिजार्ट पर लौट आए.

अब हमारे पास अनूठी यादों का एक शानदार खजाना साथ चल रहा था और हम प्रमुदित मन से अपने-अपने निवास की ओर लौट रहे थे. पुलिन दा मेदिनीनगर, जयंतो दा तथा अपूर्व दा कोलकाता और मैं रांची. एक बेहद ऊर्जादायक और सार्थक सफारी की यात्रा पूरी करके हम प्रसन्न थे और संजय डुबरी के अनुछुए जंगल को मन ही मन प्रणाम कर रहे थे. (समाप्त)

गोद में लैपटॉप?

घर से काम कर रहे हों या दफ्तर में, इन दिनों लैपटॉप गोद में रखकर काम करने की आदत आम देखी जा रही है. यह आदत कई तरह की समस्याओं को न्यौता देती है.

- **कमर दर्द**
जब हम गोद में लैपटॉप रखकर काम करते हैं तो आमतौर पर हमारा पोस्चर स्वास्थ्य के अनुकूल नहीं होता. इससे कमर व शरीर के दूसरे हिस्से में दर्द हो सकता है.
- **प्रजनन क्षमता पर असर**
अमेरिकन सोसाइटी फॉर रिप्रोडक्टिव मेडिसिन की एक रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक लैपटॉप को गोद में रखकर काम करने से प्रजनन क्षमता प्रभावित होती है. दरअसल लैपटॉप से निकलने वाली गर्म हवा शुक्राणुओं की संख्या और गुणवत्ता को कम कर सकती है.

- **टोस्टेड स्किन सिंड्रोम-**
लैपटॉप के इस्तेमाल करते समय इसेस जो गर्म हवा निकलती है, उसके संपर्क में आने से त्वचा में जलन की समस्या होने लगती है. इस स्थिति को टोस्टेड स्किन सिंड्रोम कहा जाता है. इसमें त्वचा पर हल्के और ट्रांसिएंट रेड रैशेज हो जाते हैं.
- **अन्य दुष्प्रभाव**
जब हम गोद में लैपटॉप पर रखकर काम करते हैं तो अक्सर हमारे दोनों पैर चिपके रहते हैं. इस पोस्चर में लैपटॉप की रेडिएशन सीधे हमारे शरीर पर पड़ती है जो कई बीमारियों का कारण बनती है. इस पोस्चर में आंखों से पर्याप्त दूरी नहीं रह पाती. इस कारण आंखों में खिंचाव, सूखापन या सिरदर्द की समस्या हो सकती है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

तीसरी बार कोलकाता नाइट राइडर्स बना चैंपियन

केकेआर पर हुई पैसों की बारिश एसआरएच को भी मिले करोड़ों

- 1. विजेता टीम (कोलकाता नाइट राइडर्स)- 20 करोड़ रुपये
- 2. उप-विजेता टीम (सनराइजर्स हैदराबाद)- 13 करोड़ रुपये
- 3. तीसरे नंबर वाली टीम (राजस्थान रॉयल्स)- 7 करोड़ रुपये
- 4. चौथे नंबर वाली टीम (आरसीबी)- 6 .5 करोड़ रुपये

एजेंसी

फाइनल मैच के बाद अवॉर्ड्स समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें विजेता टीम और रनर-अप टीम पर पैसों की बरसात हुई. इसके अलावा टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी अवॉर्ड्स दिए गए. विजेता टीम कोलकाता नाइट राइडरस को 20 करोड़ रुपये मिले, जबकि रनर-अप टीम एसआरएच को 13 करोड़ रुपये मिले. वहीं, अंक तालिका पर तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीम पर भी पैसों की बारिश हुई.

इन पर भी पैसों की हुई बारिश

- सीजन में सबसे ज्यादा विकेट (पर्पल कैप)- हर्षल पटेल (15 लाख रुपये)
- सीजन में सबसे ज्यादा रन (ऑरेंज कैप)- विराट कोहली (15 लाख रुपये)
- इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन- (20 लाख रुपये)
- इलेक्ट्रिक स्ट्राइक ऑफ द सीजन- (15 लाख रुपये)
- गेम चेंजर ऑफ द सीजन- (12 लाख रुपये)
- कैच ऑफ द सीजन- (10 लाख रुपये)
- मोस्ट वैल्यूबल प्लेयर- (12 लाख रुपये)
- रूपे ऑन द गो-4s ऑफ द सीजन (10 लाख रुपये)

आईपीएल विजेता

- आईपीएल 2008 (राजस्थान रॉयल्स)
- आईपीएल 2009 (डेक्कन चार्जर्स हैदराबाद)
- आईपीएल 2010 (चेन्नई सुपर किंग्स)
- आईपीएल 2011 (चेन्नई सुपर किंग्स)
- आईपीएल 2012 (कोलकाता नाइट राइडर्स)
- आईपीएल 2013 (मुंबई इंडियंस)
- आईपीएल 2014 (कोलकाता नाइट राइडर्स)
- आईपीएल 2015 (मुंबई इंडियंस)
- आईपीएल 2016 (सनराइजर्स हैदराबाद)
- आईपीएल 2017 (मुंबई इंडियंस)
- आईपीएल 2018 (चेन्नई सुपर किंग्स)
- आईपीएल 2019 (मुंबई इंडियंस)
- आईपीएल 2020 (मुंबई इंडियंस)
- आईपीएल 2021 (चेन्नई सुपर किंग्स)
- आईपीएल 2022 (गुजरात टाइटंस)
- आईपीएल 2023 (चेन्नई सुपर किंग्स)
- आईपीएल 2024 (केकेआर)

आईपीएल 2024 में रिकॉर्डों की बौछार

- **सबसे बड़ा स्कोर :** आईपीएल 2024 के 30वें मैच में बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ सनराइजर्स ने इतिहास रचते हुए तीन विकेट पर 287 रन बनाकर आईपीएल का सबसे बड़ा स्कोर बना डाला. हैदराबाद ने इसी आईपीएल में मुंबई इंडियंस के खिलाफ बनाए गए अपने तीन विकेट पर 277 रन के सर्वोच्च स्कोर को पीछे छोड़ दिया. इस सीजन से पहले आईपीएल का उच्चतम स्कोर 263/5 का था, जो बेंगलुरु ने पुणे वॉरियर्स के खिलाफ 2013 में बनाया था. 2024 सीजन में इससे बड़े चार टोटल बन गए. इनमें से तीन सनराइजर्स हैदराबाद के नाम रहा. यही नहीं यह टी20 क्रिकेट का अब तक का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है. टी20 क्रिकेट का सबसे बड़ा स्कोर तीन विकेट पर 314 रन है, जो नेपाल ने 2023 में मंगोलिया के खिलाफ बनाया था.
- **सबसे बड़ा चेज :** आईपीएल 2024 के 42वें मैच में पंजाब किंग्स ने इतिहास रचते हुए टी20 क्रिकेट और लीग के इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर चेज किया. कोलकाता नाइट राइडर्स ने 262 रन का लक्ष्य दिया था, जिसे पंजाब ने दो विकेट गंवाकर आठ गेंद शेष रहते हासिल कर लिया. 262 रन चेज कर पंजाब ने टी20 क्रिकेट में सबसे बड़े लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करने का एक साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा. पिछले साल दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ सेंचुरियन में 259 रन चेज किए थे. वहीं, पंजाब ने आईपीएल में सबसे बड़े चेज का चार साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ दिया. 2020 में राजस्थान ने पंजाब के खिलाफ ही शारजाह में 224 रन सफलतापूर्वक चेज किए थे.
- **दोनों पारियों को मिलाकर सबसे ज्यादा रन :** इसी सीजन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ चिन्नास्वामी में हुए मैच में दोनों पारियों को मिलाकर 549 रन बने थे, जो आईपीएल में किसी एक मैच में दोनों पारियों को मिलाकर सबसे ज्यादा कुल रन हैं. इस मैच में सनराइजर्स ने 20 ओवर में तीन विकेट गंवाकर 287 रन बनाए थे. वहीं, बेंगलुरु की टीम ने 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 262 रन बनाए थे.
- **सबसे ज्यादा बार 200 के स्कोर :** आईपीएल 2024 में रनों की बारिश हो रही है. इस सीजन 41 बार 200 या इससे ज्यादा के स्कोर बने, जो पिछले सभी सीजन से ज्यादा हैं. पिछले साल यानी आईपीएल 2023 में 74 मैचों की 147 पारियों में 37 बार 200 या इससे ज्यादा के स्कोर बने थे. हालांकि, इस सीजन यह रिकॉर्ड ध्वस्त हो गया है. वहीं, 2022 में 74 मैचों की 148 पारियों में 18 बार 200 या इससे ज्यादा के स्कोर बने थे. 2023 में ही इम्पैक्ट प्लेयर का नियम आईपीएल में लागू हुआ था और उसके बाद से 200 के स्कोर में गजब की बढ़ोतरी हुई है. जहां 2022 में 200 का स्कोर बनने का दर 12.16 प्रतिशत था, वहीं 2023 में यह बढ़कर 25.17 प्रतिशत हो गया था. इस सीजन अब तक यह बढ़कर 28.08 प्रतिशत हो चुका है.
- **एक मैच में सबसे ज्यादा छक्के :** आईपीएल 2024 के 42वें मैच में पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के मुकाबले में दोनों पारियों को मिलाकर कुल 42 छक्के लगे थे. पंजाब की ओर से 24 छक्के के अलावा कोलकाता की ओर से 18 छक्के लगे. 42 छक्के किसी एक टी20 मैच में सबसे ज्यादा छक्कों का रिकॉर्ड है. इस मामले में दूसरे नंबर भी आईपीएल के मुकाबले ही हैं. इसी सीजन सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस के बीच हैदराबाद में खेले गए मैच में 38 छक्के लगे थे. वहीं, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच इसी सीजन चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भी 38 छक्के लगे थे.
- **8. एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के :** पंजाब और कोलकाता के बीच में पंजाब किंग्स टीम की ओर से 24 छक्के लगे, जो आईपीएल मैच की किसी एक पारी में किसी टीम द्वारा लगाए गए सबसे ज्यादा छक्के हैं.

सबसे ज्यादा शतक

आईपीएल 2024 में अब तक 14 शतक लगे हैं, जो कि पिछले किसी भी संस्करण से ज्यादा हैं. इससे पहले साल 2023 में 12 शतक लगे थे. वहीं, साल 2022 में आठ, साल 2016 में सात, साल 2008 में छह शतक लगे थे.

- **सबसे ज्यादा बार 250 के स्कोर :** आईपीएल 2024 में अब तक आठ बार 250 या इससे ज्यादा के स्कोर लग चुके हैं. इस सीजन से पहले तक 16 सीजन में सिर्फ दो मौके ऐसे आए थे जब 250 के स्कोर बने थे. हालांकि, इस सीजन ने सभी को पीछे छोड़ दिया.

हर गेंद पर सुहाना का गजब जश्न तो मास्क में शाहरुख खान का जलवा

चेन्नई। इंडियन प्रीमियर लीग के फाइनल मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स के गेंदबाजों ने सनराइजर्स की बल्लेबाजी क्रम को तहस नहस कर दिया. सिर्फ दो रन के स्कोर पर केकेआर ने सनराइजर्स के दोनों ओपनर को पवेलियन की राह दिखा दी. इस जबरदस्त गेंदबाजी को देख टीम के ऑनर शाहरुख खुशी से झूम उठे. शाहरुख खान की बिटिया भी अपनी टीम के सपोर्ट ने जश्न में झूम उठी.सनराइजर्स के खिलाफ फाइनल मुकाबले में केकेआर के ओनर शाहरुख खान भी टीम को सपोर्ट करने चेन्नई पहुंचे. शाहरुख खान अहमदाबाद में क्वालीफायर मैच के बाद बीमार पड़ गए थे. उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था. ऐसे में उम्मीद की जा रही थी कि वह शायद फाइनल देखने नहीं पहुंचे, लेकिन वह अपनी वाइफ गौरी के साथ चेपॉक में मैच देखने पहुंचे. शाहरुख खान के साथ उनकी बिटिया सुहाना खान भी फाइनल मैच को देखने चेपॉक स्टेडियम में मौजूद थी. उनके साथ उनकी दोस्त शनाया कपूर भी बैठी हुई दिखी. फाइनल मैच में केकेआर की धमाकेदार शुरुआत के बाद टीम की को ओनर जूही चावला भी खुशी से उछल पड़ी.

स्कोर बोर्ड

सनराइजर्स हैदराबाद
अभिषेक शर्मा बो मिचेल स्टार्क 02
ट्रेविस का गुरबाज बो वैभव अरोड़ा 00
राहुल का रमनदीप बो मिचेल स्टार्क 09
ऐडन मार्करम का मिचेल स्टार्क बो रसेल 20
नितीश का गुरबाज बो हर्षित राणा 13
हेनरिक क्लासेन बो हर्षित राणा 16
शाहबाज का नारायण बो वरूण 08
अब्दुल समद का गुरबाज बो रसेल 04
पैट कमिंस का मिचेल स्टार्क बो रसेल 24
जयदेव उनादकट पगबाधा बो नारायण 04
भुवनेश्वर कुमार नाबाद 00
अतिरिक्त : 13, **कुल योग :** 18.3 ओवर में 113 रन पर सभी आउट, **विकेट पतन :** 1-2, 2-6, 3-21, 4-47, 5-62, 6-71, 7-77, 8-90, 9-113
गेंदबाजी : मिचेल स्टार्क 3-0-14-2, वैभव अरोड़ा 3-0-24-1, हर्षित राणा 4-1-24-2, सुनील नारायण 4-0-16-1,आंद्रे रसेल 2.3-0-19-3, वरूण चक्रवर्ती 2-0-9-1

कोलकाता नाइट राइडर्स
रहमनुल्लाह पगबाधा बो शाहबाज : 39
सुनील का शाहबाज अहमद बो कमिंस : 06
वेंकटेश अय्यर नाबाद : 52
श्रेयस अय्यर नाबाद :06
अतिरिक्त : 11
कुल योग : 10 .3 ओवर में दो विकेट पर 114 रन, **विकेट पतन :** 1-11, 2-102
गेंदबाजी : भुवनेश्वर कुमार 2-0-25-0 पैट कमिंस 2-0-18-1, टी नटराजन 2-0-29-0, शाहबाज अहमद 2.3-0-22-1, जयदेव उनादकट 1-0-9-0, ऐडन मार्करम 1-0-5-0

पीसीबी

शाहीन ने ठुकराया था उप-कप्तानी का ऑफर? पीसीबी ने अब तोड़ी है चुप्पी

टी20 वर्ल्ड कप से पहले पाकिस्तानी क्रिकेट में बवाल जारी

एजेंसी। इस्लामाबाद

टी20 विश्व कप 2024 से पहले पाकिस्तान टीम में उप-कप्तानी को लेकर बवाल जारी है. हाल ही में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि शाहीन अफरीदी को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की तरफ से उप-कप्तानी का ऑफर सौंपा गया था. हालांकि, उन्होंने इसे ठुकरा दिया. अब बोर्ड ने इन रिपोर्ट्स का खंडन किया है और बयान जारी किया है.

दरअसल, वनडे विश्व कप 2023 के बाद पाकिस्तान की टीम में बदलाव देखने को मिला था. बाबर आजम से कप्तानी छीनकर शाहीन अफरीदी को सौंप दी गई थी. हालांकि, कुछ महीनों बाद उन्हें भी हटा दिया गया और टी20 विश्व कप से पहले बाबर आजम को एक बार फिर बागडोर सौंप दी गई. हैरानी की बात यह है कि पाकिस्तान की टीम में कोई उप-कप्तान नहीं है.

पीसीबी ने किया खंडन

पीसीबी ने तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी के उप-कप्तानी छोड़ने की रिपोर्ट्स का रविवार को खंडन किया. बोर्ड ने कहा, चयनकर्ता इस खबर से हैरान थे क्योंकि जब शुक्रवार को उन्होंने दो घंटे तक ऑनलाइन बैठक की तो सात में से छह चयनकर्ता बाबर आजम के लिए उप कप्तान रखने के पक्ष में नहीं थे. बोर्ड की तरफ से जारी किए गए बयान में कहा गया कि मार्च में एक चयनकर्ता ने अफरीदी से पूछा था कि क्या वह भविष्य में उप कप्तान बनना चाहेंगे, लेकिन तेज गेंदबाज ने इनकार कर दिया था.

टीम में गेंदबाज हारिस राउफ को जगह मिली

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अमेरिका और वेस्टइंडीज की संयुक्त मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है. टीम में चोट के बाद वापसी करने वाले गेंदबाज हारिस राउफ को जगह मिली है, जबकि कप्तान बाबर आजम होंगे. टीम में पांच खिलाड़ी ऐसे हैं जो पहली बार टी20 विश्व कप खेलते दिखेंगे. 2021 और 2022 के बाद यह तीसरा टी20 विश्व कप है, जिसमें बाबर कप्तानी करते दिखेंगे.

टी20 विश्व कप के लिए पाकिस्तान की टीम

बाबर आजम (कप्तान),अबरार अहमद, आजम खान, फखर जमां, हारिस रऊफ, इफ्तिखार अहमद, इमाद वसीम, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद आमिर, मोहम्मद रिजवान, नसीम शाह, सैम अयूब, शादाब खान, शाहीन शाह अफरीदी, उस्मान खान.

भारतीय टीम का पहला जत्था यूएसए रवाना

टी20 विश्व कप

एजेंसी। मुंबई

मुंबई इंडियंस के कप्तान और भारतीय टीम के उपकप्तान हार्दिक पंड्या की मुश्किलें खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं. भारतीय ऑलराउंडर का इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का सीजन बेहद खराब रहा. रोहित शर्मा की जगह मुंबई इंडियंस की कप्तानी संभालने के बाद उन्हें लगातार आलोचनाओं का सामना करना पड़ा और हूटिंग का सामना करना पड़ा.

मैदान पर बल्ले और गेंद से हार्दिक का प्रदर्शन भी उम्मीद से कम रहा. अब जबकि यह अनुभवी क्रिकेटर टी20 विश्व कप 2024 अभियान की तैयारी कर रहा है तो वह यूएसए और वेस्टइंडीज में अभियान के लिए रवाना हुए खिलाड़ियों के पहले बैच में शामिल नहीं हो सके. कप्तान रोहित की अगुआई में भारतीय क्रिकेटरों को शोपीस इवेंट के लिए यूएसए और वेस्टइंडीज जाने के लिए एयरपोर्ट पर देखा गया. रोहित शर्मा, शिवम दुबे, रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव और ऋषभ पंत उन खिलाड़ियों में शामिल थे, जिन्हें देखा गया. लेकिन हार्दिक को नहीं देखा जा सका. बीसीसीआई द्वारा सोशल मीडिया पर शेयर की गई तस्वीरों में अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज को भी देखा जा सकता है, साथ ही हार्दिक के मुंबई इंडियंस के साथी सूर्यकुमार यादव भी देखे जा सकते हैं, लेकिन एमआई कप्तान कहीं नहीं दिखे. बीसीसीआई ने आईपीएल 2024 प्लेऑफ में शामिल नहीं होने वाले खिलाड़ियों के पहले बैच को शनिवार को सुबह ही भेजने का फैसला किया, जबकि बाकी खिलाड़ी फाइनल के बाद रवाना होंगे.

ब्रीफ खबरें

पुलिस ने हथियार तस्कर को किया गिरफ्तार

मुंगेर । पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक हथियार तस्कर को गिरफ्तार किया. जानकारी के अनुसार हथियार तस्कर कुछ हथियार को बेचने का फिराक में थे. जिसके बाद पुलिस के द्वारा अपने एक शख्स को खरीदार बना उसे हथियाए तस्कर के साथ डील करने को भेजा गया. जब हथियार तस्कर और खरीदार के बीच दस हजार में डील हो गई और हथियार डिलिवरी का जगह मुंगेर बस स्टैंड के पास एक होटल में तय हुआ. तब वहां पुलिस का खरीदार वहां पहुंचा तो और वहां पहले से मौजूद तस्कर से हथियारों की डिलिवरी की बात होने लगी.

डिलिवरी ब्वॉय लूटकांड में दो बदमाश गिरफ्तार

वैशाली । पुलिस ने सदर थानान्तर्गत डिलिवरी ब्वॉय लूटकांड का खुलासा कर दिया. पुलिस ने घटना में शामिल चार अभियुक्तों को अवैध आग्नेयास्त्रों एवं लूटे गये सामानों के साथ गिरफ्तार कर लिया. एसपी ने प्रेसवार्ता कर बताया कि सदर थानाध्यक्ष को गुप्त सूचना मिली कि ग्राम दौलतपुर नएच-22 से सटे बंद पड़े पेट्रोल पंप से सटे कच्ची सड़क पर कुछ अपराधकर्मी अवैध आग्नेयास्त्र के साथ किसी अपराध को अंजाम देने के उद्देश्य से जमा हुए हैं. सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए थानाध्यक्ष सदर एवं सशस्त्र बलों के साथ उक्त स्थल की घेराबंदी की गई.

बिहार के चार मजदूरों की गोवा में हुई मौत

सीवान । बिहार के चार मजदूरों की गोवा में दर्दनाक मौत हो गयी. वहीं तीन मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गये. जानकारी के अनुसार, सभी मजदूर खाना खाने के बाद झोपड़ीनुमा घर में सो रहे थे. तभी पहाड़ी सड़क से नीचे आ रही बस अनियंत्रित हो गयी और झोपड़ी में गहरी नींद में सो रहे सात मजदूरों पर चढ़ गयी. ग्रामीणों की मदद से सभी को अस्पताल पहुंचाया गया. जहां चार मजदूरों की मौत हो गयी. जबकि तीन का इलाज अस्पताल में चल रहा है. घटना की सूचना मिलते ही गांव में मातम पसर गया है. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है.

पटना पहुंचे कलाकार खेसारी ने काराकाट से निर्दलीय प्रत्याशी पवन सिंह की जम कर तारीफ की, बोले

पार्टी की जरूरत कमजोर लोगों को पड़ती है

कड़ा मुकाबला

- पवन सिंह के लिए रोड शो व हेलीकॉप्टर शो करेंगे
- काराकाट से निर्दलीय प्रत्याशी हैं कलाकार पवन सिंह

संवाददाता ।पटना

बिहार का काराकाट में लोकसभा चुनाव काफी दिलचस्प हो गया है. एनडीए उम्मीदवार के उपेंद्र कुशवाहा को भाकपा माले के राजाराम सिंह के साथ भाजपा बेस वाले भोजपुरी एक्टर पवन सिंह से भी चुनौती है. इसे लेकर भाजपा भी काफी गंभीर है. यही वजह है पीएम नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा, नीतीश कुमार समेत एनडीए के बड़े बड़े नेताओं ने उनकी जीत सुनिश्चित कराने में ताकत लगा दी है. तीन दिन पहले भाजपा के पक्ष में रोड शो करने वाले भोजपुरी गायक और नायक खेसारी लाल यादव भी पवन सिंह के समर्थन में उतर गए. रविवार को खेसारी लाल यादव पटना पहुंचे. वहां पत्रकारों ने उनसे बात की.

खेसारी लाल ने काराकाट से निर्दलीय प्रत्याशी पवन सिंह की जमकर तारीफ की. कहा कि पवन सिंह शेर हैं और वो अकेले ही काफी हैं. उन्हें किसी पार्टी की जरुरत नहीं है. उन्होंने कहा कि, जो कमजोर होते हैं वो राजनीति का सहारा लेते हैं और पवन सिंह कमजोर नहीं है. उन्होंने कहा है कि पवन सिंह के लिए काराकाट में रोड शो से हेलीकॉप्टर शो तक करेंगे. पत्रकारों ने सवाल पूछा कि पवन सिंह को भाजपा से निष्कासित कर दिया गया. इस पर खेसारी लाल ने कहा कि पवन सिंह के साथ बिहार की जनता है. वह बिहार का नेता नहीं बल्कि बिहार का बेटा है. जनता के आशीर्वाद से अकेले ही चुनाव जीतेगा. खेसारी लाल ने कहा कि कलाकार होने के नाते वह पवन सिंह के समर्थन में हैं और वो काराकाट भी जाएंगे. वहां रोड शो से लेकर हेलीकॉप्टर शो तक करेंगे और पवन सिंह को जिताने के लिए वोट मांगेंगे. एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कलाकार के लिए हर दिन लहर ही रहता है. खेसारी लाल ने कहा कि भोजपुरी भाषा नहीं बटी है.

चुनाव के माहौल में कुछ लोग इसे बांटना चाहते हैं. पवन सिंह ने अपनी भाषा के लिए बहुत काम किया है. पीएम मोदी और अमित शाह की काराकाट में जनसभा के सवाल पर खेसारी लाल ने कहा कि वे सम्मानित लोग हैं. उनके लिए कुछ नहीं कहना है. उन्होंने खुद चुनाव लड़ने के सवाल पर कहा कि मैं अपनी भाषा के लिए काम कर रहा हूं, काहे इधर फंसा रहे हैं.

हिलसा में पति ने पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी

संवाददाता ।नालंदा

पति ने पत्नी की गला घोटकर जान ले ली. घटना का खुलासा रविवार को हुआ. घटना को अंजाम देने के बाद सनकी पति घर छोड़कर फरार हो गया. मृतका की पहचान हिलसा इलाके के गजेंद्र बिगहा गांव निवासी सोनू कुमार के 20 वर्षीय पत्नी हुलसी कुमारी के रूप में हुई. हत्या की सूचना मिलने के बाद मृतका के मायके से परिजन पहुंचे फिर पुलिस को सूचना दी गई.

पुलिस ने शव को बरामद कर बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है. बताया जाता है कि पड़ोसी ने मृतका के परिजन को घटना की जानकारी दी, घर पहुंचने पर परिजनों ने सिर्फ शव को देखा. परिवार के अन्य लोग घर पर मौजूद नहीं थे. मृतका के भाई पुरुषोत्तम कुमार ने बताया कि हमारी बहन की शादी 8 मई 2022 को हुई थी. बहन की शादी में उपहार के तौर पर मांगे गए कई सोने के गहने और रुपये भी दिए गए, मगर सोने के बजरंगबली का लॉकेट के लिए परेशान किया जा रहा था. मेरी बहन लगातार बोलती थी कि दे दीजिए लॉकेट, लेकिन समय दिया जा रहा था. परिजन ने यह भी बताया की शादी के बाद मेरी बहन को अपने घर साल भर तक नहीं ले गए थे.

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सासाराम लोस क्षेत्र के कैमूर में जनसभा को संबोधित किया, कहा

कर्पूरी ने पिछड़े समाज के लिए बहुत काम किया

बोले शाह

- लालू जी सामाजिक न्याय पर गोल-गोल बतियाते हैं
- पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ घमंडिया गठबंधन बना है

संवाददाता ।कैमूर

बिहार में लोकसभा चुनाव अब अंतिम चरण में है. इसलिए भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी है. चुनावी दौरे के क्रम में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह रविवार को सासाराम लोकसभा क्षेत्र के कैमूर में चुनावी जनसभा को संबोधित किया. अमित शाह ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर की भूमि है जिन्होंने पिछड़े और कमजोर समाज के लिए बहुत काम किया. उनके विकास की नींव रखी. लेकिन लालू यादव सामाजिक न्याय पर गोल-गोल बात बतियाते हैं. लेकिन कर्पूरी ठाकुर को उन्होंने कभी भारत रत्न देने की चर्चा नहीं की.

यह काम करके नरेंद्र मोदी ने देश भर के पिछड़ों को सम्मान दिया. उन्होंने दावा किया की पांच चरणों के चुनाव में ही एनडीए को 310 सीटों का तोहफा जनता ने दे दिया है. अब बचे चरणों में चार सौ पार करना है. अमित शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी के खिलाफ घमंडिया गठबंधन बना. लालू जी अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनने के लिए कांग्रेस की शरण में चले गए हैं जो पिछड़ा विरोधी है. कांग्रेस पार्टी ने गरीबों, पिछड़ा और दलितों का हमेशा विरोध किया. काका कालेलकर कमीशन की रिपोर्ट को कांग्रेस ने दबा दिया. उनके हिस्से की रिजर्वेशन की फाइल दबा दी. फिर मंडल कमीशन की रिपोर्ट को भी रोक दिया. राहुल गांधी के पिताजी राजीव गांधी ने इसका डटकर विरोध किया था. लेकिन नरेंद्र मोदी ने पिछड़ा समाज के लिए अलग से आयोग बनाकर संवैधानिक सम्मान देने का काम किया.

अमित शाह ने दावा किया कि राहुल गांधी और लालू यादव कहते हैं कि मुसलमान को आरक्षण देंगे. लेकिन उनसे पूछना चाहूंगा कि किसके हिस्से का आरक्षण काटकर मुसलमान को दे दोगे. इनलोगों ने कर्नाटक, हैदराबाद और बंगाल में मुसलमान को आरक्षण इन्हीं समाज का हिस्सा काट कर दे दिया. अमित शाह ने आश्वासन दिया कि जब तक बीजेपी का एक भी सांसद पार्लियामेंट में बचेगा तब तक इस समाज के आरक्षण को खत्म नहीं होने देंगे. यह नरेंद्र मोदी की गारंटी है. दलित समाज के लिए कांग्रेस पार्टी ने हमेशा विरोधी काम किया. जब उनकी सरकार थी तो दलित समाज के उत्थान के लिए बजट 41 हजार करोड़ था. नरेंद्र मोदी ने इसे 1,65,000 करोड़ तक पहुंचा दिया. अमित शाह ने कहा कि14 अप्रैल को राष्ट्रीय समरसता दिवस घोषित किया, 26 नवंबर को संविधान दिवस घोषित किया और अंबेडकर जी से जुड़े स्थानों को तीर्थ स्थल बनाने का काम किया. घमंडिया गठबंधन का सपना कभी पूरा नहीं होगा. प्रधानमंत्री तो नरेंद्र मोदी ही बनेंगे. अगर घमंडिया गठबंधन जीत जाती है तो पांच साल में पांच प्रधानमंत्री बना कर देश का बंटाधार कर देंगे.

एक-एक साल के लिए प्रधानमंत्री बनाएंगे और लोकतंत्र का मजाक उड़ाएंगे. जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि आपके प्रधानमंत्री का प्रत्याशी कौन है तो उन्होंने कहा कि बारी-बारी से एक-एक साल के लिए बनेंगे. क्या देश है से चल सकता है. ऐसी सरकार पाकिस्तान को जबड़ा तोड़ जवाब दे सकती है क्या? यह काम सिर्फ और सिर्फ नरेंद्र मोदी ही कर सकते हैं. शाह ने कहा कि मोदी ने आतंकवाद को नियंत्रित किया, नक्सलवाद को कंट्रोल किया, देश के गरीबों के लिए अनाज की व्यवस्था कर दी.

दस साल तक लालू यादव की सरकार चली. सोनिया, मनमोहन उसमें कर्ता धरता थे. बिहार को 10 साल में आप लोगों ने क्या दिया? इन लोगों ने 10 सालों में बिहार को सिर्फ दो लाख 80 हजार करोड़ दिया लेकिन नरेंद्र मोदी ने 14 लाख करोड़ इतनी ही अवधि में बिहार को देने का काम किया. इससे राज्य का विकास हुआ. कहा कि मोदी सरकार ने क्षेत्र के लिए बहुत सारा काम किया है.

लड़कों के लिए पोशाक योजना हमने शुरू की: नीतीश कुमार

पटना में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए सीएम नीतीश ने राजद पर हमला बोला. उन्होंने कहा कि लड़कियों के लिए और लड़कों के लिए पोशाक योजना हमने शुरू की और लड़कियों के लिए साइकिल योजना शुरू की. लड़कों की भी मांग थी तो इसके डेढ़ दो साल के बाद हमने लड़कों के लिए साइकिल योजना शुरू कर दी. इस योजना के बाद लड़कियां कितनी घूमती थी और माता और पिता को भी ले जाकर सामने लाती थी. यह सब चीज भूलिएगा मत, याद रखिएगा. पहले कोई किया था? तब हम ही लोग भाजपा के साथ काम किए थे. नीतीश कुमार ने कहा कि 2005 में हमलोग आए. एक साथ सरकार में आए. उससे पहले क्या था? क्या कोई अपने घरों से बाहर निकल रहा था? किसी के पास यह साहस नहीं था. काफी विवाद होता था. पढ़ाई का क्या हाल था? बहुत कम बच्चों को शिक्षा तक पहुंच मिली. उन्हें अवसर मिला, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया. हमने इतना काम किया है चाहे वह स्वास्थ्य हो, शिक्षा हो या कोई अन्य में क्षेत्र हो.

सारण चुनाव हिंसा मामले में एसपी पर गिरी गाज

पटना । सारण में हुए चुनाव हिंसा मामले में जिला एसपी डॉ. गौरव मंगला पर गाज गिरी है. बिहार सरकार ने डॉ. गौरव मंगला का तबादला कर दिया है. सारण एसपी को पुलिस मुख्यालय भेज दिया है. वहीं मुजफ्फरपुर के रेल एसपी डॉ. कुमार आशीष को सारण का नया एसपी बनाया गया है. गृह विभाग ने इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है. बता दें कि जिले के टाउन थाना क्षेत्र के बड़ा तेलपा स्थित मतदान केंद्र संख्या 318 और 319 पर विगत 20 मई को मतदान हो रहा था.

वोटिंग के दौरान आरजेडी और बीजेपी कार्यकर्ता सुबह से शाम तक मतदान केंद्र पर बैठे थे. मतदान के दौरान रोहिणी आचार्य और आरजेडी नेता भोला यादव एक बूथ का जायजा लेने दो से ज्यादा बार पहुंची. जिसको देखकर बीजेपी समर्थक भड़क गये. उन्होंने रोहिणी और भोला यादव पर बूथ कैप्चर करने का आरोप लगाया और हो-हंगामा करने लगे. बात इतनी बढ़ गयी कि आरजेडी और बीजेपी कार्यकर्ताओं आपस में भिड़ गये. इस दौरान दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर पत्थरबाजी, गाली-गलौज और लाठी-डंडे चलने लगे. इस गोलीबारी में आरजेडी समर्थक की मौत हो गयी थी. वहीं दो अन्य लोग घायल हुए थे. इस हिंसा के बीच पुलिस ने किसी तरह से रोहिणी आचार्य को वहां से सुरक्षित निकाला. सारण में हिंसा बढ़ने के बाद एहतियात के तौर पर इंटरनेट सेवा पर रोक लगी थी.

कारोबार

गेल के हरित हाइड्रोजन संयंत्र का हुआ उद्घाटन

नयी दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी गेल (इंडिया) लि ने बताया कि उसका मध्य प्रदेश के विजयपुर स्थित पहला हरित हाइड्रोजन संयंत्र चालू हो गया है. इसकी क्षमता 10 मेगावाट है. यह देश की सबसे बड़ी प्राकृतिक गैस कंपनी के नयी और वैकल्पिक ऊर्जा क्षेत्र में प्रवेश की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है. विजयपुर परिसर में हरित हाइड्रोजन उत्पादन इकाई के लिए 10 मेगावाट का प्रोटॉन एक्सचेंज मेम्ब्रेन इलेक्ट्रोलाइजर कनाडा से आयात किया गया है. संयंत्र प्रतिदिन लगभग 4.3 टन हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करेगा.

चौथी तिमाही में 6.1-6.7 % रहेगी आर्थिक वृद्धि दर

नयी दिल्ली । बीते वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.1 से 6.7 प्रतिशत के बीच रहने की उम्मीद है. यह इससे पिछली तिमाहियों में दर्ज आठ प्रतिशत की वृद्धि दर से कम है. विभिन्न अर्थशास्त्रियों ने यह अनुमान लगाया है. सरकार चौथी तिमाही के जीडीपी आंकड़े और पूरे वित्त वर्ष के लिए अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर का अनुमान 31 मई को जारी करेगी.

भारत डिजिटल पेमेंट के मामले में आज भी दुनिया में नंबर वन है

कैश पेमेंट में भी नहीं आई है कमी

भाषा ।नयी दिल्ली

डिजिटल पेमेंट

- डिजिटल पेमेंट मार्च 2023 में 35 .15 लाख करोड़ हुई
- रोजाना दो लाख रुपये नकद लेनदेन की सीमा लागू है

पैसों के लेनदेने के मामले में भारत में डिजिटल पेमेंट तेजी से बढ़ा है. चाहे कोई सरकारी योजना के तहत लोगों के खाते में पैसे जाने की बात हो या किसी दुकान पर सामान खरीदने की बात हो डिजिटल माध्यम सरल और सुरक्षित माना जाता है. इसलिए भारत में इसका चलन तेजी से बढ़ा है. इस वजह से भारत डिजिटल पेमेंट के मामले में दुनिया में नंबर वन है. लेकिन इसके बाद भी आईफोन बनाने वाली अमेरिका की दिग्गज कंपनी ऐपल की समस्या हल नहीं हुई है.

कंपनी ने पिछले साल अप्रैल में दिल्ली और मुंबई में अपने स्टोर खोले थे. लेकिन वहां पर बड़ी संख्या में ग्राहक ऑनलाइन पेमेंट करने के बजाय कैश पेमेंट करने लगे. इस कारण कंपनी को दोनों स्टोर्स में नोट गिनने वाली मशीनें लगानी पड़ी. सूत्रों के मुताबिक भारत में अमेरिकी कंपनी के दो स्टोर्स में होने वाली कुल बिक्री में 7-9% हिस्सा नकद भुगतान का है. अमेरिका या यूरोपीय देशों में कंपनी के स्टोर्स पर कैश पेमेंट की हिस्सेदारी एक फीसदी से भी कम है. कई स्टोर्स में तो कैश पेमेंट जीरो है. लेकिन भारत में ग्राहक अब भी मोबाइल फोन या कंप्यूटर खरीदने के लिए नकदी के बंडल लेकर स्टोर पर आते रहते हैं.

एक सूत्र ने बताया कि ऐपल के दिल्ली स्टोर में नकद भुगतान करने वाले ग्राहकों की संख्या मुंबई की तुलना में ज्यादा है. भारत में दोनों स्टोर्स की रिपोर्टिंग लाइन सीधे अमेरिका में ऐपल रिटेल टीम को है. वे ऐपल इंडिया के सेल्स ऑपरेशन को रिपोर्ट नहीं करते हैं. उनकी सेल्स ग्लोबल फाइनेंशियल रेकॉर्ड्स में भी शामिल है. हालांकि, ऐपल भारत में कैश पेमेंट्स की समस्या से जूझने वाली अकेली कंपनी नहीं है. सरकार ने 2017 से प्रति व्यक्ति रोजाना दो लाख रुपये नकद लेनदेन की सीमा लागू की है. इसका उद्देश्य डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करना और काले धन पर अंकुश लगाना है. भारत में डिजिटल ट्रांजैक्शन में बढ़ोतरी के बावजूद कैश इन सर्कुलेशन में भी भारी तेजी देखी गई है.

मार्च 2017 में यह 13.35 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर मार्च 2023 में 35.15 लाख करोड़ रुपये हो गई. यह स्थिति तब है जबकि देश में यूपीआई के माध्यम से डिजिटल भुगतान में पर्याप्त वृद्धि हुई है.

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2023 के अंत तक 19.64 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई, जो मार्च 2017 में 2,425 करोड़ रुपये थी. फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) का अनुमान है कि भारत में 15% से 20% तक कारों की खरीद लोग अपने पैसों से करते हैं. यहां तक कि लग्जरी गाड़ियों को खरीदने के लिए भी लोग दो लाख रुपये तक का नकद भुगतान करते हैं. बाकी रकम का भुगतान विभिन्न तरीकों से किया जा सकता है.

20% लोग नकद खरीदारी करना पसंद करते हैं

मर्सिडीज बेंज इंडिया के एमडी संतोष अय्यर ने कहा कि लगभग 20% ग्राहक पूरी तरह नकद खरीदारी करना पसंद करते हैं. दिल्ली में एक कार डीलर ने बताया कि एक खरीदार पूरी तरह कैश में सुपर लग्जरी कार खरीदना चाहता था. फाडा के प्रेजिडेंट मनीष राज सिंघानिया ने कहा कि कई ग्राहक ब्याज से बचने के लिए फाइनेंशियल विकल्पों का लाभ नहीं उठाना चाहते हैं. इसके बजाय अपनी बचत का उपयोग करके पूर्ण भुगतान करना पसंद करते हैं. कुछ खरीदारों के पास बैंक लोन के लिए आवश्यक दस्तावेज, जैसे आयकर रिटर्न नहीं होते हैं या उन्हें ऋण-योग्य नहीं माना जा सकता है.

भारत को वित्त वर्ष 2023-24 में नौ साझेदारों के साथ व्यापार घाटा

नयी दिल्ली । भारत को वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान चीन, रूस, सिंगापुर और दक्षिण कोरिया समेत शीर्ष 10 व्यापारिक साझेदारों में नौ के साथ व्यापार घाटे का सामना करना पड़ा है. आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है. व्यापार घाटा, आयात और निर्यात के बीच का अंतर है. आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि बीते वित्त वर्ष में 2022-23 की तुलना में चीन, रूस, दक्षिण कोरिया और हांगकांग के साथ घाटा बढ़ गया. दूसरी ओर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब, रूस, इंडोनेशिया और इराक के साथ व्यापार घाटे में कमी हुई. वित्त वर्ष 2023-24 में चीन के साथ व्यापार घाटा बढ़कर 85 अरब डॉलर, रूस के साथ 57.2 अरब डॉलर, दक्षिण कोरिया के साथ 14.71 अरब डॉलर और हांगकांग के साथ 12.2 अरब डॉलर हो गया. चीन के साथ दोतरफा व्यापार 2023-24 में 118.4 अरब डॉलर रहा, और वह अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन गया. भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2023-24 में 118.28 अरब डॉलर रहा. भारत का अपने चार प्रमुख व्यापारिक साझेदारों-सिंगापुर, यूएई, दक्षिण कोरिया और इंडोनेशिया के साथ मुक्त व्यापार समझौता है.

न्यूज अपडेट

नौ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में इजाफा हुआ

नयी दिल्ली । सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह सामूहिक रूप से 1,85,320.49 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ. सबसे अधिक लाभ रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक को हुआ. पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,404.45 अंक या 1.89 प्रतिशत चढ़ गया. सेंसेक्स शुक्रवार को 75,636.50 अंक के दिन में अपने कारोबार के सर्वकालिक उच्चस्तर तक गया. समीक्षाधीन सप्ताह में सिर्फ आईटीसी के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई. सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 61,398.65 करोड़ रुपये बढ़कर 20,02,509.35 करोड़ रुपये पर पहुंच गया.

जेएलआर को भारत में उद्योग से अधिक वृद्धि की उम्मीद

नयी दिल्ली । टाटा मोटर्स के स्वामित्व वाली जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) को चालू वित्त वर्ष में लक्जरी कार बाजार की कुल वृद्धि की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ने की उम्मीद है. जेएलआर के प्रबंध निदेशक राजन अंबा ने कहा कि कंपनी स्थानीयकरण को बढ़ा रही है और साथ ही अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार कर रही है. इससे उसे अपनी बिक्री में वृद्धि उद्योग से तेज रहने की उम्मीद है. कंपनी भारत में रेंज रोवर और रेंज रोवर स्पोर्ट की स्थानीय असेंबली शुरू करने के लिए तैयार है. वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी की बिक्री इससे पिछले साल की तुलना में 81 प्रतिशत बढ़कर 4,436 इकाई रही है.

आईओसी, गेल, ओएनजीसी पर लगा जुर्माना

नयी दिल्ली । इंडियन ऑयल, ओएनजीसी और गेल (इंडिया) लिमिटेड सहित सार्वजनिक क्षेत्र की कई तेल एवं गैस कंपनियों पर सूचीबद्धता अनिवार्यता को पूरा करने के लिए निदेशक मंडल में जरूरी संख्या में निदेशकों की नियुक्ति में विफल रहने को लेकर लगातार चौथी तिमाही में जुर्माना लगाया गया है. शेयर बाजारों ने जनवरी-मार्च तिमाही में सूचीबद्धता अनिवार्यता को पूरा नहीं करने पर इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल), ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी), ऑयल इंडिया लि. (ओआईएल) और मेंगलूर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स (एमआरपीएल) पर कुल मिलाकर 34 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है.

शेयर बाजार निफ्टी की साप्ताहिक आधार पर 491 अंकों की उछाल में उनकी मात्र 1166 करोड़ रुपये की खरीद को कोई बड़ा योगदान नहीं माना जा सकता है

इस समय भारत एक शेयर क्रांति के मध्य में है, शेयरों में निवेश के प्रति भारतीयों का विश्वास बढ़ा है

शशांक भारद्वाज
वीपी व्हॉइस ब्रोकिंग

पिछले सप्ताह निफ्टी ने सार्वकालिक ऐतिहासिक ऊंचाई का स्पर्श किया तथा शुक्रवार के सत्र में 23000 निफ्टी के स्तर को पार किया. यद्यपि बंदी 22957 की रही. भारतीय शेयर मार्केट की यह तेजी भारत की जय तथा भारत की विजय का शक्तिशाली घोष था. इस बार की नई ऊंचाई अपने सामर्थ्य की ऊंचाई थी,अपनी शक्ति के बल पर प्राप्त की हुई ऊंचाई थी.इसलिए ये सबसे महत्वपूर्ण तेजी है. पहले भारतीय शेयर मार्केट विदेशी संकेत तथा नियंत्रण पर चलते थे. उन्होंने क्रय किया तो तेजी, बेचा तो मंदी. इस बार उनके विक्रय के पश्चात भी नई ऊंचाई बनी. यह एक बड़ा निर्णायक संदेश है, आत्मनिर्भर भारत आत्मनिर्भर शेयर मार्केट का. ऐसा नही कि विदेशी निवेशकों का प्रभाव बिलकुल समाप्त हो जाएगा परंतु अब अपेक्षाकृत प्रभावी भूमिका में हम भारतीय निवेशक रहेंगे. अप्रैल 24 में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 35692 करोड़ रुपए के शेयर बेचे, मई माह में भी अभी तक 34459 करोड़ रुपए के शेयर की एफआईआई की बिकवाली रही है. परंतु इस 70151 करोड़ रुपए के इस विक्रय के पश्चात भी, इसको आत्मसात कर भारतीय शेयर मार्केट ने एक नई ऊंचाई बनायी. इस समय भारत एक शेयर क्रांति के मध्य में है. शेयरों में निवेश के प्रति भारतीयों का उत्साह तथा विश्वास बढ़ा है. यह भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए शुभ सकारात्मक संकेत भी है क्योंकि अच्छा शेयर मार्केट पूंजी मार्केट का विस्तार करता है, अधिक पूंजी उपलब्ध कराता है.

निफ्टी का 23000 का स्तर पर अपने उचित मूल्यांकन से थोड़ा अधिक ही है. परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि इस स्तरों से कोई बड़ी गिरावट आने की संभावना है. भारत में लोकसभा चुनावो का परिणाम 4 जून को आने वाला है. मोदी सरकार की सत्ता मे वापसी का भाव प्रबल है. अमेरिका के एक प्रमुख राजनीति विज्ञान विशेषज्ञ इयान ब्राइमर ने भी भाजपा की विजय की भविष्यवाणी कर दी है. यह ध्यान रखना चाहिए कि यूएस प्रमुख राष्ट्रों के चुनावों पर पैनी दृष्टि रखता है. अतः मोदी सरकार की वापसी होती है तो मार्केट उछलेंगे ही, अच्छे बहुमत से होती तो बहुत जोर से उछलेंगे. वैसे इस सप्ताह मार्केट की चाल तो पुनः बता रही कि मार्केट की अवधारणा तो मोदी को बड़े बहुमत की ही है. अगले सप्ताह सब कुछ स्पष्ट हो ही जायेगा. पिछले सप्ताह में एफआईआई ने नकद संभाग में 1166 करोड़ रुपए की खरीदारी की. निफ्टी की साप्ताहिक आधार पर 491 अंकों की उछाल में उनके द्वारा मात्र 1166 करोड़ रुपए की खरीद कोई बड़ा योगदान नहीं माना जा सकता है. एफआईआई पुनः बड़े निवेश के पूर्व लोकसभा चुनाव का परिणाम देख लेना चाहते हैं.

भारत में तो शेयर मार्केट में ऐसा उत्साह है कि यूएस में ब्याज दरों में कमी के अनुमानों को ले कर संशय से डाउ में 22 मई को 616 अंकों की भारी भरकम गिरावट आई परंतु भारतीय मार्केट में निफ्टी 23 मई को 370 अंक तेज हुआ. यह एक सबसे बड़ी असंबद्धता का नाद था. भारतीय शेयर मार्केट अब तेजी के लिए विदेशी निवेशक पर ही निर्भर नही रहने की स्थिति में पहुंच रहा है,अपनी आधारभूत आर्थिक कारकों के आधार पर चलेगा, तेज होगा. भारतीयों की आय में इस वित्त वर्ष में अच्छी वृद्धि का अनुमान है. कुल घरेलू बचत में 11 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है. यह अर्थव्यवस्था सुदृढ़ता के लिए अच्छा संकेत है. इस बचत का एक अच्छा भाग म्यूचुअल फंड, शेयरों में निवेशित हो सकता है. ऐसा एक चलन भी बना है. बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का मार्केट पूंजीकरण पहली बार 5 ट्रिलियन डॉलर, 416 लाख करोड़ रुपए के पार निकला है. चौथे स्थान पर विराजमान हांगकांग को हम कभी भी पछाड़ सकते हैं. मार्केट पूंजीकरण में उछाल से विदेशी निवेशक भी मार्केट की अंतर्निहित शक्ति से प्रभावित होते हैं, निवेश को आकर्षित होते हैं. 4 ट्रिलियन डॉलर से 5 ट्रिलियन डॉलर की,25 प्रतिशत वृद्धि की यह यात्रा मात्र 6 महीने में हुई है.

देश में बिना बिके घरों की संख्या में उल्लेखनीय कमी आ रही है. वारेन बफे जैसे शेयर मार्केट के पितामह कह रहे कि भारत में अवसरों की भरमार है. विख्यात अर्थशास्त्री सुरजीत भल्ला कह रहे कि मोदी सरकार ने कीर्तिमान की संख्या में जीविका का सृजन किया है. पिछले एक दशक में भारत अर्थव्यवस्था में 8 ट्रिलियन डॉलर का सार्वजनिक तथा निजी निवेश हुआ है. आरबीआई ने 2.11 लाख करोड़ रुपए का लाभांश दिया है. यह सरकार की वित्तीय स्थिति को अधिक सुदृढ़ करेगा. वर्ष 2030 तक बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का पूंजीकरण 10 ट्रिलियन डॉलर अर्थात अभी से दुगना होने की संभावना है. इससे भी शेयर मार्केट के उज्ज्वल भविष्य का अनुमान लगाया जा सकता है. भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 648.7 अरब डॉलर हो गया है.

निफ्टी के आधार पर मार्केट कुछ अधिक मूल्यांकन पर हैं. युद्ध की अवहेलना करना शेयर मार्केट सीख गए हैं. ब्याज दर की कमी में विलंब हो सकता है,होना तो है ही. ब्रेंट क्रूड के मूल्यों में गिरावट के बाद भी निचले स्तरों से उछाल नहीं आया है, 82.09 डॉलर प्रति बैरल ही हैं. क्रूड की मांग में कमी की भविष्यवाणी है, अमेरिका में क्रूड का भंडार बढ़ा है, युद्ध की परिस्थिति में भी क्रूड में उछाल टिक नहीं पा रहा. अतः जब युद्ध ठंडा होगा तो क्रूड में बड़ी गिरावट देखी जा सकती है. यह भारत के लिए अच्छा होगा. चूंकि चुनाव परिणाम आने हैं,इसलिए इंडिया विक्स 21.71 है परंतु आने के पश्चात यह भी गिर कर तेजी का समर्थन कर सकता है. चुनाव परिणामों के पूर्व तकनीकी आधार पर निफ्टी 23300 से 23500 जा सकता है. सट्टा के सौदे कॉल पुट के माध्यम से करें. अच्छे मूल्यांकन पर उपलब्ध शेयरों को इकट्ठा करें. मोदी की जय तथा विजय के साथ भारत तथा भारतीय शेयर मार्केट का स्वर्णिम काल का आरंभ होने को है.

भारत के लिए इस साल का कान फिल्म महोत्सव शानदार रहा, अलग-अलग श्रेणी में मिले तीन पुरस्कार, पीएम मोदी व कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दी बधाई

पायल कपाड़िया ने ग्रां प्री पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय फिल्म निर्माता बन रचा इतिहास

एजेंसी। कान

भारत के लिए इस साल का कान फिल्म महोत्सव शानदार रहा और पायल कपाड़िया की "ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट", एफटीआईआई के छात्र चिदानंद एस. नाइक की "सनफ्लावर वेयर द फर्स्ट वन्स टू नो", और "द शेमलेस" की अनसूया सेनगुप्ता को अलग-अलग श्रेणी में प्रमुख पुरस्कारों से सम्मानित किया गया. शनिवार को संपन्न हुआ 77वां संस्करण निस्संदेह देश के लिए सबसे अच्छा रहा, इस दौरान आठ भारतीय या भारत पर आधारित फिल्मों को पुरस्कार प्रतिस्पर्धाओं में जगह मिली. भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (एफटीआईआई) की पूर्व छात्रा कपाड़िया ने "ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट" के लिए ग्रां प्री पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय फिल्म निर्माता बनकर इतिहास रच दिया. फिल्म को पाम डि''ओर के बाद महोत्सव के दूसरे सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार ग्रां प्री से सम्मानित किया गया है. अमेरिकी निर्देशक सीन बेकर को 'अनोरा' के लिए सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार पाम डि''ओर से सम्मानित किया गया. कनी कुसरुति, दिव्या प्रभा और छाया कदम अभिनीत मलयाली-हिंदी फिल्म "ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट" मुंबई में सड़क यात्रा पर निकलीं तीन महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है. कपाड़िया की फिल्म 30 वर्षों में मुख्य प्रतियोगिता में दिखाई गई पहली भारतीय फिल्म और किसी भारतीय महिला निर्देशक की पहली फिल्म है. इससे पहले आखिरी बार शाजी एन करुण की फिल्म स्वाहम (1994) प्रदर्शित की गई थी.

शोषण और उत्पीड़न की एक अंधेरी दुनिया बयां करती है 'द शेमलेस'

बुल्गारियन निर्देशक कॉन्स्टेंटिन बोजानोव की "द शेमलेस" में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली प्रोडक्शन डिजाइनर सेनगुप्ता 'अन सर्टेन रिगार्ड' श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय बनीं. "द शेमलेस" शोषण और उत्पीड़न की एक अंधेरी दुनिया बयां करती है जिसमें दो यौनकर्मी एक बंधन में बंधती हैं. सेनगुप्ता ने यह पुरस्कार "क्वीर और अन्य कमजोर समुदायों" को समर्पित किया. उन्होंने कहा, "समानता के लिए लड़ने को लेकर आपको समलैंगिक होने की जरूरत नहीं है, आपको गुलामी के बारे में जानने के लिए गुलाम बनकर देखना जरूरी नहीं है – हमें बस सभ्य इंसान बनने की जरूरत है." नाइक की "सनफ्लावर वेयर द फर्स्ट वन्स टू नो..." को ला सिनेफ (फिल्म स्कूल फिक्शन या एनिमेटेड फिल्में) श्रेणी में प्रथम पुरस्कार मिला. कन्नड़ लोककथा पर आधारित यह फिल्म एक बूढ़ी औरत पर आधारित है जो मुर्गा चुरा लेती है जिसके बाद गांव में सूरज उगना बंद हो जाता है. इससे पहले, कान महोत्सव के लिए चुनी गईं भारतीय फिल्मों में मृणाल सेन की "खारिज" (1983), एम एस सथ्यू की "गर्म हवा" (1974), सत्यजीत रे की "पारस पत्थर" (1958), राज कपूर की "आवारा" (1953) वी शांताराम की "अमर भूपाली" (1952) और चेतन आनंद की "नीचा नगर" (1946) शामिल हैं.

"हमारी फिल्म को यहां तक लाने के लिए कान फिल्म महोत्सव का शुक्रिया. एक और भारतीय फिल्म के लिए कृपया 30 साल तक इंतजार न करें." – **पायल कपाड़िया**

पायल कपाड़िया को 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' के लिए 77वें कान फिल्म फेस्टिवल में ग्रां प्री जीतने की ऐतिहासिक उपलब्धि पर भारत को गर्व है. उनकी उल्लेखनीय प्रतिभा वैश्विक मंच पर चमक दिखाती है, जो भारत में समृद्ध रचनात्मकता की झलक दर्शाती है. –**नरेंद्र मोदी**

प्रतिष्ठित ग्रां प्री पुरस्कार जीतने के लिए पायल कपाड़िया और ऑल वी इमेजिन एज लाइट की पूरी टीम को बधाई. अनसूया सेनगुप्ता को 'द शेमलेस' में उनके अभिनय के लिए 'अन सर्टेन रिगार्ड' श्रेणी के तहत सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीतने के लिए बधाई. –**राहुल गांधी**

ब्रीफ खबरें

अफगानिस्तान में बाढ़ से 15 लोगों की मौत

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान के उत्तर-पूर्व क्षेत्र में भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ से एक ही परिवार के 10 सदस्यों समेत कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई. अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी. असामान्य रूप से भारी मौसमी बारिश देश के कई हिस्सों में कहर बरपा रही है, जिससे सैकड़ों लोगों की मौत हो गई है. भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ के मामलों के चलते संपत्ति और फसलें भी नष्ट हो गई हैं. शनिवार रात आई बाढ़ के कारण उत्तर-पूर्व स्थित बदख्शां और उत्तरी बगलान प्रांत प्रभावित हुए हैं.

गेम जोन में आग मानव निर्मित आपदा

अहमदाबाद। उच्च न्यायालय की एक विशेष पीठ ने रविवार को राजकोट के एक गेम जोन में आग लगने की घटना का स्वतः संज्ञान लेते हुए इसे प्रथम दृष्टया "मानव निर्मित आपदा" बताया है. इस हादसे में 27 लोगों की मौत हो गई थी. खंडपीठ ने कहा कि ऐसे गेमिंग जोन और मनोरंजक सुविधाएं सक्षम अधिकारियों से मंजूरी के बिना बनाए गए हैं. पीठ ने अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत और राजकोट नगर निगमों के अधिवक्ताओं को निर्देश दिया कि वे सोमवार को उसके समक्ष इस निर्देश के साथ उपस्थित हों कि किन प्रावधानों के तहत अधिकारियों ने इन इकाइयों को स्थापित किया या संचालित करना जारी रखा.

सर्वेक्षण : ताडोबा रिजर्व में 55 बाघ देखे गए

नागपुर। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में ताडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व (टीएटीआर) में किए गए ''वॉटरहोल पशु सर्वेक्षण'' में 55 बाघों सहित कुल 5,069 जंगली जानवर देखे गए. टीएटीआर ने शनिवार को एक बयान जारी करके कहा कि 'निसर्गानुभव-2024' का आयोजन 23 और 24 मई को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर किया गया था. कोर और बफर जोन में 55 बाघ,17 तेंदुए, 86 जंगली कुत्ते, 65 जंगली भालू, 1,458 हिरण, 488 सांभर आदि पाए गए. इसमें कहा गया कि बफर क्षेत्रों में कम से कम 26 बाघ और आठ तेंदुए देखे गए, जबकि मुख्य क्षेत्रों में 29 बाघ और नौ तेंदुए देखे गए.

रविवार आधी रात तक पश्चिम बंगाल के तट पर दस्तक देने के आसार

'रेमल' भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील

एजेंसी। कोलकाता/ नयी दिल्ली

चक्रवात 'रेमल' भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील हो गया है और इसके रविवार आधी रात तक बांग्लादेश एवं पश्चिम बंगाल के तटों पर दस्तक देने का अनुमान है. मौसम विज्ञान विभाग ने यह जानकारी दी. विभाग ने बताया कि 'रेमल' के तटों पर पहुंचने पर 110 से 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी और उनका वेग 135 किलोमीटर प्रति घंटे तक होगा. चक्रवात के कारण पश्चिम बंगाल के तटीय जिलों में अत्यधिक भारी वर्षा और कोलकाता एवं आसपास के क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी वर्षा होने का अनुमान है. मौसम कार्यालय ने बताया कि 'रेमल' उत्तर की ओर बढ़ रहा है और रविवार आधी रात तक मोंगला बंदरगाह के दक्षिण-पश्चिम के निकट सागर द्वीप (पश्चिम बंगाल) और खेपुपारा (बांग्लादेश) के बीच तटों को पार करने से पहले इसके और तेज होने की संभावना है. चक्रवात को देखते हुए पूर्वी और दक्षिण पूर्वी रेलवे ने एहतियात के तौर पर दक्षिण और उत्तर 24 परगना और पूर्व मेदिनीपुर जिले के तटीय जिलों में कई ट्रेन सेवाएं रद्द कर दी हैं. कोलकाता हवाई अड्डे के अधिकारियों ने चक्रवात 'रेमल' के संभावित प्रभाव के कारण रविवार दोपहर से 21 घंटे के लिए उड़ान संचालन निलंबित करने का फैसला किया है. इससे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें मिलाकर कुल 394 उड़ान प्रभावित होंगी. कोलकाता स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह में भी चक्रवात के पूर्वानुमान के कारण रविवार शाम से 12 घंटे के लिए माल एवं कंटेनर प्रबंधन परिचालन निलंबित रहेगा.

चक्रवात से सुंदरबन मैंग्रोव वन के भी प्रभावित होने की आशंका : राज्य एजेंसी के प्रयासों में समन्वय के लिए लालबाजार स्थित कोलकाता पुलिस मुख्यालय में एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है. एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, 'कोलकाता पुलिस की 10 टीम शहर के 10 पुलिस प्रभागों में तैनात की गई है.' राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के दल भी उन जिलों में जा रहे हैं जिनके चक्रवाती तूफान से प्रभावित होने की आशंका है. एनडीआरएफ ने कोलकाता, उत्तर 24-परगना, पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम मेदिनीपुर, दक्षिण 24-परगना, हावड़ा और हुगली सहित कई जिलों में अपने दल एवं उपकरण तैनात किए हैं. चक्रवात से सुंदरबन मैंग्रोव वन के भी प्रभावित होने की आशंका है. सुंदरबन दुनिया के सबसे बड़े वनों में से एक है और अपने विविध जीव-जंतुओं के लिए जाना जाता है.

110 से 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी और उनका वेग 135 किमी प्रति घंटे तक होगा

21 घंटे के लिए उड़ान संचालन निलंबित, इससे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें मिलाकर 394 उड़ान प्रभावित होंगी

पश्चिम बंगाल और उत्तरी ओडिशा के तटीय जिलों में अत्यधिक भारी वर्षा होने की चेतावनी

चक्रवात रविवार सुबह साढ़े आठ बजे तक उत्तरी बंगाल की खाड़ी में सागर द्वीप से 240 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पूर्व में स्थित था और इस दौरान 90-100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं और उनका वेग 110 किलोमीटर प्रति घंटे था. यह मॉनसून से पहले के मौसम में बंगाल की खाड़ी में आने वाला पहला चक्रवात है. मौसम कार्यालय ने पश्चिम बंगाल और उत्तरी ओडिशा के तटीय जिलों में 26-27 मई को अत्यधिक भारी वर्षा होने चेतावनी जारी की है. असम और मेघालय में भी अत्यधिक भारी बारिश होने की आशंका है. मणिपुर, नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा में 27-28 मई को भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान है. चक्रवात के पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के तटीय इलाकों में पहुंचने पर 1.5 मीटर तक की तूफानी लहर के कारण निचले इलाकों में पानी भर जाने की आशंका है.

सियालदह दक्षिण और बारासात-हसनाबाद खंड में ट्रेन सेवाएं एहतियातन निलंबित

पूर्वी रेलवे ने रविवार रात 11 बजे से सोमवार सुबह छह बजे तक सियालदह दक्षिण और बारासात-हसनाबाद खंड में ट्रेन सेवाओं को एहतियातन निलंबित कर दिया है जिसके परिणामस्वरूप कई लोकल ट्रेन रद्द कर दी गईं. दक्षिण पूर्व रेलवे ने भी रविवार को कांडारी एक्सप्रेस और रविवार एवं सोमवार को दीघा से आने-जाने वाली कुछ रेल रद्द कर दी हैं. उत्तरी ओडिशा में बालासोर, भद्रक और केंद्रपाड़ा जिलों में 26-27 मई और मयूरभंज में 27 मई को भारी बारिश होने की संभावना है. उत्तर बंगाल के जिलों कूच बिहार, अलीपुरद्वार और जलपाईगुड़ी में 28-29 मई को अत्यधिक भारी बारिश होने की आशंका है. इसके अलावा दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, उत्तर और दक्षिण दिनाजपुर जिलों में भी भारी बारिश की संभावना है.

आम चुनाव-2024

पाकिस्तान में इंडिया गठबंधन के लिए मांगी जा रही है दुआ : मोदी

एजेंसी। देवरिया (उप्र)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' पर प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि पाकिस्तान में समाजवादी पार्टी (सपा) व कांग्रेस के लिए दुआ मांगी जा रही है और सीमा पार से 'जिहादी इन्हें समर्थन' दे रहे हैं. मोदी देवरिया जिले के रुद्रपुर में एक चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे. मोदी ने भाजपा नीत राजग गठबंधन की प्रचंड जीत का दावा करते हुए कहा, 'कुछ ताकतें हैं जिन्हें भारत की प्रगति से दर्द हो रहा है. ये लोग 4 जून को लेकर अलग ही सपने देख रहे हैं.' मोदी ने बिना नाम लिए फर्रुखाबाद की एक सभा में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद की भतीजी द्वारा 'वोट जिहाद' की अपील की ओर इशारा करते हुए कहा, 'यहां सपा और कांग्रेस वाले 'वोट जेहाद' की अपील कर रहे हैं. इनका मुद्दा देश का विकास नहीं, ये तो भारत को कई दशक पीछे ले जाना चाहते हैं.'

हार देखकर प्रधानमंत्री की ज़बान लड़खड़ा रही : अखिलेश यादव

एजेंसी। बलिया (उप्र)

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह एहसास हो गया है कि भाजपा केंद्र में सत्ता बरकरार नहीं रख पाएगी जिस वजह से उन्होंने आत्मविश्वास खो दिया है और भाषणों में उनकी ज़बान लड़खड़ा रही है. यहां बेल्थरा रोड में सलेमपुर संसदीय क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार रमाशंकर विद्यार्थी के पक्ष में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए यादव ने सेना में भर्ती की अग्निवीर योजना को खत्म करने का वादा किया. उन्होंने कहा, "चार जून एक ऐतिहासिक दिन होगा. जलवायु परिवर्तन के साथ, राजनीतिक परिवर्तन भी होगा. 'मंत्रिमंडल' और 'मीडिया मंडल' दोनों बदल जाएंगे." यादव ने 'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनने का दावा करते हुए कहा कि जब आत्मविश्वास खो जाता है तो ज़बान लड़खड़ा जाती है. उन्हें एहसास हो गया है कि उनकी सरकार जा रही है.

दिल्ली की घटना में पांच शिशु अस्पताल में उपचाराधीन, उपराज्यपाल ने दिया जांच का आदेश

अस्पताल में आग से सात शिशुओं की मौत

एजेंसी। नयी दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के विवेक विहार में बच्चों के एक अस्पताल में आग लगने से सात नवजात शिशुओं की मौत हो गयी. अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी. उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मुख्य सचिव को पूर्वी दिल्ली के अस्पताल में आग लगने की घटना की 'जांच शुरू करने' का निर्देश दिया. वहीं मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि पूर्वी दिल्ली में बच्चों के एक अस्पताल में आग लगने की घटना हृदय विदारक है और इस मामले में लापरवाही बरतने वालों को बख्शा नहीं जाएगा. इसी बीच, पुलिस ने पूर्वी दिल्ली के बच्चों के एक अस्पताल के मालिक को गिरफ्तार कर लिया है. दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अधिकारियों ने बताया कि शनिवार रात शाहदरा क्षेत्र के विवेक विहार में बच्चों के एक अस्पताल में आग लग गई. डीएफएस प्रमुख अतुल गर्ग ने बताया कि 12 शिशुओं को अस्पताल से निकाला गया लेकिन उनमें से सात की मौत हो गई. गर्ग ने बताया कि पांच शिशुओं का एक अन्य अस्पताल में इलाज किया जा रहा है. एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि 'बेबी केयर न्यू बोर्न हॉस्पिटल' और उससे सटी एक इमारत में शनिवार देर रात करीब साढ़े 11 बजे आग लगी. अन्य लोगों की मदद से बच्चों को अस्पताल से बाहर निकाला गया.

अरिवंद केजरीवाल बोले सरकार पीड़ितों के साथ

मुख्यमंत्री अरिवंद केजरीवाल ने कहा कि सरकार पीडितों के के साथ है. प्रशासन घायलों का उचित इलाज सुनिश्चित कर रहा है. स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि लापरवाही बरतने वाले या गलत काम में लिप्त लोगों को सख्त सजा दी जाएगी.

आग लगने की घटना हृदय विदारक : राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कहा कि दिल्ली के एक अस्पताल में आग लगने से बच्चों की मौत होने की घटना हृदय विदारक है. इसके साथ ही उन्होंने शोक संतप्त अभिभावकों को यह दुख सहन करने की शक्ति देने की ईश्वर से प्रार्थना की.

दिल्ली में आवासीय इमारत में आग लगने से तीन लोगों की मौत

नयी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के कृष्णा नगर इलाके में शनिवार देर रात चार मंजिला एक आवासीय इमारत में आग लग जाने से तीन लोगों की मौत हो गई. दिल्ली अग्निशमन सेवा के अधिकारियों ने बताया कि 66 वर्षीय परमिला शाद नाम की महिला का जला हुआ शव इमारत की पहली मंजिल पर मिला. उन्होंने बताया कि अस्पताल में भर्ती कराए गए दो अन्य लोगों को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया और उनकी पहचान 18 वर्षीय केशव शर्मा एवं 34 वर्षीय अंजू शर्मा के रूप में की गई है. दिल्ली अग्निशमन सेवा के प्रमुख अतुल गर्ग ने कहा, 'हमें कृष्णा नगर में देर रात दो बजकर 35 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली.

पीएम मोदी की 'मुजरा' टिप्पणी बिहार का अपमान है : खरगे

ऐजेंसी ।सासाराम

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'मुजरा' टिप्पणी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि उन्होंने यह टिप्पणी करके 'बिहार का अपमान' किया. सासाराम लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस नेता और महागठबंधन के उम्मीदवार मनोज कुमार के पक्ष में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा, 'प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को बिहार में एक चुनावी रैली में विपक्षी नेताओं के लिए 'मुजरा' शब्द का इस्तेमाल किया... मोदी जी ने इस शब्द का इस्तेमाल कर बिहार का अपमान किया... यानी यहां मुजरा होता है. यह बिहार और उसके मतदाताओं का अपमान है.' उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी खुद को 'तीसमारखां' मानते हैं... वह गलत धारणा में हैं. जनता ही असली 'तीसमारखां' है. वह (प्रधानमंत्री) एक तानाशाह हैं... अगर तीसरी बार प्रधानमंत्री बने तो लोगों को कुछ भी कहने की इजाजत नहीं होगी."

साक्षात्कार अमित शाह ने कहा-एक एक पंथनिरपेक्ष देश के अंदर धर्म के आधार पर कानून नहीं होना चाहिए

अगले कार्यकाल में लागू होगा यूसीसी और 'एक राष्ट्र, एक चुनाव'

एजेंसी। नयी दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्ता में आने पर सभी पक्षों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद अगले पांच वर्ष के भीतर पूरे देश के लिए समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू की जाएगी. शाह ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अगली सरकार अपने अगले कार्यकाल में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को लागू करेगी क्योंकि देश में एक साथ चुनाव कराने का समय आ गया है. भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि एक साथ चुनाव कराने से खर्च भी कम होगा. चुनाव को सर्दियों या साल के किसी अन्य समय में आयोजित करने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर शाह ने कहा, 'इस पर विचार किया जा सकता है. यदि हम कोई एक चुनाव प्रीपोन (निर्धारित समय से पूर्व) कराते हैं तो यह किया जा सकता है. यह किया भी जाना चाहिए. यह छात्रों की छुट्टी का समय भी होता है. यह बहुत सारी समस्याएं भी पैदा करता है. समय के साथ, चुनाव (लोकसभा) धीरे-धीरे इस अवधि (गर्मियों के दौरान) में होने लग गए.' समान नागरिक संहिता के बारे में बात करते हुए शाह ने कहा, 'समान नागरिक संहिता एक जिम्मेदारी है जो हमारे संविधान निर्माताओं द्वारा स्वतंत्रता के बाद से हमारी संसद और हमारे देश के राज्य विधानसभाओं पर छोड़ी गई है.'

भाजपा का लक्ष्य है कि पूरे देश के लिए समान नागरिक संहिता हो

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भरतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उत्तराखंड में एक प्रयोग किया है, क्योंकि वहां बहुमत की सरकार है. हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि केंद्र के साथ यह राज्यों का भी विषय है. शाह ने कहा, 'मेरा मानना है कि समान नागरिक संहिता एक बड़ा सामाजिक, कानूनी और धार्मिक सुधार है. उत्तराखंड सरकार द्वारा बनाए गए कानून की सामाजिक और कानूनी जांच होनी चाहिए. धार्मिक नेताओं से भी सलाह ली जानी चाहिए.' उन्होंने कहा, 'मेरे कहने का मतलब है कि इस पर एक व्यापक बहस होनी चाहिए... और इस व्यापक बहस के बाद उत्तराखंड सरकार द्वारा बनाए गए मॉडल कानून में कुछ परिवर्तन करना है या नहीं...तय किया जाना चाहिए. क्योंकि कोई न कोई कोर्ट में जाएगा ही जाएगा. न्यायपालिका का अभिप्राय भी सामने आएगा.' उन्होंने कहा, 'उसके बाद देश के विधानमंडलों में और संसद को इस पर गंभीरता से सोचना चाहिए और हां...कानून जरूर बनना चाहिए. इसलिए हमने इसे अपने संकल्प पत्र में रखा है.'

समय आ गया कि देश में एक साथ चुनाव होने चाहिए : केंद्रीय गृह मंत्री

शाह ने कहा कि हम 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' कराने (लागू करने) का पूरा प्रयास करेंगे और इस पर भी चर्चा होनी चाहिये. प्रधानमंत्री ने (पूर्व राष्ट्रपति) रामनाथ कोविंद (की अध्यक्षता में) कमेटी गठित की है. मैं भी इसका सदस्य हूं. कमेटी ने अपनी रिपोर्ट दे दी है. समय आ गया कि देश में एक साथ चुनाव होने चाहिए.' शाह ने कहा, 'हमारा संकल्प पत्र पांच साल का होता है और हम उसमें लेकर आएंगे.' भाजपा ने अपने घोषणापत्र में कहा है कि संविधान के अनुच्छेद 44 में समान नागरिक संहिता को राज्य के नीति निर्देशक तत्वों में से एक के रूप में सूचीबद्ध किया गया है.

भाजपा राज में लोगों के जीवन में प्रगति नहीं हो रही है : प्रियंका

एजेंसी। फतेहगढ़ साहिब (पंजाब)

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने रविवार को भाजपा नीत केंद्र सरकार पर प्रहार करते हुए पूछा कि यदि देश की अर्थव्यवस्था में तेजी से वृद्धि हो रही है तो लोगों के जीवन में प्रगति क्यों नहीं हो रही है? यहां चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए प्रियंका ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर 'सिर्फ सत्ता हासिल करने के लिए झूठ बोलने और जनता से खोखले वादे करने' का आरोप लगाया. प्रियंका ने कहा कि देश में 70 करोड़ युवा बेरोजगार हैं और बेरोजगारी 45 साल में सबसे ज्यादा है. सरकारी क्षेत्र में 30 लाख पद रिक्त हैं. कांग्रेस महासचिव ने कहा, 'वह (मोदी) बड़े-बड़े दावे करते हैं कि अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है. मैं पूछना चाहती हूं कि यदि इसमें तेजी से वृद्धि हो रही है तो आपके (लोगों के) जीवन में प्रगति क्यों नहीं हो रही है. आपके बच्चों को नौकरी क्यों नहीं मिली? महंगाई इतनी ज्यादा क्यों बढ़ गई है. अगर देश तेजी से प्रगति कर रहा है तो यहां की स्टील फैक्टरियां बंद क्यों हो रही हैं. माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाकर उद्योग को कमजोर क्यों किया जा रहा है.'

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)